THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 95 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.6 2083 सोमवार, 6 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

2 लश्कर आतंकी मारे गए

शोपियां, 5 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां के सैदपोरा इलाके में शनिवार शाम से चल रही मुठभेड़ में भारतीय सेना के जवानों ने लश्कर के 2 आतंकी मार गिराए। मारे गए दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के टॉप ऑपरेटिव थे।

एक आतंकी जाकिर अहमद गनी उन 14 आतंकियों की लिस्ट में शामिल था, जिसे पहलगाम हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने जारी किया था। दूसरा आतंकी जाकिर का साथी लतीफ भट है। सुरक्षाबलों को शोपियां के सैदपोरा पायीन के पास छानपोरा इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। घेराबंदी के दौरान जब जवान आतंकियों के ठिकाने के करीब पहुंचे तो उन्होंने फायरिंग कर दी।

राम मंदिर घोटाला : मोहन भागवत की दो टूक, हर पापी को मिले सख्त सजा

बच्चों के डिप्रेशन पर भी जताई चिंता

नागपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में महादान पर डाका पड़ा है। दान पेटी से हुई इस चोरी ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। अब इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सीधी हुंकार भरी है। उन्होंने साफ कह दिया है कि इस महापाप के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

रविवार को नागपुर में मीडिया के सामने आते ही भागवत ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने अलग से कोई घुमावदार बात नहीं की। भागवत ने सीधे तौर पर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के बड़े बयान को आगे कर दिया। भागवत ने दो टूक कहा, कल ही दत्तात्रेय होसबाले जी ने इस पर पूरा बयान जारी किया है, आप सब उसे ही देखें।

करोड़ों भक्तों के सीने पर गहरा आघात :

होसबाले ने रामलला के दरबार में हुई इस हेराफेरी को अत्यंत निंदनीय बताया है। होसबाले ने कहा कि पीढ़ियों के खून-पसीने, संघर्ष और बलिदान से यह भव्य मंदिर बना है। यह पूरे हिंदू समाज की अटूट आस्था का केंद्र है। रामलला की दान पेटी पर हाथ साफ करने वालों ने सिर्फ पैसा नहीं चुराया, बल्कि करोड़ों रामभक्तों के भरोसे का कत्ल किया है। इस नीच हरकत से पूरा समाज गहरे सदमे और गुस्से में है।

मामला बिगड़ा तो उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को तुरंत मैदान में उतरना पड़ा। राम जन्मभूमि ट्रस्ट की गुहार पर एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई। एसआईटी ने अपनी शुरूआती जांच की और 25 जून को केस दर्ज कर लिया। अब तक इस मामले में आठ आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। जांच की आंच इतनी तेज थी कि इसके लपेटे में बड़े नाम आ गए। नैतिक जिम्मेदारी का हवाला देकर ट्रस्ट के सर्वेसर्वा चंपत राय और पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने तुरंत अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। सरकार ने जांच का दायरा बढ़ाने के लिए एसआईटी को 15 दिनों की मोहलत और दे दी है। संघ ने अब सीधे ट्रस्ट को चेताया है कि वह अपनी पूरी तिजोरी और प्रशासन के ढीले पेच कसे। साथ ही, भक्तों से संयम रखने की अपील की है ताकि देश विरोधी ताकतें इस दुखद घटना का फायदा न उठा सकें।

मोहन भागवत ने और क्या-क्या कहा :

इस गर्मागर्म विवाद के बीच, भागवत नागपुर में 'सन्मार्ग माइंड वेलनेस' केंद्र के उद्घाटन में पहुंचे थे। वहां उन्होंने नई पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य और डिप्रेशन पर एक बेहद डरावना सच सामने रखा। भागवत ने चेतावनी दी कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम और परिवारों में बुजुर्गों के मार्गदर्शन की कमी के कारण हमारे बच्चे मानसिक रूप से बेहद कमजोर और नाजुक हो रहे हैं।

'इस चोरी से मैं आहत, दुखी और लज्जित हूं...'

राम मंदिर चढ़ावा गबन पर कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी का पत्र

अयोध्या, 5 जुलाई (एजेंसियां)। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्र से चढ़ावा चोरी के मामले ने पूरे देश में चर्चा छेड़ दी है। इस घटना के बाद राम मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर मामले पर अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि रामलला के दरबार में हुई चोरी की घटना से वह व्यक्तिगत रूप से बेहद आहत, दुखी और लज्जित हैं।

गोविंद देव गिरी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिशा के इस्तीफे की चर्चाएं भी तेज हैं।

जारी पत्र में गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि रामलला के दरबार में हुई चोरी की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने लिखा कि इस घटना ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आहत किया है और यह उनके लिए शर्मिंदगी का विषय है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोषाध्यक्ष होने के बावजूद उनकी भूमिका दैनिक नकदी प्रबंधन या दान की गिनती में प्रत्यक्ष रूप से नहीं रहती थी।

'खर्च सीधे बैंक से होते थे, मैं पुणे में रहता हूं'

दान की निगरानी को लेकर उठ रहे सवालों पर उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के सभी खर्च बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि उनका स्थायी निवास महाराष्ट्र के पुणे में है और वे अधिकांश समय कथा-प्रवचन के कार्यक्रमों के सिलसिले में देशभर में रहते हैं। इसी कारण उनका अयोध्या आना महीने या डेढ़ महीने में एक बार ही हो पाता था।

कोषाध्यक्ष ने अपने पत्र में वित्तीय पारदर्शिता का दावा करते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी अपने प्रवास, यात्रा या ठहरने के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के धन का उपयोग नहीं किया।उन्होंने कहा, मैंने आज तक अपने प्रवास के लिए न्यास के खजाने से एक रुपया भी नहीं लिया।

आज की बैठक पर सबकी नजर

राम मंदिर ट्रस्ट की प्रस्तावित 6 जुलाई की बैठक पर अब सभी की नजरें टिकी हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में दानपात्र चोरी मामले की समीक्षा के साथ सुरक्षा व्यवस्था और वित्तीय निगरानी को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं।

उधर, मामले की जांच कर रही अयोध्या पुलिस ने रविवार को चढ़ावा चोरी मामले के पांच आरोपियों, अनुकल्प मिशा, लवकुश मिशा, रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, करुणेश पांडे और मनीष यादव से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान चोरी के पैसों से कथित तौर पर बनाई गई कई संपत्तियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। अब इन संपत्तियों की विस्तृत जांच की जाएगी।

संबित पात्रा के नाम पर हो रही ठगी

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा का व्हाट्सएप नंबर कथित तौर पर हैक हो गया है। इस संबंध में जानकारी सामने आने के बाद उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उनका कहना है कि साइबर ठग उनके व्हाट्सएप अकाउंट का दुरूपयोग कर परिचितों और अन्य लोगों को फर्जी संदेश भेज रहे हैं तथा विभिन्न बहानों से पैसों की मांग कर रहे हैं।

संबित पात्रा ने बताया कि हैकर्स उनके व्हाट्सएप नंबर का इस्तेमाल कर ऐसे संदेश भेज रहे हैं, जिनका उनसे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके नंबर से आने वाले किसी भी संदिग्ध संदेश, कॉल या आर्थिक लेन-देन से जुड़े अनुरोध पर भरोसा न करें।

यदि किसी को उनके नाम या नंबर से पैसे भेजने या किसी अन्य वित्तीय सहायता की मांग वाला संदेश मिलता है, तो उसे पूरी तरह फर्जी माना जाए। उन्होंने कहा कि यह साइबर अपराध का गंभीर मामला है और लोगों को ऐसे मामलों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

मुझे रोकना है तो मारना पड़ेगा : ममता

गद्दारी की भी एक सीमा होती है, बागी नेताओं को चुनौती- हिम्मत है तो भाजपा में शामिल हों

कोलकाता, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी बगावत के बीच ममता बनर्जी ने कहा कि पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाएगा। अगर मुझे रोकना है तो मुझे मारना पड़ेगा।

ममता ने बागी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा, अगर हिम्मत है तो खुलकर भाजपा में शामिल हो जाओ। तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं? मैं जनता के बीच पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर जाऊंगी, मेरी आवाज कोई नहीं दबा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि बागी नेता अब खुलकर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। ममता ने कहा, गद्दारी की भी एक सीमा होती है। ममता का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पार्टी के 20 सांसद और 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। शनिवार को टीएमसी की पश्चिम बंगाल अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बाद में वह बागी गुट के नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के साथ नजर आईं।

ममता ने क्यों चुनौती दी :

> ममता का साथ छोड़कर अलग हुए बागी विधायक और सांसद फिलहाल भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं।

> 3 जून को टीएमसी के 80 में से 58 विधायक ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हो गए थे। उन्होंने अलग गुट बनाया, पार्टी सिंबल और नाम पर दावा किया।

> इसके अलावा 15 जून को टीएमसी के 20 सांसदों ने भी पार्टी छोड़कर त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (एनसीपीआई) में विलय कर लिया था।

ममता बोलीं- जिस पार्टी के दम पर चुनाव जीते, अब उसी से गद्दारी कर रहे

पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि जिन नेताओं ने उनके पार्टी सिंबल पर चुनाव जीता, वही अब कह रहे हैं कि 2023 के बाद पार्टी का अस्तित्व नहीं रहा। पार्टी ने ही उन्हें राजनीतिक पहचान दी, लेकिन अब वे उसी पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं और खुले तौर पर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। अगर हिम्मत है तो खुलकर भाजपा में शामिल हो जाइए।

कुछ लोगों ने केंद्रीय बलों की मदद से तृणमूल भवन पर कब्जा कर लिया।

भवन का किराया अक्टूबर 2027 तक जमा है और पार्टी हर महीने एक लाख रुपये किराया देती है। यह किसी व्यक्ति की संपत्ति नहीं, बल्कि 'मां, माटी, मानुष' की संपत्ति है।

शिवपुरी में बने हथियार दुश्मन का सीना चीरेंगे : सिंधिया

जीत अदाणी बोले- 1 लाख 20 हजार नौकरियां देंगे, 2500 करोड़ की फैक्ट्री में बनेंगी मिसाइलें

शिवपुरी, 5 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में 2500 करोड़ रुपये की अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास किया गया। फैक्ट्री में गोला-बारूद, हाईटेक हथियार, मिशन-रेडी मिसाइलें और हाईटेक डिफेंस प्रोडक्ट्स बनाए जाएंगे। मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में करीब 10 हजार लोगों को नौकरियां मिलेंगी।

अदाणी समूह के डायरेक्टर जीत अदाणी ने कहा- समूह के चेयरमैन ने मध्य प्रदेश में 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। यह निवेश पंप हाइड्रो स्टोरेज, सीमेंट, माइनिंग, लॉजिस्टिक्स और थर्मल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। अदाणी ग्रुप का लक्ष्य 2030 तक मध्य प्रदेश में करीब 1 लाख 20 हजार रोजगार उपलब्ध कराना है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, जब भी देश की रक्षा के लिए युद्ध होगा, तब शिवपुरी से हथियार और गोला-बारूद जाएंगे। यहां के युवाओं की मेहनत से बने हथियार दुश्मन का सीना चीरेंगे। गोला-बारूद दुश्मन को परास्त करेंगे। उन्होंने शिवपुरी के लिए सीएम मोहन से 4 मांगें भी कीं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मांगों पर कहा- आज महाराज की आवाज कुछ अलग ही नजर आई। ऐसा लग रहा था जैसे रोटी पर थोड़ा ज्यादा मक्खन लगा दिया हो। हालांकि, मांगों को स्वीकार करते हुए कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि शिवपुरी में 100 फीट से अधिक ऊंची भगवान शिव की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

यूएनएससी में स्थायी सदस्यता की मांग

नई दिल्ली/टोक्यो, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और जापान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) स्थायी सदस्यता की मांग बुलंद की है। हाल ही में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइचे की नई दिल्ली यात्रा के दौरान दोनों देशों के संयुक्त बयान में इसका जिक्र किया गया। इस दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों ने यूएनएससी में तत्काल सुधार के लिए जी-4 देशों (भारत, जापान, जर्मनी और ब्राजील) के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

दोनों नेताओं ने यूएनएससी की स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों के विस्तार पर जोर दिया, जिसका अधिकांश देश समर्थन करते हैं। दोनों नेताओं ने विस्तारित सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए एक-दूसरे की उम्मीदवारी का समर्थन किया। दोनों नेताओं ने यूएनएससी सुधारों में तेजी लाने का संकल्प लिया। इसमें इंटर गवर्नमेंटल नेगोसिएशंस (आईजीएन) ढांचे के तहत टेक्स्ट आधारित बातचीत शुरू करके निश्चित समय सीमा में ठोस परिणाम हासिल करने पर जोर दिया गया।

यूएनएससी में सुधार के पक्ष में भारत :

भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करता रहा है। इस प्रयास में उसे जापान, जर्मनी और ब्राजील का समर्थन हासिल है, जिन्हें जी-4 देश के नाम से जाना जाता है। इस समूह का कहना है कि सुरक्षा परिषद का ढांचा अभी भी द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी स्थापना के समय की वैश्विक व्यवस्था है, जबकि इन 8 दशकों में दुनिया तेजी से बदली है। सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत को फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों का समर्थन हासिल है।

भारत दुनिया की कुल आबादी के छठे हिस्सा का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में भारत को दूसरे देशों को उचित स्थान देने से यूएनएससी की विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी। इसी साल फरवरी में भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने जर्मनी में जी-4 देशों की अहम बैठक में हिस्सा लिया था। इस बैठक के बारे में जानकारी देते हुए जापान के विदेश मंत्रालय ने बताया था कि जी-4 सहयोगी देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि वे सुरक्षा परिषद के मौजूदा स्थायी सदस्यों और अफ्रीकी देशों समेत संबंधित देशों के साथ काम करते हुए ठोस नतीजे हासिल करने का लक्ष्य रखेंगे।

यूएनएससी में सुधार क्यों है जरूरी

> संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गठन द्वितीय विश्व युद्ध के समय किया गया था। इस दौरान दुनिया का शक्ति संतुलन बहुत अधिक बदल गया है, लेकिन यह संस्था अभी भी 80 साल पुराने वर्ल्ड ऑर्डर को ढो रही है।

>12

पाकिस्तान का नया 'आतंकी' चेहरा!

टीटीएच के जरिए दिल्ली-एनसीआर को दहलाने की साजिश आईएसआई-गैंगस्टर गठजोड़ का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान अब तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) के जरिए प्रॉक्सी वॉर कर रहा है। इसका खुलासा कुछ महीनों के दौरान पकड़े गए 'आतंकियों' ने किया है। दावा है कि पाक खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और गैंगस्टर शहजाद भट्टी मॉड्यूल इसे ऑपरेट कर रहा है। कुछ महीने पहले दिल्ली और फरीदाबाद की दीवारों पर टीटीएच के नाम की ग्राफिटी बनाई गई। पंजाब में पुलिसकर्मियों की हत्या और चौकी पर ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी लेकर इसे चर्चाओं में लाने का काम किया गया। अब इसका टारगेट दिल्ली-एनसीआर में धमाके कर दहशत फैलाना है।

खुफिया एजेंसियों के अफसरों का दावा है कि पिछले महीने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आठ कथित आतंकियों को पकड़ा था। इनसे पूछताछ में खुलासा हुआ कि इन्हें पाक समर्थित संगठन टीटीएच के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पाक गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आबिद जट समेत अन्य ऑपरेटर्स से ये सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड मेसेजिंग ऐप्स के जरिए जुड़े। भट्टी के कहने पर दिल्ली और फरीदाबाद के कई इलाकों में टीटीएच के सपोर्ट में ग्रैफिटी बनाई। इनके विडियो बना पाक स्थित हैंडलर्स को भेजे। बदले में पांच हजार रुपये दिए गए।

गुरदासपुर में पाक बॉर्डर के करीब एक चौकी पर फरवरी में ग्रेनेड हमले में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी। मई में अमृतसर में पंजाब पुलिस के एक एएसआई की हत्या की गई। इन वारदात की जिम्मेदारी टीटीएच ने सोशल मीडिया पोस्ट जारी करके ली थी। दिल्ली, यूपी, झारखंड, बिहार, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में टीटीएच के नेटवर्क के इनपुट हैं।

तूफानी लहरों के बीच तटरक्षक बल का कमाल

150 किमी दूर बहे बहुमूल्य वैज्ञानिक डेटा बॉय को सुरक्षित निकाला

नेल्लुरु, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय तटरक्षक बल ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। बेहद चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में भारतीय तटरक्षक बल ने बंगाल की खाड़ी से बहकर गई वैज्ञानिक डेटा बॉय को सुरक्षित निकाला है। यह सफल कार्रवाई एक बड़ी सफलता के तौर पर देखी जा रही है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी में यह अपनी निर्धारित स्थिति से बहकर दूर चली गई थी। यह एक एमओईएस-एनआईओटी वैज्ञानिक डेटा बॉय है। भारतीय तटरक्षक बल ने इसको सफलतापूर्वक खोजकर सुरक्षित अपने नियंत्रण में ले लिया है। चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों के बीच भारतीय तटरक्षक बल के जहाज रानी गैदिन्लियू ने इस अभियान को पूरा किया।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, यह अभियान समुद्र में वैज्ञानिक उपकरणों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति भारतीय तटरक्षक बल की प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण है। जानकारी के अनुसार, यह वैज्ञानिक डेटा बॉय आंध्र प्रदेश के नेल्लोर तट के पास अपनी निर्धारित स्थिति से 150 किलोमीटर से अधिक दूर बह गई थी।

समुद्र में तेज हवाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद तटरक्षक दल ने सटीक खोज अभियान चलाकर इस बहुमूल्य वैज्ञानिक उपकरण को सुरक्षित बरामद कर लिया। यह डेटा बॉय समुद्री वातावरण से जुड़े महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आंकड़े, जैसे समुद्र की लहरों, तापमान, धाराओं, मौसम तथा अन्य समुद्री परिस्थितियों का डेटा एकत्र करती है। इन आंकड़ों का उपयोग मौसम पूर्वानुमान, समुद्री अनुसंधान, तटीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन तथा समुद्री गतिविधियों की निगरानी में किया जाता है।

भारतीय तटरक्षक बल ने कहा कि अपने निर्धारित दायित्वों के तहत वह केवल समुद्री सुरक्षा, खोज एवं बचाव तथा प्रदूषण नियंत्रण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समुद्र में स्थापित वैज्ञानिक उपकरणों और अनुसंधान परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस प्रकार के अभियानों से देश की समुद्री वैज्ञानिक गतिविधियों को निरंतर समर्थन मिलता है और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

यमन के पास लाल सागर में मालवाहक जहाज पर हमला

काहिरा, 5 जुलाई (एजेंसियां)। यमन के तट के पास लाल सागर में रविवार को एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि जहाज ने अज्ञात हथियारबंद हमलावरों द्वारा हमले की सूचना दी है। घटना की जांच की जा रही है। यूकेएमटीओ के अनुसार हमला यमन के पश्चिमी तटीय शहर होदेदा से करीब 30 समुद्री मील (55 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में हुआ। होदेदा शहर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के नियंत्रण में है। एजेंसी ने बताया कि जहाज से सूचना मिली कि उस पर अज्ञात हथियारबंद लोगों ने हमला किया है। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली थी।

हाल के दिनों में हूती विद्रोहियों ने फिर से लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों पर हमले शुरू करने की धमकी दी थी, लेकिन अब तक उन्होंने कोई नया हमला नहीं किया था। इस घटना पर हूती संगठन की ओर से भी तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

इससे पहले गाजा युद्ध के दौरान हूती विद्रोहियों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों के पास से गुजरने वाले कई जहाजों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए थे। इन हमलों के कारण कई अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों ने लाल सागर और स्वेज नहर के रास्ते की बजाय अफ्रीका के दक्षिणी सिरे से लंबा समुद्री मार्ग अपनाना शुरू कर दिया था।

पीओके में लगे भारत की ओर चलने के नारे

प्रदर्शनकारियों ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से मांगी मदद, मुनीर-शहबाज के होश उड़ना तय

जम्मू, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विरोध प्रदर्शन एक बार फिर तेज हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) की अगुआई में रावलकोट में हजारों लोग सड़क पर उतरे हैं। प्रदर्शनकारियों के निशाने पर पाकिस्तानी सरकार और पुलिस हैं। वहीं इस प्रदर्शन में एक और खास बात देखी जा रही है। पीओके के लोगों ने ना सिर्फ खुलकर जम्मू-कश्मीर के लोगों से मदद मांगी है बल्कि साथ ही साथ दोनों ओर के कश्मीर के बीच से बॉर्डर खत्म करने की बात भी कही है।

पीओके में प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे नेताओं के वीडियो सामने आए हैं, इनमें वह कश्मीरी लोगों से मदद मांग रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने खाने-पीने की चीजों की सप्लाई तीन हफ्ते से बंद होने की वजह से अपने सामने आ रही मुश्किलों का हवाला दिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों से पीओके के लोगों की करने मदद की अपील की है। यह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ की मुश्किल बढ़ा सकता है।

'हमारी मदद करे भारत'

पीओके में पाकिस्तान सरकार विरोधी प्रदर्शन के मुख्य आयोजकों में से एक सरदार अमन खान ने भारत के जम्मू क्षेत्र के पुंछ, मेंढर, राजौरी और डोडा के लोगों से मदद की अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सरकार ने खाने-पीने की चीजों की सप्लाई रोक रखी है। इससे पैदा हो रहे मानवीय संकट को देखते हुए कश्मीर के लोगों को हमारी मदद करनी चाहिए।

सरदार अमन खान ने प्रदर्शन में आए लोगों से खुलकर कहा कि हमें अब लाइन ऑफ कंट्रोल की तरफ (भारत की ओर) बढ़ना चाहिए।अमन खान ने जब माइक से लोगों की भीड़ से पूछा कि क्या उन्हें एलओसी की ओर बढ़ना चाहिए।

इस पर रावलकोट के ईदगाह मैदान में जमा हजारों की भीड़ ने 'हां' कहते हुए जवाब दिया। हम अब इस्लामाबाद की धमकियों के आगे नहीं झुकेंगे। अगर हमने रास्ता खुला रखा है और अगर किसी को लगता है कि हमारी कमजोरी देखकर हम कहीं फंस गए हैं, तो वे गलतफहमी में हैं। कोई फंसा नहीं है। हम आपको रास्ते दिखाएंगे।

>12

बाइक के टूल बॉक्स में छिपा रखी थी एमडी ड्रग्स: क्राइम ब्रांच ने 2 अंतरराज्यीय बदमाशों को पकड़ा

इंदौर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। बाइक के टूल बॉक्स में एमडी ड्रग्स छिपाकर तस्करी के लिए ले जाने वाले दो अंतरराज्यीय बदमाशों को क्राइम ब्रांच ने धरदबोचा। उनके पास से 1 लाख 70 हजार रुपए कीमत की ड्रग्स सहित 2 लाख 10 हजार रुपए का माल जब्त किया। बदमाश राजस्थान से एमडी ड्रग्स लाकर इंदौर में बेचने की फिराक में घूम रहे थे। इंदौर क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शहर में क्राइम ब्रांच की टीम लगातार ड्रग्स तस्करी करने वालों की तलाश कर उन पर कार्रवाई कर रही है। टीम को जानकारी मिली, जिस पर टीम ने टीसीएस चौराहा, नंदबाग मेन रोड पर घेराबंदी की। चेकिंग के दौरान टीम ने बाइक सवार दो संदिग्ध लोगों को रोका और उनसे पूछताछ की। इस पर वे घबराने लगे। टीम ने जब उनकी बाइक चेक की तो बाइक के टूल बॉक्स में एक ट्रांसपेरेंट प्लास्टिक में 17 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। पूछताछ में बदमाशों ने अपने नाम दीवान सिंह पिता रतन सिंह निवासी रतनपुरा खेड़ा, जिला झालावाड़, राजस्थान और लक्ष्मण सिंह पिता वृद्ध सिंह निवासी मोगरा भवानीमंडी, जिला झालावाड़, राजस्थान बताया।

दिल्ली-यूपी समेत 20 राज्यों में आंधी-तूफान और
भारी बारिश की चेतावनी, मुंबई और ठाणे में 'रेड अलर्ट'

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। देश में मॉनसून अब पूरी तरह एक्टिव हो चुका है और तेजी से उत्तर भारत की तरफ बढ़ रहा है। एक तरफ जहां महाराष्ट्र और उत्तर-पूर्व के कुछ राज्यों में भारी बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, वहीं दूसरी तरफ मौसम विभाग ने देश के 20 राज्यों में आंधी, तूफान और तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। जिन 20 राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है, उनमें दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, तमिलनाडु, झारखंड, कर्नाटक, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, आंध्र प्रदेश, केरल, मिजोरम और त्रिपुरा शामिल हैं।

कैसा रहेगा दिल्ली-एनसीआरका मौसम?

दिल्ली और उसके आस-पास के इलाकों में गर्मी और धूप से तो राहत मिल गई है, लेकिन अभी कई जगहों पर अच्छी बारिश का इंतजार है। मौसम विभाग के मुताबिक, 6 जुलाई को दिल्ली-एनसीआरमें बादल छाए रहेंगे और

मध्यम दर्जे की बारिश होगी।

यूपी के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

उत्तर प्रदेश में मॉनसून का तगड़ा असर दिखने वाला है। प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, चित्रकूट, आगरा, वाराणसी, देवरिया, बलिया, सोनभद्र और मिर्जापुर समेत कई जिलों में 9 जुलाई तक भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया गया है।

बिहार के इन जिलों में गरज-चमक के साथ बौछारें

बिहार के पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा और समस्तीपुर जैसे जिलों में कुछ स्थानों पर बारिश और बिजली कड़कने की संभावना है।

राजस्थान के कई इलाकों में तूफानी बारिश का अलर्ट

राजस्थान में अगले 4-5 दिनों तक भारी बारिश का दौर जारी रहेगा। झालावाड़, बांसवाड़ा और डूंगरपुर में भारी बारिश और तूफान का अलर्ट है। इसके अलावा जयपुर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर और चुरू समेत कई जिलों में आंधी-तूफान के साथ तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है।

महाराष्ट्र के मुंबई और ठाणे के लिए रेड अलर्ट जारी

महाराष्ट्र में हालात काफी गंभीर हैं। मौसम विभाग ने मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ के लिए बहुत तेज बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया है और लोगों को घरों से बाहर निकलते समय बेहद सावधानी बरतने को कहा है। इसके अलावा अमरावती, नागपुर, वर्धा और चंद्रपुर जैसे जिलों में भी 7 जुलाई तक भारी बारिश और आंधी का अलर्ट है।

पश्चिम बंगाल में भारी बारिश की चेतावनी

बंगाल की खाड़ी में मौसम बदलने के कारण कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के कई जिलों में 6 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मेदिनीपुर, पुरुलिया और बांकुरा जैसे जिलों में बिजली गिरने की आशंका के साथ येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दिन-दहाड़े दुखद घटना पिता और बेटी की मौत

पलनाडु, 5 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के रोमपिचरला मंडल के अलवाल गाँव में एक दुखद घटना हुई। गाँव के रहने वाले पिता और बेटी की आत्महत्या से इलाके में हड़कंप मच गया। उन्होंने अपने ही घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से गाँव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गाँव के रहने वाले गोनुगुंटला पोथुलय्या (60) और उनकी बेटी रामाजम्मा (39) अपने घर पर मृत पाए गए। घटना का पता चलने पर परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची, जानकारी जुटाई और मामले की जाँच शुरू की।

उन्होंने परिवारिक झगड़ों और कुछ समय से चली आ रही निजी समस्याओं के कारण यह गंभीर कदम उठाया। रिश्तेदारों और ग्रामीणों का भी यही मानना है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए पास के सरकारी अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने इस घटना का मामला दर्ज कर लिया है और हर पहलू से जाँच कर रही है। इस दुखद घटना से मृतक के परिवार वाले और ग्रामीण गहरे सदमे में हैं।

हसीना की झूठी मोहब्बत में फंसा कांस्टेबल
बोली-15 लाख महीना है मेरी सैलरी शादी के एक महीने बाद ही कर गई कांड

गुंटूर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले से शादी के नाम पर कथित धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है। एक एपीएसपी कांस्टेबल ने एक महिला पर शादी का झांसा देकर धोखा देने, घर से सोने के गहने और नकदी लेकर फरार होने व तलाक नहीं देने पर झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मंगलगिरी के एलबी नगर निवासी सतीश 16वीं बटालियन में एपीएसपी कांस्टेबल हैं और वर्तमान में विशाखापत्तनम में तैनात हैं। इसी साल जनवरी में उनकी पहचान जयश्री पांडा नाम की महिला से फोन पर हुई। महिला ने खुद को डीजीपी कार्यालय में कार्यरत बताते हुए मदद मांगी थी।

इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और नजदीकियां बढ़ गईं। कांस्टेबल का आरोप है कि जयश्री ने खुद को अविवाहित बताया और भविष्य में पैतृक संपत्ति मिलने, एक कॉर्पोरेट कंपनी में 15 लाख रुपये प्रतिमाह वेतन वाली नौकरी मिलने का दावा किया। कुछ समय बाद उसने शादी का प्रस्ताव रखा। सतीश के अनुसार, उन्होंने महिला को बताया था कि वह पहले से विवाहित थे। इसके बावजूद महिला ने दावा किया कि उसे उनके तलाक की जानकारी है और दोनों ने 13 मई को परिवार के लोगों की मौजूदगी में एक मंदिर में शादी कर ली।

शिकायत के मुताबिक, शादी के बाद दोनों करीब एक महीने तक साथ रहे। इसके बाद 13 जून को महिला कथित रूप से करीब 200 ग्राम सोने के गहने और नकदी लेकर घर से चली गई। जब सतीश ने उससे संपर्क किया तो उसने बाद में तलाक की मांग की और कथित तौर पर चेतावनी दी कि यदि उसकी शर्तें नहीं मानी गईं तो वह झूठे मुकदमों में फंसा देगी। इन घटनाओं के बाद सतीश ने मंगलगिरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

अगर मैं उस घोषणापत्र के साथ आगे बढ़ी तो मुझे एक भी सीट नहीं मिलेगी
मंत्री संध्यारानी ने जगन पर तंज कसा

अमरावती, 5 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश की महिला, बाल और आदिवासी कल्याण मंत्री गुम्माडी संध्यारानी ने वाईसीपी प्रमुख वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी पर गहरी नाराजगी जताई। मंत्री ने कहा कि जगन की बातें बेबुनियाद हैं।

आज अमरावती में मीडिया से बात करते हुए मंत्री संध्यारानी ने कहा कि जो व्यक्ति हत्या के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकता, वह कैसा इंसान है? उन्होंने जगन की आलोचना करते हुए कहा कि वे लोगों की बात नहीं सुनते। मंत्री ने कहा कि अगर कोई ईमानदार सोच के साथ बात करता है, तो उसकी बातों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, जगन, क्या आप कह रहे हैं कि आप लोगों की परवाह नहीं करते? या आप हमें बेवकूफ बनाना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि जगन को हकीकत समझनी चाहिए। पिछले चुनावों में 11 सीटें मिली थीं। और अब वे ऐसे घोषणापत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वाईसीपी को एक भी सीट नहीं मिलेगी। मंत्री ने कहा कि उत्तरी आंध्र प्रदेश में जगन से भी वरिष्ठ नेता हैं, जो लोगों के लिए भगवान और देवी-देवताओं के समान हैं और वे पार्टी में हैं। उन्होंने सवाल किया कि जगन यह क्यों नहीं बता पा रहे हैं कि उनके लगातार बयानों से वाईसीपी को कितना नुकसान हुआ है? विशाखापत्तनम राजधानी है और वहां के लोगों ने चुनावों में वाईसीपी को वोट नहीं दिया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि लोग जगन की बातों पर विश्वास नहीं करते। मंत्री संध्यारानी ने तंज कसते हुए कहा कि जगन का मानवीय रिश्तों से कोई लेना-देना नहीं है;

भांजे के प्यार पड़ गई मामी
पति को छोड़ रहने लगी साथ, अब अवैध संबंध का हुआ खौफनाक अंत

कोलकाता, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां कथित तौर पर प्रेम संबंध में रह रहे मामी और भांजे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव किराए के मकान में फंदे से लटका मिला, जबकि विवाहित महिला का शव रेलवे ट्रैक से बरामद हुआ। इस दोहरी मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस हत्या, आत्महत्या और अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय देबाशीष मंडल और 33 वर्षीय रूनू मंडल के रूप में हुई है।

दोनों उत्तर 24 परगना के बशीरहाट के टैटरा इलाके के रहने वाले थे। परिवार के मुताबिक, रूनू की शादी करीब 14 साल पहले बनगांव में हुई थी। शादी के बाद मायके आने-जाने के दौरान उसकी नजदीकियां अपने रिश्ते के भांजे देबाशीष से बढ़ीं। समय के साथ यह रिश्ता प्रेम संबंध में बदल गया। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विरोध और लगातार हो रहे विवाद के बाद दोनों कुछ महीने पहले घर छोड़कर बशीरहाट में किराए के मकान में साथ रहने लगे थे। शनिवार सुबह सबसे पहले बशीरहाट स्टेशन के पास अनंतपुर इलाके में रेलवे ट्रैक से रूनू मंडल का शव बरामद हुआ। लगभग उसी समय पुलिस को सूचना मिली कि मयलाखोला इलाके के एक किराए के मकान में देबाशीष का शव फंदे से लटका हुआ है। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला।

देबाशीष के परिवार ने इस घटना को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का दावा है कि युवक इस रिश्ते को लेकर मानसिक तनाव में था और कुछ दिन पहले उसने अपने पिता को फोन कर घर लौटने की इच्छा भी जताई थी। परिवार का आरोप है कि रूनू ने पहले देबाशीष की हत्या की और बाद में ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली।

एक महीने बाद, सीएम शिवकुमार की सरकार के सामने कैबिनेट विस्तार की चुनौती

बेंगलूरु, 5 जुलाई (एजेंसियां)। इस हफ्ते की शुरुआत में, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की सरकार ने सत्ता में एक महीना पूरा किया। हालांकि सरकार के कामकाज का आकलन करने के लिए यह बहुत कम समय है, लेकिन सत्ता परिवर्तन से प्रशासन में नई ऊर्जा आई है, जो सिद्धारमैया के कार्यकाल के आखिरी कुछ महीनों में सुस्त लग रहा था। विभागों के बंटवारे के शुरुआती झटके से उबरने के बाद - जिसमें दो वरिष्ठ मंत्री नाराज़ हो गए थे - सीएम अपनी पार्टी में राजनीतिक अनिश्चितता के बजाय अपनी सरकार पर ध्यान केंद्रित करने में कामयाब रहे हैं। अपने पूर्ववर्ती के विपरीत, सीएम ने केंद्र सरकार के साथ खुले टकराव से परहेज किया है,

और अब तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीखी आलोचना करने में राज्य में अपनी पार्टी के नेताओं के साथ शामिल होने से भी बचे हैं। हालांकि, यह तो बस शुरुआत है, और कांग्रेस सरकार को अभी लंबा रास्ता तय करना है। सरकार में इसी गति

और एकजुटता को बनाए रखना एक बहुत बड़ी चुनौती है, खासकर कैबिनेट के विस्तार के बाद। वर्तमान में सरकार 34 सदस्यों वाली कैबिनेट में केवल 13 मंत्रियों के साथ काम कर रही है। इनमें से केवल दो नए चेहरे हैं, और बाकी पिछली कैबिनेट का हिस्सा थे। अगर कांग्रेस नेतृत्व बाकी बची ज़्यादातर सीटें नए चेहरों को देने का फैसला करता है, तो कैबिनेट में लौटने की उम्मीद कर रहे वरिष्ठ नेता नाराज़ हो जाएंगे। हालांकि, अगर ज़्यादातर वरिष्ठ नेताओं को फिर से शामिल किया जाता है, तो नए दावेदार निराश होंगे। किसी भी तरह से, यह एक मुश्किल स्थिति है। कांग्रेस 2028 के चुनावों के लिए नई सरकार के प्रदर्शन पर भरोसा करेगी, लेकिन जो लोग बाहर रह जाएंगे, उनकी प्रतिक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी कैबिनेट विस्तार में शिवकुमार, सिद्धारमैया और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के वफादारों के बीच कैसे संतुलन बनाती है। प्रशासनिक मोर्चे पर, कृषि और शिक्षा जैसे प्रमुख विभागों के लिए कोई पूर्णकालिक मंत्री नहीं है; ये विभाग सीएम के पास हैं।

राज्य के कई जिले सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, और जलाशयों में जल स्तर कम है। सरकार ने किसानों से कहा है कि वे कुछ समय के लिए बांध के पानी पर निर्भर फसलों की खेती न करें। जहां सीएम राज्य की राजधानी में कई बैठकें कर रहे हैं, वहीं मंत्री ज़मीनी स्तर पर शायद ही सक्रिय दिखते हैं। अगर वे सुधार करने में नाकाम रहते हैं, तो सरकार पर बेंगलुरु-केंद्रित होने का ठप्पा लगने का खतरा है।

लव मैरिज के दो महीने बाद युवक ने किया सुसाइड

इंदौर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के मल्हारगंज थाना क्षेत्र में 20 साल के एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने दो महीने पहले ही प्रेम विवाह किया था। शुरुआती जांच में पति-पत्नी के बीच विवाद की बात सामने आई है, जबकि परिजनों ने पूरे घटनाक्रम पर संदेह जताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राजू (20) पुत्र भागीरथ वर्मा, निवासी हुजुरगंज के रूप में हुई है। परिजनों को सूचना मिली कि राजू ने अपने घर में फांसी लगा ली है।

सूचना मिलते ही परिवार मौके पर पहुंचा। परिजनों ने बताया कि राजू ने करीब दो महीने पहले प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद पति-पत्नी परिवार से अलग रह रहे थे। राजू एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करता था। मृतक के भाई कुणाल ने आत्महत्या के मामले में संदेह जताते हुए पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

चंद्रिमा भट्टाचार्य के इस्तीफे पर दिलीप घोष का तंज
बोले- इतने साल वित्त मंत्री रहीं पर बजट कैसे बनता था, पता ही नहीं

कोलकाता, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सियासत में उस समय हलचल तेज हो गई, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की वरिष्ठ नेता चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया। इस घटनाक्रम के बाद भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी में अब इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो चुका है, जो उसके संगठनात्मक संकट की ओर संकेत करता है। मीडिया से बातचीत के दौरान दिलीप घोष ने तंज कसते हुए कहा, देश में एक समय अवॉर्ड लौटाने का दौर चला था। अब तृणमूल कांग्रेस में इस्तीफे देने का दौर शुरू हो गया है।

लगता है कि आने वाले दिनों में यह सिलसिला और भी तेज हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस का संगठन पहले की तुलना में कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। उनके अनुसार, पार्टी के भीतर लगातार हो रहे

बदलावों के कारण यह समझना भी मुश्किल हो गया है कि कौन नेता किस पद पर है और कौन संगठन छोड़ रहा है। साथ ही दिलीप घोष कहते हैं, ऐसा लगता है कि तृणमूल कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा पहले जैसा प्रभावी नहीं रहा। यही वजह है कि यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि कौन इस्तीफा दे रहा है और कौन किस भूमिका में आगे बढ़ रहा है। हालांकि, यह पूरी तरह पार्टी का आंतरिक मामला है और इसका समाधान भी उन्हें खुद ही करना होगा। चंद्रिमा भट्टाचार्य के संगठनात्मक पदों से इस्तीफे के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

छानबीन समिति के सामने पेश होंगी मंत्री प्रतिमा बागरी
कास्ट सर्टिफिकेट मामले में राहत मिलने की संभावना

भोपाल, 5 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सोमवार को अपने कास्ट सर्टिफिकेट विवाद के मामले में छानबीन समिति के सामने पेश होंगी। बैठक सुबह 11 बजे प्रस्तावित है। सूत्रों के मुताबिक, समिति के समक्ष रखे जाने वाले शुरुआती दस्तावेज उनके पक्ष में माने जा रहे हैं, जिससे उन्हें राहत मिलने की संभावना बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि दस्तावेजों में फैमिली ट्री भी शामिल है।

इसमें ऐसे तथ्य रखे गए हैं जिनके अनुसार उनके परिवार के सदस्य पहले भी अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित सीटों से विधायक और मंत्री रह चुके हैं। यदि समिति उन्हें क्लीन चिट देती है तो प्रतिमा बागरी मोहन सरकार की दूसरी मंत्री होंगी जिन्हें इस मामले में राहत मिलेगी। इससे पहले राज्यमंत्री गौतम टेटवाल को भी छानबीन समिति से क्लीन चिट मिल चुकी है, हालांकि उनके मामले को बाद में अदालत में चुनौती दी गई। टेटवाल प्रकरण में शिकायतकर्ता की याचिका इंदौर हाईकोर्ट ने स्वीकार कर ली है और अंतिम सुनवाई 21 जुलाई को तय है।

कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने शिकायत की है कि प्रतिमा बागरी ने चुनाव लड़ने के दौरान जो अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया, वह वैध नहीं है। उनका दावा है कि सतना क्षेत्र की अनुसूचित जातियों की आधिकारिक सूची में बागरी समुदाय का नाम शामिल नहीं है। मामला छानबीन समिति तक पहुंचा, लेकिन वहां कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका।

इसके बाद अहिरवार ने हाईकोर्ट का रुख किया। याचिका में कहा है कि प्रतिमा बागरी वास्तव में राजपूत या ठाकुर समुदाय से संबंध रखती हैं और सामान्य वर्ग से आने के बावजूद आरक्षित सीट से चुनाव लड़ना नियमों के विरुद्ध है। अदालत ने मामले के जल्द निपटारे के निर्देश दिए थे, जिसके बाद अब छानबीन समिति की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

जम्मू-कश्मीर की किताब में आतंकी हाफिज सईद को महान बताया
एफआईआर दर्ज, 8 अफसर सस्पेंड; भाजपा बोली- ये एकेडमिक जिहाद, बुक बैन करें

जम्मू, 5 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर के सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी के लिए खरीदी गई दो किताबों को लेकर यूएपीए के तहत एफआईआर दर्ज गई है। इन किताबों में मुंबई हमलों के मास्टर माइंड आतंकी हाफिज सईद और अलगाववादी नेता मकबूल भट को महान हस्तियां बताया गया है। पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने एफआईआर दर्ज करके छापेमारी शुरू कर दी है। विवादित किताबों में से एक हिलाल अहमद और संतोष मीना की 'पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स ऑफ जम्मू-कश्मीर' है। इसे जम्मू की ओबेरॉय बुक सर्विस ने प्रकाशित किया है। दूसरी किताब सुशांत गिरी की 'ग्रेट पर्सनैलिटी ऑफ जम्मू-कश्मीर' है।

इसे दिल्ली के अनुराग प्रकाशन ने पब्लिश किया है। अधिकारियों के मुताबिक, एक किताब की 123 प्रतियां जम्मू, रामबन और उधमपुर जिलों में भेजी गई थीं, जबकि दूसरी किताब की 128 प्रतियां जम्मू और बारामूला जिलों में बांटी गई थीं। भाजपा ने इसे एकेडमिक जिहाद बताते हुए किताबों पर बैन और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

'बीजेपी-आरएसएस के लिए राम मंदिर आस्था का विषय नहीं
सत्ता का जरिया', चढ़ावा चोरी पर प्रियांक खरगे का रिएक्शन

बेंगलूरु, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित चोरी का मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लगातार हमला कर रहा है। इस बीच कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूरी राजनीतिक यात्रा राम मंदिर आंदोलन के आसपास खड़ी रही है। उनका कहना है कि 1990 के दशक से आरएसएस का सबसे बड़ा मुद्दा राम मंदिर रहा है। कर्नाटक सरकार में मंत्री का यह भी आरोप है कि चढ़ावे से जुड़ी कथित चोरी के मामले में सच्चाई सामने आने से रोकने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना है कि इस मामले पर लोगों के सवालों को सीमित करने या नियंत्रित करने की मांग यह दिखाती है कि इस पूरे मामले में खुलकर जवाब देने से बचने की कोशिश हो रही है। खरगे का दावा है कि बीजेपी और आरएसएस ने पहले ही इतनी मजबूत राजनीतिक ताकत हासिल कर ली है कि अब वे नहीं चाहते कि लोग इस तरह के मामलों में सवाल पूछें।

उनका कहना है कि किसी भी लोकतंत्र में जनता को सवाल पूछने और जवाब मांगने का पूरा अधिकार है। यह आरोप भी है कि बीजेपी और आरएसएस ने राम के नाम पर राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरह से लाभ उठाया है। उनके अनुसार, अगर चढ़ावे से जुड़ी कथित चोरी के मामले में दोषियों को बचाने की कोशिश की जाती है, तो इससे यह संदेश जाता है कि सत्ता और राजनीतिक फायदे को ज्यादा महत्व दिया जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था से जुड़े इस मामले में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए और जांच निष्पक्ष तरीके से पूरी की जानी चाहिए। उनका आरोप है कि इस पूरे घटनाक्रम से यह सवाल फिर उठ रहा है कि क्या राम मंदिर आंदोलन का मकसद केवल आस्था था या इसके पीछे राजनीतिक और आर्थिक फायदे भी जुड़े थे। हालांकि, बीजेपी , आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) इन आरोपों को स्वीकार नहीं करते हैं।

उनका कहना है कि चढ़ावे से जुड़ी कथित चोरी के मामले में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उनका कहना है कि इस घटना के आधार पर पूरे राम मंदिर आंदोलन या इन संगठनों की नीयत पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उनका यह भी कहना है कि मामले की जांच जारी है और अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार

क़दर करना सीख लीजिए, ना ज़िंदगी वापस आती है, ना ज़िंदगी में आए हुए लोग ।

तेलंगाना में दो भीषण सड़क हादसे

चार की मौत, 20 से अधिक घायल

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में रविवार सुबह दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पहला हादसा नालगोंडा जिले के हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर पेद्दाकापार्टी गांव के पास सुबह करीब 6 बजे हुआ। यहां एक निजी ट्रैवल बस और स्विफ्ट डिजायर कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं, एक लड़का और कार चालक शामिल हैं। बस में सवार पांच यात्री भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बताया गया कि बस आंध्र प्रदेश के हिंदुपुर से हैदराबाद जा रही थी, जबकि कार भी हैदराबाद की ओर जा रही थी। दुर्घटना सड़क के एक मोड़ पर हुई, जहां फ्लाईओवर का निर्माण कार्य चल रहा है। टक्कर के बाद कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। मृतकों में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक प्रबंधक भी शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं दूसरा हादसा गदवाल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर मनापाडु स्टेज के पास रात करीब 2 बजे हुआ। यहां एक निजी ट्रैवल बस और ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे के बाद बस पलट गई, जिससे 15 से अधिक यात्री घायल हो गए। यह बस भी हिंदुपुर से हैदराबाद जा रही थी। दुर्घटना में बस में सवार 22 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें से पांच यात्रियों को गंभीर चोटें आने पर आंध्र प्रदेश के कर्नूल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों हादसों की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है।

बस और डीसीएम ट्रक की टक्कर

ट्रक चालक की मौत

महबूबनगर, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के महबूबनगर जिले में रविवार तड़के देवरकदरा क्षेत्र के बंदरपल्ली पेट्रोल पंप के पास एक बस और डीसीएम ट्रक की टक्कर में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस चालक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब डीसीएम ट्रक मोड़ ले रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दुर्घटना ट्रक चालक की लापरवाही के कारण हुई। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-167 पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को सामान्य कराया। घायल बस चालक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कुएं में डूबने से दो स्कूली बच्चों की मौत

नालगोंडा, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नालगोंडा जिले में शनिवार शाम दर्दनाक हादसे में दो स्कूली बच्चों की कुएं में डूबने से मौत हो गई। घटना नालगोंडा मंडल के खजीरामराम गांव की है। मृत बच्चों की पहचान लकी और पांडु के रूप में हुई है। बताया गया कि स्कूल से लौटने के बाद दोनों बच्चे गांव के पास स्थित एक कुएं में मछली पकड़ने गए थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और दोनों कुएं में गिर गए, जिससे उनकी डूबकर मौत हो गई।

शाम तक जब बच्चे घर नहीं लौटे तो परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर बच्चों के कुएं की ओर जाने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई। बचाव दल ने कुएं का कुछ पानी निकालने के बाद दोनों बच्चों के शव बरामद किए। एक-दूसरे से लिपटे हुए दोनों बच्चों के शव देखकर परिजन और ग्रामीण भावुक हो गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कंटेनर ट्रक की टक्कर से महिला की मौत

नालगोंडा, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नालगोंडा जिले के मिरयालगुडा में रविवार को एक कंटेनर ट्रक की टक्कर से दोपहिया वाहन सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतका की उम्र करीब 55 वर्ष बताई गई है। वह अपने पति सक्रू के साथ मिरयालगुडा मंडल के वाटर टैंक थंडा की रहने वाली थीं। दोनों अपनी बेटी से मिलने के लिए नंदीपाडु गांव से मिरयालगुडा जा रहे थे। इसी दौरान बाईपास रोड स्थित नंदीपाडु जंक्शन पर उनका दोपहिया वाहन कंटेनर ट्रक की चपेट में आ गया।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई, जबकि उसके पति को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नंदीपाडु जंक्शन पर लगातार हो रहे सड़क हादसों के लिए प्रशासन की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, मृतका के परिजनों ने शव को बाईपास सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया, जिससे दोनों ओर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया और यातायात प्रभावित हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। मामले की जांच जारी है।

महिला कांस्टेबल से दुर्व्यवहार के आरोप में एसआई निलंबित

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बोराबंडा पुलिस स्टेशन में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर को अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत निलंबित कर दिया गया है। उन पर एक महिला कांस्टेबल के साथ कथित दुर्व्यवहार और अवैध संबंधों के आरोप लगे थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सब-इंस्पेक्टर नागुल मीरा पर आरोप है कि उनके एक महिला कांस्टेबल के साथ कथित संबंधों के कारण उनके पारिवारिक जीवन में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हुईं। उनकी पत्नी रेहाना (जो तीन बच्चों की मां हैं) ने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और शहर पुलिस आयुक्त से शिकायत की थी।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि इस मामले को लेकर परिवार में लगातार तनाव और उत्पीड़न की स्थिति बनी रही। मामले को सुलझाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने पहले दोनों पक्षों को परामर्श के लिए बुलाया था, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद, दोबारा शिकायत मिलने और आंतरिक जांच के आधार पर पुलिस आयुक्त कार्यालय ने कार्रवाई करते हुए सब-इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

कालेश्वरम परियोजना की स्थिति नाजुक : उत्तम रेड्डी

सुरक्षा प्रमाणन से पहले इनसे पानी उठाना संभव नहीं

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा है कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराजों की स्थिति अत्यंत गंभीर है तथा इनके वैज्ञानिक पुनर्वास और सुरक्षा प्रमाणन से पहले इनसे पानी उठाना संभव नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार ने इंजीनियरिंग मानकों की अनदेखी कर राजनीतिक लाभ के लिए परियोजना का निर्माण कराया, जिसके कारण आज यह स्थिति उत्पन्न हुई है। रविवार को राज्य सचिवालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्री ने कहा कि बीआरएस नेता यह कहकर किसानों और जनता को गुमराह कर रहे हैं कि मेडिगड्डा (लक्ष्मी बैराज) के कन्नेपल्ली पंप हाउस को चालू कर तीनों बैराजों के माध्यम से पानी उठाया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय

बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने वैज्ञानिक पुनर्वास पूरा होने और सुरक्षा प्रमाणित होने तक तीनों बैराजों के संचालन पर रोक लगा रखी है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि यह राजनीतिक नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग और जन सुरक्षा का विषय है। यदि परियोजना का निर्माण मजबूत तकनीकी सिद्धांतों के अनुसार किया गया होता तो उत्तरी तेलंगाना को आज सिंचाई संकट का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की मूल प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना अधिक टिकाऊ और व्यावहारिक थी, जिससे गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से लगभग 80 टीएमसी पानी उपलब्ध कराया जा सकता था। उनके अनुसार बाद में परियोजना में राजनीतिक और व्यावसायिक कारणों से बदलाव किए गए, जिससे तकनीकी खामियां पैदा हुईं। मंत्री ने बताया कि एनडीएसए की अंतिम रिपोर्ट में मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराजों की नींव में गंभीर तकनीकी खामियां पाई गई हैं। रिपोर्ट में कमजोर कट-ऑफ दीवारें, नींव के नीचे रिसाव और पाइपिंग, अपर्याप्त स्टिलिंग बेसिन, ऊर्जा अपव्यय संरचनाओं की कमी, जलरोधक व्यवस्था की विफलता, निर्माण दोष तथा गुणवत्ता नियंत्रण में गंभीर कमियों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि मेडिगड्डा के ब्लॉक-7 में पाइपिंग के कारण राफ्ट के नीचे खाली स्थान बनने से गंभीर धंसाव हुआ है, जबकि अन्नाराम और सुंडिला में भी इसी प्रकार की समस्याएं सामने आई हैं। यह किसी एक गेट या खंभे की नहीं, बल्कि पूरी नींव प्रणाली की मजबूती का मामला है। उत्तम कुमार रेड्डी ने चेतावनी दी कि मौजूदा स्थिति में बैराजों में पानी रोकना निचले क्षेत्रों, विशेषकर भद्राचलम क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। उन्होंने बताया कि पुनर्वास के लिए वैज्ञानिक अध्ययन लगभग पूरा हो चुका है।

मानसून समाप्त होने और बाढ़ का पानी उतरने के बाद पुनर्निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा तथा सरकार का लक्ष्य जुलाई-अगस्त 2027 तक इसे पूरा करना है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार दीर्घकालिक समाधान के रूप में तुम्मिदिहट्टी से गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से लगभग 80 टीएमसी पानी लाने की योजना पर कार्य कर रही है। इसके लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) आरवी एसोसिएट्स को सौंपा जा चुका है तथा महाराष्ट्र सरकार के साथ बांध निर्माण को लेकर बातचीत शुरू करने के प्रयास जारी हैं।

बीआरएस एमएलसी शंभीपुर राजू सड़क हादसे में घायल

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में रविवार को वारंगल यात्रा के दौरान बीआरएस के एमएलसी शंभीपुर राजू सड़क हादसे में घायल हो गए। यह दुर्घटना भुवनगिरी के पास हुई। जानकारी के अनुसार, जिस वाहन में वे यात्रा कर रहे थे, उसे पीछे से एक दूसरी कार ने टक्कर मार दी। टक्कर के कारण उन्हें चोटें आईं। स्थानीय लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों ने उनकी हालत स्थिर बताई है। हादसे में वाहन को मामूली नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं में चिंता का माहौल है, जो लगातार उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों का दौरा किया

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने रविवार को नामपल्ली विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों का दौरा किया। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के कई इलाकों का भ्रमण किया और विभिन्न पार्कों में खुले व्यायामशालाओं का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री के 'स्वस्थ भारत, स्वस्थ भारत' के विजन के अनुरूप की गई है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ और खुशहाल जनता का निर्माण करना और राष्ट्र के विकास में मानव संसाधन के रूप में सभी का योगदान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की लापरवाही ने हैदराबाद में मानसून के मौसम में उत्पन्न चुनौतियों को और बढ़ा दिया है और आगे कहा कि जीएचएमसी की सीमा में मानसून शुरू होने के बावजूद, वृक्षारोपण और बरसाती नालियों और पाइपलाइनों की सफाई जैसे आवश्यक कार्य अभी तक नहीं किए गए हैं।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि हल्की बारिश भी हैदराबाद की सड़कों को जलमग्न तालाबों में बदल देती है, जिससे जनता को काफी परेशानी होती है। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार और वर्तमान प्रशासन दोनों की आलोचना करते हुए कहा कि वे हैदराबाद को लंदन या सिंगापुर जैसे शहर में बदलने के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन पिछले तीन वर्षों में कोई ठोस कदम नहीं उठा पाए हैं। बारिश में कमी को लेकर वैश्विक स्तर पर हो रही चर्चाओं के बीच जल और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने वर्षा की हर बूंद को इकट्ठा करने के लिए वर्षा जल संचयन के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बताया कि अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्सों की बढ़ती संख्या के कारण हैदराबाद "कंक्रीट के जंगल" में बदलता जा रहा है, जिससे तापमान में भारी वृद्धि हो रही है, और पर्यावरण संरक्षण की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस जून में देश भर में और विशेष रूप से हैदराबाद में सामान्य से 40 से 50 प्रतिशत कम बारिश हुई है। सभी से पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने और प्रत्येक पार्क और घर में वर्षा जल संचयन गड्ढे स्थापित करने की अपील की गई, ताकि वर्षा जल मूसी नदी के माध्यम से समुद्र में बहने के बजाय जमीन में रिस जाए।

नए शहरी कानून पर सरकार ने मांगे जनता के सुझाव

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) अधिनियम, 1955 की जगह कोर अर्बन रीजन (एकीकृत शासन) विधेयक-2026 लाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस प्रस्तावित कानून पर सरकार ने 24 जुलाई तक आम जनता से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। सरकार का कहना है कि मौजूदा जीएचएमसी अधिनियम सात दशक पुराना हो चुका है और तेजी से बढ़ रहे हैदराबाद महानगर की जरूरतों के अनुरूप नहीं है। नया विधेयक आधुनिक शहरी प्रशासन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य विभिन्न सरकारी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, नागरिकों को आसान और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु के प्रति जिम्मेदार शहरी विकास को बढ़ावा देना, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना तथा व्यापार करने में आसानी बढ़ाना है। सरकार ने मसौदा विधेयक को तीनों नगर निगमों की वेबसाइटों पर सार्वजनिक किया है। नागरिक अपने सुझाव और आपत्तियां 24 जुलाई तक ऑनलाइन या लिखित रूप में सरकार को भेज सकते हैं। सुझाव मिलने के बाद सरकार विधेयक के अंतिम स्वरूप पर निर्णय लेगी।

मतदाता सत्यापन फॉर्म वितरण की रफ्तार धीमी

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाताओं को जनगणना (एन्यूमरेशन) फॉर्म बांटने की प्रक्रिया हैदराबाद, मेडचल-मल्काजगिरि और रंगारेड्डी जिलों में धीमी गति से चल रही है। इनमें मेडचल-मल्काजगिरि जिला सबसे पीछे है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के 5 जुलाई सुबह 8 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, मेडचल-मल्काजगिरि जिले में 29.79 लाख मतदाताओं में से केवल 57.79 प्रतिशत लोगों को ही फॉर्म वितरित किए गए हैं। वहीं, हैदराबाद जिले में 64.14 प्रतिशत और रंगारेड्डी जिले में 77.58 प्रतिशत मतदाताओं तक फॉर्म पहुंचे हैं।कई मतदाताओं का कहना है कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अब तक उनके घर नहीं पहुंचे हैं। कुछ स्थानों पर बीएलओ घर-घर जाने के बजाय सामुदायिक भवनों में फॉर्म बांट रहे हैं, जबकि कई लोगों को फोन कर स्वयं फॉर्म लेने के लिए बुलाया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार, बीएलओ को घर-घर जाकर फॉर्म वितरित करने हैं। 12 दिन बीत जाने के बाद भी कई मतदाताओं तक फॉर्म नहीं पहुंचने से लोगों में चिंता बढ़ गई है कि कहीं इस देरी का असर उनके मतदान अधिकार पर न पड़े।

चार दिन से पानी नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

मेदक, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मेदक जिले के चिन्ना शंकरमपेट मंडल स्थित मिर्ज़पल्ली गांव में रविवार को मिशन भागीरथ के तहत पेयजल आपूर्ति बंद होने से नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीण घड़े और पानी के बर्तन लेकर सड़क पर बैठ गए और सरकार से जल्द से जल्द घरों में पानी की आपूर्ति बहाल करने की मांग की। उनका कहना है कि पिछले चार दिनों से गांव में पानी नहीं आ रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने बताया कि गांव में पानी का कोई दूसरा स्रोत नहीं है। ऐसे में उन्हें पीने और घरेलू जरूरतों के लिए दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द पानी की आपूर्ति शुरू नहीं की गई तो वे मंडल मुख्यालय पर बड़ा प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन के कारण कुछ समय तक सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा।

जांच और अभियोजन की गुणवत्ता सुधारने पर जोर

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अपराध एवं एसआईटी के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एम. श्रीनिवास की अध्यक्षता में अभियोजन समीक्षा समिति (प्रोसिक्यूशन रिव्यू कमेटी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जांच और अभियोजन की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा अदालतों में मामलों की सफलता दर बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम्स एवं एसआईटी) कार्यालय में 4 जुलाई की शाम आयोजित इस बैठक में विधिक सलाहकार, लोक अभियोजक, सहायक लोक अभियोजक तथा हैदराबाद शहर के संबंधित थानों के थाना प्रभारी (एसएचओ) शामिल हुए। बैठक के दौरान जनवरी और मार्च 2026 के गंभीर आपराधिक मामलों में हुए बरी (एक्विटल) के मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। समिति ने इन मामलों में आरोपियों के बरी होने के कारणों, जांच और अभियोजन प्रक्रिया में रही कमियों तथा खामियों का गहन विश्लेषण किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन मामलों में जांच संबंधी लापरवाही या त्रुटियों के कारण आरोपी बरी हुए हैं, वहां संबंधित अधिकारियों को औपचारिक मेमो जारी किए जाएंगे। साथ ही भविष्य में ऐसी कमियों की पुनरावृत्ति रोकने और जांच व अभियोजन की गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर व्यापक चर्चा की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एम. श्रीनिवास ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जांच के दौरान साक्ष्यों के संकलन, दस्तावेजीकरण और अभियोजन पक्ष के साथ समन्वय को और मजबूत बनाया जाए, ताकि गंभीर मामलों में दोषियों को सजा दिलाने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सके। बैठक में पुलिस जांच और अभियोजन प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी सामने आए।

हैदराबाद में फूलों के दाम बढ़े

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजधानी हैदराबाद में पिछले कुछ हफ्तों के दौरान फूलों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है, जिससे गुलदस्ते और सजावट का खर्च बढ़ गया है। फूल विक्रेताओं के अनुसार बाजार में फूलों की आपूर्ति कम होने और थोक कीमतों में वृद्धि के कारण खुदरा दाम भी बढ़ गए हैं। विक्रेताओं का कहना है कि बेंगलुरू से आने वाले फूलों का उत्पादन कम होने से यह स्थिति बनी है।

गुलाब, जो सबसे ज्यादा बिकने वाले फूलों में से एक है, उसकी कीमत भी बढ़ गई है। पहले जो गुलाब लगभग 30 रुपये में मिलता था, वह अब 40 से 45 रुपये तक पहुंच गया है। कुल मिलाकर फूलों की थोक कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

डेंगू वायरस पर शोध से चौंकाने वाले दावे

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में डेंगू नियंत्रण को लेकर पारंपरिक उपायों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए एक नए शोध में कई चौंकाने वाले निष्कर्ष सामने आए हैं। शोध के अनुसार, डेंगू वायरस (डीएनवी) आनुवंशिक रूप से विकसित होकर अपने जीन को संशोधित करने में सक्षम हो गया है और यह एडीज एजिप्टी मच्छर के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे मच्छर एक तरह के ज़ोंबी वाहक में बदल जाते हैं। दावा किया गया है कि इससे मच्छर का व्यवहार असामान्य रूप से आक्रामक हो जाता है और संक्रमण तेजी से फैलता है।

हैदराबाद स्थित सीएसआईआर और सीएसआईआर-सीसीएमबी से जुड़े शोध के हवाले से बताया गया है कि लंबे समय से चल रहे फॉगिंग और एंटी-वेक्टर उपायों के कारण वायरस और मच्छर दोनों ने अनुकूलन क्षमता विकसित कर ली है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि काप्रा, कुतुबुल्लापुर और जीडीमेटला जैसे क्षेत्रों से लिए गए नमूनों में नेक्स्ट-जेनरेशन सीक्वेंसिंग के दौरान वायरस में संरचनात्मक परिवर्तन और लगातार म्यूटेशन के संकेत मिले हैं। शोध के अनुसार, वायरस मच्छर के शरीर में बिना उसे मारे तेजी से फैलने में सक्षम हो गया है और लार्वा ग्रंथियों को प्रभावित कर खून चूसने की प्रक्रिया को असंतुलित कर देता है, जिससे एक ही समय में कई लोगों में संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह भी कहा गया है कि डेंगू वायरस पूरे वर्ष सक्रिय रहने के लिए विभिन्न रूपों में बदल सकता है और मच्छरों के व्यवहार को प्रभावित कर सकता है, जिससे वे सामान्य नियंत्रण उपायों से बचने में सक्षम हो जाते हैं। हालांकि, यह रिपोर्ट डेंगू नियंत्रण के मौजूदा तरीकों जैसे फॉगिंग और लार्वा-रोधी अभियानों की सीमाओं को भी उजागर करती है और अधिक प्रभावी रणनीति की आवश्यकता पर जोर देती है।

फर्जी संबद्धता का दावा करने वाले कॉलेजों से रहें सावधान

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों और अभिभावकों को उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध होने का झूठा दावा करने वाले कॉलेजों से सतर्क रहने की सलाह दी है। शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने बताया कि कुछ डिग्री कॉलेज बिना आवश्यक मान्यता के खुद को उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध बताकर भ्रामक विज्ञापन जारी कर रहे हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय के अधिकारियों की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि कई

संस्थानों के पास विश्वविद्यालय की मान्यता या संबद्धता नहीं है, फिर भी वे छात्रों को आकर्षित करने के लिए झूठे दावे कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि इससे छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो सकता है।

पुलिस ने ऐसे संस्थानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। छात्रों और अभिभावकों से कहा गया है कि किसी भी कॉलेज में प्रवेश लेने से पहले उसकी मान्यता और संबद्धता की पूरी जांच कर लें। पुलिस ने सलाह दी है कि छात्र केवल सरकार के आधिकारिक डीओएसटी पोर्टल पर सूचीबद्ध मान्यता प्राप्त कॉलेजों में ही प्रवेश लें। साथ ही, यदि कोई कॉलेज फर्जी संबद्धता का दावा करता है तो इसकी सूचना डायल-100 या नजदीकी पुलिस थाने में दें।

120 की स्पीड में ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो, 3 की मौत

आरा(भोजपुर), 5 जुलाई (एजेंसियां)। भोजपुर के रविवार सुबह भीषण सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत गई। एक युवक की हालत गंभीर है। मृतकों में पति-पत्नी और देवर शामिल हैं। ये सभी मृतक झारखंड के देवघर के रहने वाले थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के समय कार की रफ्तार 120 किमी/घंटा होगी। टक्कर इतनी जोरदार थी स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए।

अगल हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए। कार में फंसे दंपती और दोनों युवक को को गाड़ी काटकर निकाला गया। तीनों मृतकों की पहचान प्रकाश सिंह(32), उनकी पत्नी पल्लवी सिंह(28) और फुफेरे देवर सारण जिले के इस्मईला थाना दिघवारा निवासी सौरभ कुमार(24) के तौर पर हुई है। प्रकाश और पल्लवी की शादी 12 फरवरी को हुई थी। कुछ दिन पहले नेपाल के पशुपति पारस दर्शन के लिए गए थे। उसके बाद कुल्लू मनाली घूमने चले गए। वहां से प्रकाश अपने बहनोई के पास नोएडा गए। नोएडा से देवघर जाने के लिए निकले थे। प्रकाश मूल रूप से सारण जिले के ही रहने वाले हैं, लेकिन काफी समय पहले देवघर में बस गए थे। प्रकाश जिओ कंपनी में काम करते थे। प्रकाश गाड़ी चला रहा था और पल्लवी बगल की सीट पर बैठ थी। जबकि प्रकाश का भाई और उसका दोस्त पिछली सीट पर बैठे थे।

आरजेडी मना रही 30वां स्थापना दिवस

लालू यादव ने बिहार की जनता के नाम दिया संदेश

पटना, 5 जुलाई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का आज 30 वां स्थापना दिवस पार्टी के नेता व समर्थक उत्साह के साथ मना हे हैं। इसका समारोहपूर्वक उत्सव के रूप में राज्यभर के सभी 38 जिला मुख्यालयों पर तथा पटना में राजद कार्यालय के कर्पूरी सभागार में मनाया जा रहा है। आरजेडी की स्थापना 5 जुलाई 1997 को हुई थी। इस अवसर पर पार्टी के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बिहार की जनता के नाम एक संदेश जारी किया है। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में लालू यादव में लिखा कि स्थापना दिवस का दिन कोई साधारण दिन नहीं है। इस दिन बिहार एवं देश की राजनीति की दशा एवं दिशा का कायापलट हुआ था।

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव

अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट कर लालू ने लिखा, '5 जुलाई 1997 को गरीबों, शोषितों, पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की लड़ाई के लिए राजद की स्थापना हुई थी। राजद सामाजिक न्याय, समानता, रोजगार और समावेशी विकास की राजनीति के लिए प्रतिबद्ध है।' लालू ने नेताओं व कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत बनाने तथा जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने की अपील की है। उन्होंने संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए नेताओं कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। लालू ने पार्टी के 30 साल के संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद करते हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई और धन्यवाद दिया। इसके अलावा उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वो जनता के हक की लड़ाई को मजबूते से लड़ें। उन्होंने लिखा, 'साथियों यह लड़ाई संवैधानिक संस्थाओं के असंवैधानिक तरीकों को खत्म करने की है, यह लड़ाई 'संघ और कोर्पोरेट घरानों की नयी जुगलबंदी' के बीच की लड़ाई है। ये लड़ाई हिंदुस्तान में गरीबों, किसानों और वंचितों के अस्तित्व की लड़ाई है। अतः छोटी-मोटी चिंताओं और मतभेदों को ताक पर रखकर इस लड़ाई को मुकम्मल अंजाम तक ले जाने के लिए सबको साथ मिलकर लड़ना होगा।'

अपने पोस्ट में बीजेपी पर हमला करते हुए उन्होंने बीजेपी पर संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया। राजद सुप्रीमो ने लिखा, 'विगत कई राज्यों के चुनाव नतीजों की अगर पड़ताल करें तो मालूम होगा कि बीजेपी संवैधानिक संस्थाओं को कब्जे में लेकर संविधान को दरकिनार कर तानाशाही के बल पर देश को फिर से पीछे धकेलने का प्रयास कर रही है। हमारी राजनीति हमें इस परिस्थिति को स्वीकार करने की इजाजत नहीं देती।'

'साथियों ऐतिहासिक भूमिका के लिए रहें तैयार'

लालू ने लिखा, 'हमारी राजनीति हमें इस परिस्थिति को स्वीकार करने की इजाजत नहीं देती। अतः राष्ट्रीय जनता दल के सभी साथियों को बिना वक्त जाया किये इस ऐतिहासिक भूमिका के लिए तैयार होना पड़ेगा। हर कार्यकर्ता और नेता को यह समझना होगा कि हमारा दल सिर्फ 'चुनाव लड़ने की मशीन' नहीं है। लालू ने अपने पोस्ट के अंत में लिखा कि आज के अवसरवादी, निराशावादी और अनिश्चितता के माहौल में अगर कोई पार्टी जरूरतमंदों के सपने को साकार करने में सक्षम है तो वह राजद ही है।

सैनिक की बेटी ने लाइसेंसी राइफल से खुद को मारी गोली, मौत

फर्रुखाबाद, 5 जुलाई (एजेंसियां)। फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के धन्सुआ गांव में 20 वर्षीय बीएससी की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटना में प्रयुक्त छात्रा के पिता की लाइसेंसी राइफल को कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। मृतका की पहचान अंजलि पाल (20) के रूप में हुई है। उसके पिता राजेश कुमार पाल भारतीय सेना में कार्यरत हैं और वर्तमान में पंजाब में तैनात हैं। घटना के समय अंजलि घर में अकेली थी। उसकी मां किसी काम से बाहर गई थीं, जबकि भाई अपनी दुकान पर था। देर शाम जब भाई घर लौटा और काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो वह पड़ोसी के मकान की छत के रास्ते अंदर पहुंचा, जहां अंजलि अचेत अवस्था में मिली। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। फिलहाल पुलिस परिजनों से पूछताछ कर हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है।

न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह बोले-पुलिस जांच प्रणाली को और प्रभावी बनाना जरूरी

बोधगया, 5 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के बोधगया स्थित महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र में नए आपराधिक कानूनों पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारत के सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति एन। कोटिश्वर सिंह ने पुलिस व्यवस्था और आपराधिक न्याय प्रणाली को लेकर महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने सवाल उठाया कि "पुलिस जीरो एफआईआर क्यों नहीं लेती?" साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस जांच एजेंसियों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है, ताकि आम लोगों को समय पर न्याय मिल सके और न्याय व्यवस्था पर लोगों का भरोसा और मजबूत हो। कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे।

उन्होंने भी कानून-व्यवस्था, पुलिसिंग और न्याय व्यवस्था को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं पर अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि थानों में आने वाले लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कम समय में अधिक लोगों को न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। अपने संबोधन में न्यायमूर्ति एन। कोटिश्वर सिंह ने पुलिस व्यवस्था के एक महत्वपूर्ण पहलू जीरो एफआईआर का उल्लेख करते हुए कहा कि इस व्यवस्था का उद्देश्य पीड़ितों को तत्काल कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है।

उन्होंने सवाल किया कि जब कानून इसकी अनुमति देता है, तब कई मामलों में पुलिस ज़ीरो एफआईआर दर्ज करने से क्यों बचती है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि इस व्यवस्था का सही ढंग से पालन हो, तो पीड़ितों को थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और अपराधों की जांच भी बिना अनावश्यक देरी के शुरू की जा सकेगी। न्यायमूर्ति ने कहा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे प्रभावी तरीके से लागू करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच एजेंसियों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और जवाबदेही के साथ और अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए। निष्पक्ष, वैज्ञानिक और समयबद्ध जांच ही मजबूत न्याय व्यवस्था की आधारशिला है।

सब्जियों की आड़ में शराब तस्करी का भंडाफोड़, 933 लीटर जब्त, बंगाल का युवक गिरफ्तार

जमुई, 5 जुलाई (एजेंसियां)।

विभाग के सचिव और जिलाधिकारी के निर्देश पर उत्पाद विभाग की टीम को शराब की बड़ी खेप पकड़ने में कामयाबी मिली है। टीम ने सब्जियों के नीचे छुपाकर ले जाई जा रही अवैध शराब की तस्करी का पर्दाफाश किया है। यह कार्रवाई उत्पाद इंस्पेक्टर गौरीशंकर कुमार के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल एएसआई जितेंद कुमार द्वारा शनिवार की देर रात सोनो के डुमरी चेकपोस्ट पर की गई है। यहां सब्जी लदे पिकअप वाहन से 108 पेटी 5184 बोतल यानि 933.120 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है।

साथ ही चालक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार चालक की पहचान आसनसोल निवासी बिक्की माल के रूप में हुई है। उत्पाद विभाग के इस कार्रवाई से शराब तस्करों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। उक्त जानकारी प्रेस वार्ता के दौरान उत्पाद अधीक्षक सुभाष कुमार ने दी है। चेकपोस्ट पर एक सब्जी लदे पिकअप वाहन को जब्त किया गया।

राम मंदिर चंदा चोरीः वीएचपी अध्यक्ष की पुलिस को चिट्ठी

प्रियंका-केजरीवाल के बयानों की जांच हो

अयोध्या, 5 जुलाई (एजेंसियां)।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद में अब एक नया घटनाक्रम सामने आया है। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने मामले की जांच कर रहे अधिकारी को पत्र लिखकर उन नेताओं और सार्वजनिक हस्तियों के बयानों की भी जांच कराने की मांग की है, जिन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट और चढ़ावे के पैसे को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। आलोक कुमार ने अपने पत्र में कहा है कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए धन और उसके इस्तेमाल को लेकर विभिन्न राजनीतिक नेताओं और सार्वजनिक व्यक्तियों ने समय-समय पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

ऐसे में जांच एजेंसी को केवल शिकायतों की जांच तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन लोगों से भी पूछताछ करनी चाहिए जिन्होंने सार्वजनिक मंचों से बड़े-बड़े दावे किए हैं। पत्र में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सांसद संजय सिंह समेत कई नेताओं के बयानों

वीएचपी अध्यक्ष ने पुलिस के चिट्ठी लिखकर प्रियंका गांधी के बयानों की जांच की मांग की है

का उल्लेख किया गया है। इनमें कुछ नेताओं द्वारा राम मंदिर के चढ़ावे में कथित तौर पर 20,000 करोड़ रुपये तक की गड़बड़ी होने का दावा किया गया था। वहीं कुछ बयानों में मंदिर के नाम पर करोड़ों रुपये की चोरी और जमीन खरीद में कथित अनियमितताओं के आरोप भी लगाए गए थे। वीएचपी अध्यक्ष ने जांच एजेंसी से आग्रह किया है कि इन सभी नेताओं और संबंधित व्यक्तियों को बुलाकर उनसे पूछा जाए कि उन्होंने इतने गंभीर आरोप किस आधार पर लगाए। उनसे यह भी जानकारी ली जाए कि उन्हें यह सूचना कहां से मिली और क्या उनके पास अपने दावों के समर्थन में कोई दस्तावेज, साक्ष्य या अन्य ठोस प्रमाण मौजूद हैं। पत्र में कहा गया है कि यदि आरोपों के समर्थन में विश्वसनीय साक्ष्य सामने आते हैं, तो इससे जांच एजेंसी को सच्चाई तक पहुंचने में मदद मिलेगी और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सकेगी।

विपक्ष संसद के मॉनसून सत्र में नीट विवाद और महंगाई पर चर्चा की मांग करेगा

सांसद इमरान मसूद

सहारनपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा है कि विपक्ष संसद के आगामी मॉनसून सत्र के दौरान नीट विवाद और बढ़ती महंगाई पर चर्चा की मांग करने की तैयारी कर रहा है। मसूद ने नीट और महंगाई को उन मुख्य मुद्दों के तौर पर बताया जिन्हें विपक्ष 20 जुलाई से शुरू होने वाले सत्र में उठाना चाहता है। मसूद ने एएनआई से कहा, सबसे बड़ा मुद्दा नीट है। दूसरा मुद्दा देश में महंगाई है। ये बड़े मुद्दे हैं। हम चाहेंगे कि सरकार इन पर चर्चा करे, लेकिन हमें पता है कि सरकार चर्चा से बचेगी। सरकार चर्चा नहीं करना चाहती। सरकार कमजोर है। उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा मॉनसून सत्र के 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलने की घोषणा के एक दिन बाद आई है। रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सत्र के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने की सरकार की सिफारिश को मंजूरी दे दी है।

इस सत्र में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और फैसलों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है। इस सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई मुद्दों पर तीखी बहस होने की संभावना है, जिनमें नीट, महंगाई और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हुई मौतों पर उनकी टिप्पणी के संबंध में विशेषाधिकार हनन की प्रस्तावित कार्यवाही शामिल है।

जस्टिस यशवंत वर्मा पर जांच रिपोर्ट मानसून सत्र में होगी पेश

इस्तीफे के बाद भी हटाने की प्रक्रिया पर फैसला करेगी संसद

प्रयागराज, 5 जुलाई (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाली तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट संसद के आगामी मानसून सत्र में लोकसभा के पटल पर रखी जाएगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह जानकारी दी। उनके इस बयान से साफ संकेत मिला है कि जस्टिस वर्मा के इस्तीफे के बावजूद संसद में उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया पर विचार किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल के विधायकों को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में ओम बिरला ने कहा कि जांच समिति अपनी रिपोर्ट उन्हें सौंप चुकी है और इसे 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र के दौरान सदन में पेश किया जाएगा।

संभावना है कि रिपोर्ट सत्र के पहले ही दिन टेबल की जाए। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट पेश

जस्टिस वर्मा के खिलाफ जांच रिपोर्ट संसद में पेश की जाएगी

होने के बाद आगे क्या कार्रवाई करनी है, इसका फैसला सदन करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ यह मामला उस समय सामने आया था, जब वह दिल्ली हाईकोर्ट में न्यायाधीश थे। मार्च 2025 में नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास में आग लगने की घटना के बाद मौके पर पहुंचे आपातकालीन कर्मियों को एक आउटहाउस से बड़ी मात्रा में जले हुए और नष्ट किए गए करेंसी नोट मिले थे। इसके बाद उन पर वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगे और पूरे मामले ने न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर व्यापक बहस छेड़ दी। बाद में जस्टिस वर्मा का तबादला उनके मूल हाईकोर्ट यानी इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया।

इस बीच सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित आंतरिक जांच समिति ने मामले की जांच शुरू की। बाद में लोकसभा अध्यक्ष के स्तर पर भी तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई, जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार ने की। इसी समिति ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को सौंप दी है।

टेलीग्राम पर टास्क के जाल में फंसी सिपाही की पत्नी, 1.77 लाख की हुई साइबर ठगी

मधुबनी, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस लाइन में कार्यरत एक चालक सिपाही की पत्नी से साइबर ठगों ने आनलाइन नौकरी और अधिक कमाई का झांसा देकर 1.77 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने टेलीग्राम के माध्यम से संपर्क कर पहले छोटे-छोटे टास्क पूरे करवाए। भरोसा जीतने के लिए कुछ राशि भी दी। इसके बाद बड़े मुनाफे का लालच देकर अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआइ के जरिये लगातार पैसे जमा कराते रहे। पीड़ित दंपति ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। चालक सिपाही ने बताया कि उनकी पत्नी को टेलीग्राम पर एक आइडी के माध्यम से टास्क आधारित आनलाइन नौकरी का प्रस्ताव मिला था। शुरुआती टास्क पूरे करने पर भुगतान मिलने से उन्हें ठगों पर भरोसा हो गया। इसके बाद अधिक कमाई का प्रलोभन देकर अलग-अलग बैंक खातों में पैसे जमा कराने का सिलसिला शुरू हुआ।

चलती कार के अंदर होती थी भ्रूण लिंग की जांच, चार आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

गाजियाबाद, 5 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सभी को हैरान कर दिया है। यहां पर चलती कार के अंदर पोर्टेबल मशीन से अवैध भ्रूण लिंग जांच का खुलासा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने 4 जुलाई की देर रात मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए कार संख्या यूपी14 एफएल 9355 को कोतवाली थाना क्षेत्र में रोककर अवैध भ्रूण लिंग जांच का भंडाफोड़ किया। कार में पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन के जरिए भ्रूण का लिंग बताए जाने का आरोप है। मौके से आरोपी संदीप, सलमान, शाहिद और तस्लीम को हिरासत में लिया गया है। मुख्य आरोपी संदीप के खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। इसके बावजूद यदि वह इस तरह का अवैध कारोबार चला रहा था।

गाजियाबाद में चलती कार के अंदर अवैध लिंग जांच के आरोप में पकड़े गए चार आरोपियों से पुलिस और स्वास्थ्य विभाग पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह से और कौन-कौन लोग जुड़े हैं तथा कितने समय से यह अवैध धंधा चल रहा था। यह गैंग गाजियाबाद, दिल्ली और एनसीआर में अलग-अलग जगहों पर घूमकर कार में ही 8 से 10 हजार रुपए में महिलाओं के भ्रूण के लिंग की जांच करता था। वहीं अगर महिला गर्भपात कराने की डिमांड करती तो उसे नर्सिंग होम में ले जाकर झोलाछाप डॉक्टर से गर्भपात भी कराते थे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

आरोपी अविनाश शुक्ला के 15 लाख के ट्रांजैक्शन से खुलेंगे राज, जेल में बंद 5 आरोपियों से फिर पूछताछ

अयोध्या, 5 जुलाई (एजेंसियां)।

राम मंदिर दान चोरी केस में नया खुलासा हुआ है। अयोध्या पुलिस को कुछ नए सबूत मिले हैं। इसमें आरोपी अविनाश शुक्ला के 15 लाख रुपये से ज्यादा के लेन-देन की जानकारी सामने आई है। उसने कई लोगों को पैसे ट्रांसफर किए और कुछ लोगों को कैश दिया है। पुलिस अब पता लगा रही है कि ये पैसा कहीं दान की चोरी से तो नहीं जुड़ा है। जांच में यह भी पता चला है कि अविनाश ने अपनी एक महिला दोस्त को करीब 2 लाख रुपये नकद और एक महंगा मोबाइल फोन गिफ्ट किया था। अब पुलिस ये भी जांच रही है कि इतना पैसा उसके पास कहां से आया? जांच में ये बात भी सामने आई है कि अविनाश के भाई ने कई बार ड्यूटी के बाद कैश लेकर जाते हुए अविनाश को योग केंद्र जाते देखा था। जब भाई ने पूछा कि इतना पैसा कहां से आता है, तो अविनाश ने कोई साफ जवाब नहीं दिया।

बाद में उसके भाई अभिषेक ने अनुकल्प से पूछा कि इतना कैश कहां से आ रहा है, उसने कहा कि मंदिर में जजमान खुश होकर पैसे दे देते हैं और दर्शन में मदद के बदले भी लोग पैसे दे जाते हैं। साथ ही उसने कहा कि इस बारे में

अयोध्या राम मंदिर दान चोरी केस केस

दोबारा कोई बात मत करना। पुलिस अब इन सभी बातों की सच्चाई की जांच कर रही है। दान की गिनती वाले कमरे में अब कई नए नियम लागू कर दिए गए हैं। अब नोटों की गिनती टेबल-कुर्सी पर नहीं, बल्कि जमीन पर गद्दे और प्लाईवुड बिछाकर की जा रही है। गिनती के दौरान किसी भी कर्मचारी को आपस में बात करने की इजाजत नहीं होगी। कोई कर्मचारी बार-बार बाथरूम जाता है तो उस पर भी नजर रखी जाएगी। कैंटीन में भी ज्यादा देर तक बैठने की छूट नहीं होगी। यहां पूरे काउंटिंग रूम पर सीसीटीवी से कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मॉनिटरिंग रूम में तैनात कर्मचारी भी ड्यूटी के दौरान अपनी जगह नहीं छोड़ सकेंगे, मतलब गिनती के दौरान सीसीटीवी कंट्रोल रूम में तैनात कर्मचारियों को हमेशा सतर्क रहने के आदेश दिए गए हैं। मकसद साफ है कि दान की गिनती में पूरी पारदर्शिता रहे और दोबारा ऐसी घटना न हो। यहां कुछ देर में अयोध्या पुलिस जिला कारागार पहुंचने वाली है। यहां आज अदालत के आदेश पर जेल में बंद 5 आरोपियों से पूछताछ होगी। ये पूछताछ अभी तक जांच और अविनाश की रिमांड के दौरान सामने आई बातों के आधार पर होगी।

पुलिस को चुनौती देने वाली ज्योति चौधरी हरिद्वार से गिरफ्तार

रील्स ने पहुंचाया सलाखों के पीछे

मेरठ, 5 जुलाई (एजेंसियां)।

शाका मारा जा सकता है, लेकिन पकड़ा नहीं जा सकता। फिल्मी अंदाज में सोशल मीडिया पर पुलिस को खुलेआम चुनौती देने वाली शातिर महिला आरोपी ज्योति चौधरी आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ ही गई। मेरठ की सरधना पुलिस ने उसे देवभूमि हरिद्वार से गिरफ्तार किया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि जिस सोशल मीडिया पर इतराकर उसने पुलिस को ललकारा था, वही उसकी गिरफ्तारी की सबसे बड़ी वजह बना। शादी के फौरन बाद पति संग हरिद्वार घुमने गई ज्योति इंस्टाग्राम पर लगातार एक्टिव थी, और यहीं से पुलिस को उसका सुराग मिला। पेटीएम कंपनी में बड़ौत जोन के टीम लीडर आकाश शर्मा निवासी मुजाहिदपुर, मुजफ्फरनगर अपनी बाइक से घर लौट रहे थे।

सरधना क्षेत्र के पाली पुल के पास दो बाइकों पर सवार चार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने बुरी तरह मारपीट करते हुए उनकी बाइक और मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित ने पुलिस को बताया था कि इस लूट में एक युवती भी शामिल थी। यही सुराग पुलिस को ज्योति चौधरी तक ले गया। मामले में तीन आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं।

पुलिस को चैलेंज करने वाली 'लुटेरी' ज्योति

लूटकांड में नाम आने के बाद फरार चल रही ज्योति ने 23 जून को मोहित नागर नाम के युवक से दूसरी शादी रचा ली। इसके बाद पति के साथ हरिद्वार घुमने चली गई। इस दौरान वह इंस्टाग्राम पर लगातार वीडियो और रील्स पोस्ट कर रही थी। सरधना पुलिस और सर्विलांस टीम लगातार उसकी सोशल मीडिया गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। जैसे ही उसने हरिद्वार से अपनी लोकेशन से जुड़ी गतिविधियां कीं, पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसकी सटीक लोकेशन ट्रेस कर ली और सुबह हरिद्वार में छापेमारी कर उसे दबोच लिया।

परिचमी सिंहभूम में अवैध शराब और नशाखोरी पर नकेल, होटलों पर ताबड़तोड़ छापामारी में 8 गिरफ्तार

चाईबासा, 5 जुलाई (एजेंसियां)। जिले में अवैध शराब, नशाखोरी और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार देर रात चाईबासा शहर से सटे बाईपास, खप्परसाई, सिंकुरसाई और टेकासाई ग्रामीण क्षेत्र के छोटे एवं लाइन होटलों में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई सदर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार (एसडीओ) के निर्देश पर गुप्त सूचना के आधार पर की गई। छापेमारी के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करते हुए आठ लोगों को पुलिस ने पकड़ा।

वहीं पुलिस और प्रशासन की टीम को देखकर कुछ लोग मौके से फरार होने में सफल रहे। पकड़े लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान टीम ने होटलों में अवैध शराब की बिक्री, नशाखोरी तथा अन्य नशीले पदार्थों के कारोबार की गहन जांच की।

डीआर कांगो में इबोला का कहर जारी

1,528 मामलों के बीच 492 लोगों की मौत

किंशासा, 5 जुलाई (एजेंसियां)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के 1,528 कन्फर्म मामले सामने आए हैं, जिनमें 492 मौतें शामिल हैं, क्योंकि देश में इस बीमारी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। डीआरसी के पब्लिक हेल्थ अधिकारियों की ओर से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, कुल 239 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 628 कन्फर्म मरीज अभी आइसोलेशन में हैं या अस्पताल में भर्ती हैं। सिन्हुआ रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने 185 संदिग्ध मामलों की भी पहचान की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हर हफ्ते कन्फर्म मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। महामारी विज्ञान के हिसाब से 25वें और 26वें हफ्ते में सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए - दोनों हफ्तों में 300 से ज्यादा मामले सामने आए - जो कम्युनिटी ट्रांसमिशन (समुदाय में संक्रमण फैलने) के जारी रहने का संकेत है। रिपोर्ट में कई बड़ी चुनौतियों का जिक्र किया गया है, जैसे कि पोस्टमार्टम के लिए सैंपल लेने का समुदाय द्वारा विरोध, इबोला इलाज केंद्रों में क्षमता की कमी (खासकर पूर्वी प्रांत नॉर्थ किवु में), कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाना) ठीक से न हो पाना, लैब में जांच में देरी, मेडिकल और संक्रमण से बचाव के सामान की कमी, असुरक्षा और कुछ प्रभावित इलाकों तक सीमित पहुंच। एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में बोलते हुए, अफ्रीका के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक मोहम्मद याकूब जनाबी ने कहा कि स्थिति गंभीर बनी हुई है और पूर्वी प्रांतों इटुरी और नॉर्थ कीवू में संक्रमण फैल रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, जनाबी ने कहा कि मौजूदा प्रकोप अब तक का सबसे बड़ा बुंडिबुग्यो इबोला प्रकोप है। डीआरसी में डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ पियरे अकिलिमाली ने कहा कि यह प्रकोप उन इलाकों में फैल रहा है जो असुरक्षा और हथियारबंद समूहों की गतिविधियों से प्रभावित हैं, जिससे मामलों का पता लगाना और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग करना मुश्किल हो रहा है। इटुरी के कुछ प्रभावित इलाके माइनिंग जोन हैं, जहां बाहर से लोगों की लगातार आवाजाही से वायरस फैलने का खतरा बढ़ गया है।

रिसॉर्ट में देह व्यापार का खुलासा, पुलिस ने 52 लोगों को दबोचा; 10 लड़कियों को बचाया

रामनगर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस ने रामनगर के एक्रोन रिसॉर्ट में छापा मारकर देह व्यापार में दस युवतियों संग 52 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया। बरामद युवतियां नेपाल, बंगाल, उत्तर प्रदेश से है। रात में पुलिस को रामनगर के सांवल्दे रिसॉर्ट में देह व्यापार की सूचना मिली।

एसएसपी नैनीताल के निर्देशन में एसओजी और पुलिस ने रिसॉर्ट में छापामारी की। उस समय पार्टी चल रही थी। पुलिस को रिसॉर्ट में 52 लोग मिले। जबकि उनके साथ दस युवतियां भी थी। पुलिस को देखकर रिसॉर्ट का मैनेजर व स्टाफ फरार हो गया। पुलिस को उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री, अवैध शराब व नकदी मिली। रिसॉर्ट में बार चल रहा था। बार बिना लाइसेंस के चल रहा था। पुलिस उन्हें पकड़कर कोतवाली ले आई। पुलिस आरोपितों को पकड़ने के लिए उनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

तीजन बाई के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख

बोले- 'उनका जाना कला और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति'

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने कहा कि तीजन बाई का जाना कला और संस्कृति जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की इस लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में एक विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका जाना कला और संस्कृति जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन पर दुख जताया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, लोक कलाओं के क्षेत्र में अपनी गायकी से अमिट छाप छोड़ने वाली

लोकप्रिय पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन से मुझे गहरी वेदना की अनुभूति हुई है। छत्तीसगढ़ की कला को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनका जाना कला और संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। बता दें कि तीजन बाई कुछ समय से बीमार चल रही थीं।

उन्होंने 70 वर्ष की उम्र में रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। तीजन बाई का जन्म साल 1956 में छत्तीसगढ़ के भिलाई के पास स्थित गनियारी गांव में हुआ था। उन्होंने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोककला पंडवानी को नई पहचान दिलाई। पंडवानी एक ऐसी लोककला है, जिसमें महाभारत की कहानियों को गायन और अभिनय के जरिए मंच पर प्रस्तुत किया जाता है। देश के लिए उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने साल 1988 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। इसके बाद 2003 में पद्म भूषण और 2019 में देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से नवाजा गया। इसके अलावा, उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार सहित कई अन्य बड़े सम्मान भी मिले।

20 में फर्जी आधार कार्ड और 15 में वोटर आईडी, दिल्ली पुलिस ने पकड़ा नकली डॉक्यूमेंट बनाने वाला रैकेट

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस को एक ऐसे कथित ऑनलाइन रैकेट की जानकारी मिली है, जो नकली सरकारी डॉक्यूमेंट बना रहा था। इस रैकेट के सदस्य 20 रुपये में नकली आधार कार्ड और 15 रुपये में नकली वोटर आईडी कार्ड बना रहे थे। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि यह ऑपरेशन रेगुलर साइबर पेट्रोलिंग और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान सामने आया। शुरुआती जांच में पता चला कि एक ऑर्गनाइज्ड नेटवर्क नकली आईडी कार्ड बना रहा था और असली पहचान व पैन कार्ड जैसे दूसरे ऑफिशियल डॉक्यूमेंट पाने और उन्हें अपडेट करने में उनका इस्तेमाल कर रहा था। वेबसाइट पर कथित तौर पर नकली रेजिडेंस सर्टिफिकेट, कास्ट सर्टिफिकेट, वोटर आइडेंटिटी कार्ड, बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट, आधार से जुड़े डॉक्यूमेंट और दूसरे सपोर्टिंग रिकॉर्ड दिए गए।

मेयर की पत्नी रमा दुवाजी आजादी का जश्न छोड़ मुस्लिम जलसे में पहुंचीं न्यूयॉर्क अमेरिका में मचा बवाल

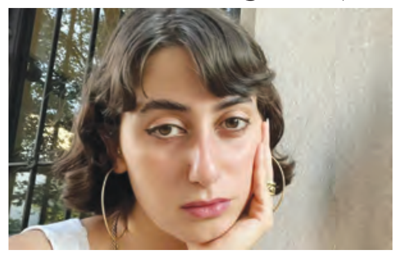

न्यूयॉर्क, 5 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी एक तरफ जहां अमेरिका के 250वें स्थापना दिवस के आधिकारिक कार्यक्रमों में मशगूल हैं, वहीं उनकी पत्नी रमा दुवाजी का स्पेन में होना नई राजनीतिक बहस छेड़ चुका है। यह सवाल हर किसी के जहन में है कि क्या देश के सबसे बड़े जश्न के दौरान उनका विदेश में रहना महज एक इत्तेफाक है, या फिर इसके पीछे कोई गहरी मंशा छिपी है? खबर है कि अमेरिका 250 के समारोहों से ठीक पहले, सीरियाई-अमेरिकी कलाकार रमा दुवाजी को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखा गया था। वह स्पेन के पाल्मा, मैलोर्का की उड़ान भर रही थीं। मेयर जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क में ही रहकर पुलिस कमिश्नर जेसिका टिश के साथ सुरक्षा ब्रीफिंग और 'सेल250' परेड जैसे आयोजनों की शोभा बढ़ा रहे थे। वहीं, उनकी पत्नी का प्रमुख राष्ट्रीय पर्व के दौरान देश से बाहर रहने पर बवाल शुरू हो गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रमा दुवाजी 'द वूमेंस सैक्चुअरी' की ओर से आयोजित 'प्लांट्स ऑफ द कुरान' नामक रिट्रीट में हिस्सा ले रही हैं। यह कार्यक्रम बुधवार से सोमवार तक चलेगा। वे न केवल इस रिट्रीट की होस्ट हैं, बल्कि इसकी 'आर्टिस्ट इन रेजिडेंस' भी हैं। इतना ही नहीं, वह नौ से 14 जुलाई तक फ्रांस के कोर्सिका में 'मैरी इन द कुरान' रिट्रीट में भी शामिल होंगी। सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर उन्हें इसी समय का चुनाव क्यों करना पड़ा? क्वींस काउंसिलवुमन जोआन एरियोला ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, 'अमेरिका 250 के जश्न को छोड़कर छुट्टी पर जाना रमा दुवाजी की अमेरिका विरोधी सोच को उजागर करता है।'

हेरोइन और हथियारों का जखीरा बरामद, बॉर्डर पार से आई थी खेप; सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

फिरोजपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। फिरोजपुर सीमा क्षेत्र में बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। सर्च ऑपरेशन के दौरान दो किलो 440 ग्राम हेरोइन, पांच विदेशी पिस्तौलें, दस मैगजीन व 47 कारतूस बरामद किए हैं। उक्त सामग्री पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम आई थी। जानकारी के मुताबिक गश्त के दौरान बीएसएफ ने पुलिस को सीमावर्ती गांव बूला राय हिठाड़ के ऊपर पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधि देखने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और बीएसएफ के जवानों ने मौके पर पहुंच सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया।

तलाशी के दौरान गांव बूला राय हिठाड़ निवासी अमृतपाल सिंह पुत्र शंभू सिंह के खेतों से एक बड़ा हथियारों का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक खेत से पांच विदेशी पिस्तौलें, 10 मैगजीन और 47 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। यह हथियार पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से तस्करी कर भारतीय सीमा में गिराए गए थे। बरामद हथियारों को कब्जे में लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इसी तरह बीएसएफ बटालियन-50 को दोना मत्तड़ गजनी वाला के खेतों से दो किलो 440 ग्राम हेरोइन की खेप बरामद हुई है।

ये भी पाकिस्तानी ड्रोन से भारतीय क्षेत्र में फेंकी गई थी। पुलिस और बीएसएफ पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। इसके साथ यह पता लगाया जा रहा है कि इस खेप को किसके लिए भेजा गया था और इसके पीछे सक्रिय तस्करी नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने सीमावर्ती इलाकों में निगरानी और तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

मुझे लगा लोग नफरत करते हैं: अली खामेनेई के जनाजे में रोते ईरानियों को देख बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, 5 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि वह ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे के दौरान सिर्फ एक शॉट में देश के बचे हुए पूरे नेतृत्व को खत्म कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि फिर बातचीत करने के लिए कोई नहीं बचेगा। ट्रंप ने 'एक्सियोस' से बातचीत में कहा, वे सब वहां मौजूद हैं। एक शॉट और हम उन सभी को खत्म कर सकते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं करने जा रहे हैं, क्योंकि तब हमारे पास बातचीत करने के लिए कोई नहीं बचेगा। वे डील करने के लिए भीख मांग रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि दोनों पक्षों ने खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम खत्म होने तक बातचीत से एक हफ्ते का ब्रेक लेने का फैसला किया है। ट्रंप के मुताबिक, इस दौरान कोई भी पक्ष एक-दूसरे पर हमला नहीं करेगा। इस ऐतिहासिक जनाजे में लाखों ईरानियों की भीड़ सड़कों पर उमड़ रही है। विदाई समारोह के दौरान ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची को रोते हुए देखा गया। ईरानियों को इस तरह रोता देख ट्रंप ने हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता था कि लोग खामेनेई से नफरत करते थे। ट्रंप ने तंज कसते हुए कहा, शायद ये नकली आंसू हैं। ईरान पर 36 सालों तक राज करने वाले अली खामेनेई इस साल 28 फरवरी को मारे गए थे। इसी दिन अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हवाई हमले शुरू किए थे, जिससे मिडल ईस्ट में युद्ध छिड़ गया था।

अधिकारियों के अनुसार

कांगो में परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों को ले जा रही नाव डूब गई, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई

किंशासा, 5 जुलाई (एजेंसियां)। अधिकारियों ने बताया कि मध्य कांगो में सरकारी परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों को ले जा रही एक लकड़ी की नाव डूब गई, जिससे कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। चश्मदीदों के अनुसार, नाव कसाई प्रांत में यात्रा कर रही थी और संकुरु तथा कसाई नदियों के संगम पर पहुँचते ही डूब गई। मध्य अफ्रीकी देश में नाव दुर्घटनाएँ आम हैं, अक्सर देर रात की यात्रा और नावों में क्षमता से ज़्यादा लोगों का सवार होना इसके लिए ज़िम्मेदार ठहराया जाता है।

देश के दूर-दराज़ इलाकों में सुरक्षा के खराब इंतज़ाम और बुनियादी सुविधाओं की कमी भी हाल के वर्षों में नाव दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों की मौत का कारण बनी है। कसाई प्रांत के इलेबो इलाके के एडमिनिस्ट्रेटर फ्रैंक्वा काबुला ने बताया, 80 लोग बच गए और 20 शव मिले हैं।

हालाँकि, दुर्घटना को देखने वाले शिकुडी जीन ने बताया कि नाव में 200 से ज़्यादा लोग सवार थे। इलेबो सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइज़ेशन के अध्यक्ष फ्रैंक्वा मालेपो ने कहा, डीआरसी में नाव के मालिक सिर्फ़ पैसे के पीछे भागते हैं और उन्हें इंसानी ज़िंदगी की कोई परवाह नहीं है।

मुठभेड़ में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटर ढेर, पुलिस का एक जवान घायल

बहादुरगढ़, 5 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के बहादुरगढ़ में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटर ढेर कर दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक एसटीएफ विक्रांत भूषण ने इसकी जानकारी दी। एसपी एसटीएफ विक्रांत भूषण ने बताया कि पिछले महीने हांसी में दो अज्ञात लोगों ने कपिल नाम के एक शख्स की हत्या कर दी थी। हांसी में कपिल जिम चलाता था। इस मामले में सिटी हांसी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान दो मुख्य शूटरों (प्रवेश और हिमांशु) की पहचान की गई। दोनों पर एक-एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि काउंटर इंटेलीजेंस दिल्ली स्पेशल सेल यूनिट को जो खुफिया जानकारी मिली, वह एसटीएफ बहादुरगढ़ यूनिट से साझा की गई। दोनों यूनिट ने संयुक्त जांच की तो पता चला कि दोनों शूटरों के पास आधुनिक हथियार और गोला-बारूद हैं और वे बहादुरगढ़ इलाके में हमला कर सकते हैं। एसपी एसटीएफ ने आगे बताया कि दोनों शूटरों की ओर से पुलिस टीम पर फायरिंग किया गया। सेल्फ डिफेंस में स्पेशल स्टाफ काउंटर-इंटेलिजेंस और एसटीएफ बहादुरगढ़ यूनिट ने भी फायरिंग की। मुठभेड़ में दोनों शूटर (प्रवेश और हिमांशु) गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान चार पुलिसकर्मियों को बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी, लेकिन वह बच गए,

प्रेमी संग मिलकर रची पति की हत्या की साजिश 39 कॉल ने खोली बेवफा पत्नी की पोल

रेवाड़ी, 5 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा की रेवाड़ी पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी को सुलझाते हुए एक 21 वर्षीय युवक की हत्या का पर्दाफाश किया है। थाना कसौला पुलिस ने इस मामले में मृतक की पत्नी और उसके एक मददगार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, प्रेम प्रसंग के चलते पति को रास्ते से हटाने के लिए यह पूरी साजिश रची गई थी और हत्या को सिर्फ एक हादसा दिखाने की कोशिश की गई थी।

डीएसपी सुरेंद्र श्योराण ने बताया कि गांव जड़थल के रहने वाले रतनलाल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका 21 साल का बेटा मोनू 8 जून की रात करीब 10 बजे स्कूटी से दवाई लेने निकला था, लेकिन वापस नहीं आया। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। 10 जून को गांव आसलवास के पास नहर में मोनू का शव मिला। शुरुआती जांच और फॉरेंसिक (एफएसएल) टीम को मोनू के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले थे।

उसकी स्कूटी भी नहर के पास ही खड़ी थी, जिससे पहली नजर में यह मामला नहर में डूबने से हुई दुर्घटना का लग रहा था। लेकिन परिवार वालों ने हत्या का शक जताया, जिसके बाद पुलिस ने हत्या की धाराएं जोड़कर वैज्ञानिक और तकनीकी सबूतों के आधार पर बारीकी से जांच शुरू की।

अपनी शादी की पार्टी देकर लौट रही नवविवाहिता का सोसाइटी में मिला शव, 2 महीने पहले लिए थे सात फेरे

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के लोधी कॉलोनी इलाके से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कि पालिका कुंज एनडीएमसी सोसाइटी में एक 28 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान संगम विहार निवासी आकृति के रूप में हुई है, जिसकी महज ढाई महीने पहले ही शादी हुई थी। वहीं, मृतिका की जिस सोसाइटी से लाश मिली, वहां से इसका दूर-दूर तक लेना-देना नहीं है। घटना 9.0 बजे की है, जब सोसाइटी में रहने वाले लोगों ने लड़की की लाश को देखा। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़की की पहचान संगम विहार निवासी आकृति के रूप में की। दरअसल, आकृति की शादी इसी साल अप्रैल महीने में हुई थी। परिवार वालों का कहना है कि आकृति छतरपुर में नौकरी करती है और उसने शनिवार को अपने दोस्तों को अपनी शादी की पार्टी दी थी। शाम में उसने अपनी मां को फोन किया और बताया कि वह घर के पास मेट्रो स्टेशन पर पहुंच गई है, लेकिन उसके कुछ देर बाद ही आकृति का फोन स्विच ऑफ हो गया और रात 9.0 बजे के करीब उसकी लाश लोधी कॉलोनी के पालिका कुंज आवासीय परिसर में मिली। परिवार वालों का कहना है कि इस सोसाइटी से आकृति का कोई लिंक नहीं है। उनका कोई रिश्तेदार भी सोसाइटी में नहीं रहता। अब सवाल यह है कि आखिर आकृति लोधी कॉलोनी के पालिका कुंज हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में क्या करने आई थी।

ऑर्गनाइजर ने एलके आडवाणी की बेटी प्रतिभा को किया सम्मानित, 80 साल पूरे होने का मनाया जश्न

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। हर संस्थान न सिर्फ अपना इतिहास आगे बढ़ाता है, बल्कि उन लोगों की यादें भी संजोए रखता है जिन्होंने उसे आकार देने में मदद की। इसी क्रम में 'ऑर्गनाइजर' ने निडर पत्रकारिता के 80 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस अवसर पर 'ऑर्गनाइजर' ने लाल कृष्ण आडवाणी की बेटी प्रतिभा आडवाणी को सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त किया। एलके आडवाणी ने 'ऑर्गनाइजर' के शुरुआती दौर में इसके संपादक के रूप में काम किया था। भारत के सबसे बड़े राजनीतिक नेताओं में शुमार होने से बहुत पहले, एलके आडवाणी ने एक पत्रकार और संपादक के तौर पर 'ऑर्गनाइजर' में योगदान दिया था। उन्होंने सिद्धांतों पर आधारित पत्रकारिता और राष्ट्रीय सोच के प्रति इस प्रकाशन की प्रतिबद्धता को मजबूत करने में मदद की। 'ऑर्गनाइजर' के इतिहास में उनका जुड़ाव एक अहम अध्याय बना हुआ है। प्रतिभा आडवाणी को सम्मानित करके 'ऑर्गनाइजर' ने उस स्थायी विरासत को नमन किया, जो पाठकों, लेखकों और पत्रकारों की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है। 'ऑर्गनाइजर' ने अपने 80 वर्ष पूरे करते हुए देश की पत्रकारिता में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यह प्रकाशन हमेशा से राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक जागरण और सत्य की वकालत के लिए जाना जाता रहा है। इस दौरान कई ऐतिहासिक घटनाओं को निडरता से कवर किया गया। एलके आडवाणी जी के संपादकीय काल में 'ऑर्गनाइजर' ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मजबूत रुख अपनाया। उनकी पत्रकारिता ने बाद में राजनीति में भी उन्हें मजबूत आधार दिया। सम्मान समारोह में प्रतिभा आडवाणी ने पिता की विरासत को याद करते हुए भावुकता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पिता हमेशा सिद्धांतों पर चलने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने के पक्षधर रहे। 'ऑर्गनाइजर' के 80 वर्ष पूरे होने का यह अवसर न सिर्फ अतीत को याद करने का है, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का भी है।

शी ने कहा कि वे 'स्थिर' चीन-उत्तर कोरिया संबंधों के लिए किम के साथ काम करने को तैयार हैं: केसीएनए

सियोल, 5 जुलाई (एजेंसियां)। प्योंगयांग के सरकारी मीडिया ने रविवार को बताया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि वे उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ मिलकर अपने द्विपक्षीय संबंधों को लंबे समय तक चलने वाले, अच्छे और स्थिर विकास की दिशा में ले जाने के लिए काम करने को तैयार हैं। यह बातचीत शी की पिछले महीने उत्तर कोरिया की दुर्लभ यात्रा के बाद हुई है, जब दोनों नेताओं ने कोरियाई प्रायद्वीप पर बढ़ते तनाव और रूस के साथ प्योंगयांग के बढ़ते सैन्य सहयोग के बीच संबंधों को और मजबूत करने का वादा किया था। एक संदेश में शी ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की 105वीं वर्षगांठ पर बधाई संदेश भेजने के लिए किम का धन्यवाद किया। शी ने कहा कि किम का संदेश चीन के प्रति उत्तर कोरियाई नेता, सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी और उत्तर कोरियाई लोगों की गहरी और गर्मजोशी भरी भावनाओं को दर्शाता है। शी ने कहा, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और कोरिया की वर्कर्स पार्टी मार्क्सवादी सत्तारूढ़ पार्टियां हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश राष्ट्रीय स्वतंत्रता के लिए एक साथ खड़े रहे हैं और पीढ़ियों से समाजवादी लक्ष्यों को मिलकर आगे बढ़ाया है।

शी ने उत्तर कोरिया के आधिकारिक नाम के संक्षिप्त रूप (डीपीआरके) का इस्तेमाल करते हुए कहा, मैं दोनों पक्षों के संबंधित क्षेत्रों और विभागों को हमारे बीच बनी महत्वपूर्ण आम सहमति को पूरी तरह से लागू करने के लिए निर्देशित करने और चीन-डीपीआरके संबंधों को लंबे समय तक चलने वाले, अच्छे और स्थिर विकास की ओर ले जाने के लिए तैयार हूं। प्योंगयांग की अपनी हालिया राजकीय यात्रा का जिक्र करते हुए, शी ने यात्रा के दौरान उत्साहपूर्ण और मैत्रीपूर्ण मेहमाननवाजी के लिए किम का धन्यवाद किया। यह संदेश किम के एक पत्र के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने प्योंगयांग में हुई अपनी शिखर बैठक को एक ऐतिहासिक अवसर बताया था और कहा था कि बीजिंग के साथ संबंधों को मजबूत करते रहना उत्तर कोरिया का दृढ़ रुख है।

उत्तर कोरिया ने रूस के साथ सुरक्षा संबंध बढ़ाए हैं; प्योंगयांग ने यूक्रेन पर मॉस्को के हमले में मदद के लिए सैनिक और हथियार भेजे हैं। इसके बावजूद, दक्षिण कोरिया के अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्रालय के अनुसार, चीन उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा आर्थिक साझेदार बना हुआ है और 2024 में देश के विदेशी व्यापार का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा चीन के साथ ही रहा है।

भुवनेश्वर में बारिश के बाद नाले में बहा युवक, 20 घंटे से ज्यादा समय बीतने के बाद भी नहीं मिला सुराग

भुवनेश्वर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भुवनेश्वर के वाणी विहार इलाके में तेज बारिश के दौरान एक युवक नाले में बह गया। घटना के 20 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल पाया है। आज भी बचाव अभियान लगातार जारी है और रेस्क्यू टीमें युवक की तलाश में जुटी हुई हैं। लापता युवक की पहचान अनिल सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वह नाले के किनारे प्लास्टिक की बोतलें और अन्य कबाड़ इकट्ठा कर रहा था। लगातार बारिश के कारण नाले में तेज बहाव आ गया था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह तेज पानी के साथ बह गया। घटना की सूचना मिलते ही भुवनेश्वर नगर निगम की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। शुरुआती जानकारी में आशंका जताई गई कि भारी बारिश के बाद नाले में आए तेज बहाव के कारण युवक बह गया। बताया गया कि बारिश के पानी के साथ बहकर आए प्लास्टिक और अन्य कबाड़ को वह इकट्ठा कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 6 जुलाई - 2026

लोकतंत्र की असली ताकत

लोकतंत्र केवल चुनावों से ही नहीं, बल्कि नागरिकों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति, असहमति और सत्ता से सवाल पूछने की संस्कृति से चलता है। संविधान प्रत्येक नागरिक को विचार रखने, नीतियों की आलोचना करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराने का मौलिक अधिकार देता है। यही अधिकार लोकतंत्र को राजतंत्र और तानाशाही से अलग पहचान दिलाते हैं। इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध को अपराध नहीं, बल्कि जनभागीदारी का सशक्त माध्यम माना जाता है। हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया कि किसी नागरिक को केवल इसलिए अपराधी नहीं ठहराया जा सकता कि वह सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन या विरोध में शामिल हुआ है। कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार का विरोध करना संविधान प्रदत्त अधिकारों का हिस्सा है और इसे देशविरोधी गतिविधि के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह निर्णय केवल कानूनी दृष्टि से ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और नागरिक स्वतंत्रता को सुदृढ़ करने वाला एक महत्वपूर्ण संदेश भी है। देखा जाए तो लोकतंत्र की आत्मा सत्ता और जनता के बीच संतुलन में है। यदि सरकार के प्रत्येक निर्णय को बिना प्रश्न स्वीकार कर लिया जाए, तो जवाबदेही समाप्त हो जाएगी। स्वस्थ लोकतंत्र वही है, जहां नागरिक अपनी समस्याओं, सुझावों और असहमति को बिना भय व्यक्त कर सकें। इतिहास गवाह है कि समाज में अनेक सकारात्मक परिवर्तन जन आंदोलनों और शांतिपूर्ण विरोध के माध्यम से ही हुए हैं। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सूचना के अधिकार, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय जैसे अनेक सुधार जनता की संगठित आवाज का ही परिणाम है। फिर भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीमित नहीं हो सकती। संविधान स्पष्ट करता है कि यह अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, न्यायालय की गरिमा और सामाजिक सौहार्द की सीमाओं के भीतर ही होना चाहिए। इसलिए विरोध का स्वर हमेशा शांतिपूर्ण, संवैधानिक और जिम्मेदार होना चाहिए। हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, नफरत फैलाना या कानून व्यवस्था को बाधित करना किसी भी स्थिति में लोकतांत्रिक अधिकारों का हिस्सा नहीं है। आज चिंता का विषय यह है कि कई बार सरकार की आलोचना और राष्ट्रविरोध के बीच की रेखा धुंधली करने का प्रयास किया जाता है। लोकतंत्र में सरकार और राष्ट्र समानार्थी नहीं होते। सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन राष्ट्र, संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाएं स्थायी होती हैं। इसलिए सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना लोकतंत्र को कमजोर नहीं करता, बल्कि उसे अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की गुणवत्ता का महत्वपूर्ण पैमाना मानी जाती है। 'फ्यूचर ऑफ फ्री स्पीच' जैसे वैश्विक अध्ययनों में यह चिंता सामने आई है कि संवैधानिक समर्थन के बावजूद अनेक लोकतांत्रिक देशों में नागरिक स्वतंत्रता को लेकर नई चुनौतियां उभर रही हैं। सभी लोकतंत्रों के लिए यह आत्ममंथन का विषय है कि असहमति और शांतिपूर्ण विरोध को संदेह की दृष्टि से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद के माध्यम के रूप में देखा जाए। ऐसे समय में न्यायपालिका की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि वही संविधान की संरक्षक के रूप में नागरिक अधिकारों और राज्य की शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, नागरिक समाज और आम जनता लोकतांत्रिक संवाद की संस्कृति को और मजबूत करें।

खनन माफिया और पहरेदार

रघु ठाकुर

पिछले दिनों मुरैना में पत्थर खदानों से रेत खनन के समाचार प्रमुखता से समाचार पत्रों में आये। खनन माफिया का हौसला इतना बढ़ा है कि उन्होंने अनेक अधिकारियों के वाहन रोकने का प्रयास किया, उनके ऊपर ट्रेक्टर चढ़ाने का प्रयास किया। कई कर्मचारी वन और राजस्व विभाग के घायल हुए और कुछ तो शहीद हो गये। कई अखबारों ने खनन वालों के बयान छापे कि वे पुलिस थाने के सामने से निकलते हैं, परंतु उन्हें रोकने की हिम्मत पुलिस में नहीं है। क्योंकि खनन करने वाले बंदूक रखते हैं और कर्मचारी भी जानते हैं कि वह गोली भी मार सकते हैं।

मुरैना के राज्य सरकार के एक मंत्री ने बयान दिया है कि खनन करने वाले नौजवानों की लाचारी है क्योंकि उनके पास रोजगार नहीं है। इस पक्ष से इंकार नहीं किया जा सकता कि बेरोजगारी भी एक कारण है परंतु यह भी तथ्य है कि अब बेरोजगार नौजवान तो खनन करने वाले हैं या ट्रेक्टर आदि चलाने वाले हैं, याने एक प्रकार के अल्प वेतन भोगी श्रमिक जैसे हैं। इनके मालिक बड़े माफिया हैं जो इन नौजवानों से यह कार्य कराते और वे बेरोजगार नहीं हैं। बल्कि वह करोड़पति हैं जिनके पास बड़े-बड़े मकान हैं, गाड़ियां हैं और अपराध करने वाले उनके कर्मचारी हैं। वैसे तो यह खनन का सिलसिला कोई आज का नहीं है बल्कि इसकी शुरुआत तो 1971 के बाद जब श्रीमती इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थी और उनके बेटे स्वरू संजय गांधी सत्ता के अघोरिुत नियंत्रक थे, तभी हो चुकी थी। दिल्ली के आसपास के 30-40 किमी के दायरे के पहाड़ों को खोदने वाले उस समय सभी कांग्रेस समर्थक थे। स्वरू संजय गांधी के लठैत थे और आज वे भी दिल्ली के पाश इलाकों में बड़े-बड़े मकान बनाकर रह रहे हैं और कारों में चल रहे हैं। सत्ता के संरक्षण में वह छोटी हो या बड़ी हो खनन माफिया पनपते हैं। और इसी प्रकार रेत का खनन भी देश के अधिकांश इलाकों में बड़ी मझौली या छोटी नदियों के पास रेत का खनन कराने वाले रेत माफिया और आमतौर पर माफिया सरगना उस स्थानीय जाति, जिसकी संख्या व बाहुबल होता है, के होते हैं।

खनन करने वाले उनके कर्मचारी होते हैं। खनन से देश के पर्यावरण पर जो असर पड़ा है इसका कोई विधिवत आंकलन अभी तक नहीं हुआ है। न सरकारों ने कराया है और न किसी अन्य प्रद्धति के संरक्षकों ने कराया है। सरकारों से तो उम्मीद करना ही व्यर्थ है क्योंकि आमतौर पर यह सभी खनन माफिया सरकारों के संरक्षण में ही पलते हैं। सत्ता के मुखिया की जाति के नाम उनके ट्रेक्टरों और वाहनों पर लिखे रहते हैं, उनसे दुर्घटनायें होती हैं, निर्दोरु लोग मरते हैं, परंतु सरकार के मुखिया के संरक्षण के चलते प्रशासन व पुलिस उन्हें रोकना, पकड़ना या अपराध दर्ज करना तो दूर उन्हें दूर से सलाम करते हैं। पत्थर और रेत के खनन से कितने ही इलाकों में खदानें बन गई हैं और इन खदानों में पानी भरने से अनजाने में लोग डूबकर मर जाते हैं क्योंकि उन्हें इनका कोई अनुमान नहीं होता। इन सामान्य व निर्दोरु लोगों को सरकारें भी कोई मुआवजा नहीं देती क्योंकि वे दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में रहने वाले होते हैं। लगातार नदियों से रेत निकालने से जो नदियों के जल का शुद्धिकरण होता था वह घट रहा है और नदियां मिटटी के दलदल में बदल रही हैं। पत्थरों को खोदने के लिये वनों को काटा जाता है और वनों की संख्या इस कारण से घट रही है परंतु आज तक देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात में पर्यावरण नरुट करने वाले, प्रद्धति को नरुट करने वाले इन खनन माफियाओं के बारे में कोई चिंता व्यक्त नहीं की? हो सकता है कि उसका एक कारण यह भी हो कि इन दिनों देश के लगभग 22 राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकारें हैं जो उनकी अपनी है और अपनी सरकारों के अपराधों के बारे में बोलना उनकी संस्द्धति नहीं है बल्कि अपनों के अपराध पर पर्दा डालना और दूसरों के अपराध को बढ़ा चढ़ा कर बताना उनकी शैली है या राजनैतिक चतुराई है। अगर यह खनन नहीं रुका तो कुछ वर्शों के बाद देश की बड़ी व पवित्र मानी जाने वाली नदियां भी मिटटी के दलदल में बदल जायेगी, वही बड़े-बड़े पहाड़ भी पत्थरों के टीले बन जायेंगे। आज सरकार के वन मंत्री की छत्रछाया में भारत सरकार ने तो अरावली पर्वत में खनन की अनुमति को लेकर जो योजना प्रस्तुत की थी, उसमें तो यह कह दिया गया था कि अगर 200 मी. के ऊपर पहाड़ है, तो वही पहाड़ माना जायेगा तथा उसमें खनन की अनुमति दी जा सकेगी। भारत सरकार के इस प्रस्ताव पर पहले तो सुप्रीम कोर्ट ने बगैर अध्ययन व विचार कर स्वीद्धति की मुहर लगा दी, पर सारे राजस्थान व देश से जब अरावली बचाओ का अभियान शुरू हुआ तब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को दोरुाी बताते हुए अपना आदेश वापिस लिया। यह सर्वविदित है कि अरावली पर्वत में बड़ी संख्या में बड़ी पर्वत श्रृंखलायें हैं और यह सभी पर्वतों में होती है। अगर एक बार यह पर्वत श्रृंखलायें कट कर साफ हो जाती, चटटान व पर्वतों को खोद दिया जाता तो राजस्थान का क्या होता? प्राण वायु कहां से मिलती? वर्रुाा के लिये बादल कहां से रुकते, कितना सूखा पड़ता इन सबके बारे में सरकारों को कोई चिंता नहीं। आज धारणा यह बन चुकी है कि सरकारों व प्रशासन तंत्र को केवल रिश्वत चिाहये चाहे देश का कुछ भी हो। यह पर्वत श्रृंखला मात्र पर्यावरण की संरक्षक नहीं हैं बल्कि यह देश के गौरवशाली इतिहास की कहानियाँ भी हैं। हल्दी घाटी के युद्ध में देश के पुरखों ने शौर्य का प्रदर्शन किया था और देशभर में हजारों आंचलिक गौरव गाथायें हैं, जो इन पहाड़ों की श्रृंखलाओं में संरक्षित है। निसंदेह राजस्थान के लोगों ने अरावली बचाने की शुरुआत की वह देश के लिये प्रेरक संदेश है और शायद ऐसी जनमानस और आमजन की पहल अब देश के पर्यावरण वनों, नदियों, इतिहास और संस्द्धति को बचा सकती है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने बाद में अरावली पर्वत को लेकर कुछ सख्त रुख अपनाया है उसका मप्र के बाहर राजस्थान, उप्र, हरियाणा, बिहार आदि में क्या असर हुआ है, इसकी मुझे जानकारी नहीं है परंतु मप्र में प्रदेश के मुख्य सचिव ने अवश्य कुछ सख्त पहल की है तथा इन खनन क्षेत्रों व माफियाआं को रोकने के लिये विशेरु पुलिस बल भेजे हैं तथा कहा कि खनन रुकना चाहिये, बजट का रोना न रोयें। इससे लगता है कि सरकार भले ही सुप्रीम कोर्ट के दबाव में और कुछ भाजपा के अंतर दलीय राजनैतिक सभी कारणों के कारण कुछ सक्रिय हुआ है। मैं उम्मीद करता हूँ कि इससे प्रदेश में विशेरु तौर से मुरैना में तो खनन रुकेगा। हालांकि होना तो यह चाहिए कि जितने खनन माफिया प्रदेश में हैं उनकी संपत्ति की जांच होनी चाहिए और उनके पास अरबों की संपत्ति कहां से आई वह जप्त होनी चाहिये और उनके विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही होनी चाहिए।

सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का कारण बनती जूनोटिक बीमारियां

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में मनुष्यों में होने वाली सभी संक्रामक बीमारियों का लगभग 60 प्रतिशत तथा उभरते संक्रामक रोगों का 75 प्रतिशत से भी ज्यादा हिस्सा जूनोटिक रोगों का है। जूनोटिक बीमारियां दुनियाभर में सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का प्रमुख कारण बनी हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जूनोटिक बीमारियों में रेबीज, लाइम रोग, एवियन इन्फ्लूएंजा, इबोला, सार्स, वेस्ट नाइल, कोविड-19 इत्यादि शामिल हैं, जिनका सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था तथा आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव हो सकता है। आमतौर पर जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों को ही 'जूनोटिक डिजीज' कहा जाता है। आईसीएमआर के अनुसार जब कोई संक्रामक बीमारी जानवरों से मनुष्यों में पहुंचती है, उसे 'जूनोसिस' कहते हैं और इसी प्रकार जब मनुष्यों से कोई संक्रामक बीमारी जानवरों में पहुंचती है तो उसे 'रिवर्स जूनोसिस' कहा जाता है। बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी अथवा कवक जूनोसिस के रोगजनक हो सकते हैं, जो सीधे सम्पर्क, भोजन, पानी अथवा पर्यावरण के माध्यम से मनुष्यों में फैल सकते हैं। जूनोटिक बीमारियां संक्रामक होती हैं, जो संक्रमित जानवरों के सीधे सम्पर्क में आने से अथवा संक्रमित खाद्य पदार्थों और दूषित पानी के जरिये इंसानों में फैलती हैं। इस प्रकार की संक्रामक बीमारियों का फैलाव मच्छरों के जरिये भी होता है। जानवरों के काटने से फैलने वाला रेबीज और संक्रमित पशुओं के सम्पर्क से होने वाला क्यू बुखार भी जूनोसिस रोगों में आते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि वर्तमान में विश्वभर में 200 से भी ज्यादा जूनोसिस बीमारियां हैं। जूनोसिस बीमारियां फैलाने में सबसे ज्यादा भूमिका बैक्टीरिया की होती है। विशेषज्ञों के मुताबिक 538 तरह के बैक्टीरिया, 307 प्रकार के फफूंद, 287 कृमि, 217 वायरस तथा 66 प्रकार के प्रोटोजोआ से जानवरों से इंसानों में बीमारी फैलती हैं और हर साल दुनिया के निम्न-मध्यम आय वाले देशों में ही 10 लाख लोगों की मौत जूनोसिस रोगों के कारण हो जाती है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 6 जुलाई को जूनोटिक बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दुनियाभर में 'विश्व जूनोसिस दिवस' मनाया जाता है। 6 जुलाई को ही यह दिवस मनाने का कारण यही है कि फ्रांसीसी जीवविज्ञानी लुई पाश्चर ने इसी दिन 6 जुलाई 1985 को जूनोटिक रोग के खिलाफ पहले टीके का सफल प्रयोग किया था। उन्होंने उस दिन एक युवा लड़के को रेबीज का पहला टीका सफलतापूर्वक लगाया था, जिसे एक पागल कुत्ते ने काट लिया था। जूनोटिक बीमारियों को समझने और रोकथाम की दिशा में वह बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। लुई पाश्चर की उस अभूतपूर्व उपलब्धि ने न केवल उस लड़के की जान बचाई थी बल्कि जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली जूनोटिक बीमारियों के खिलाफ लड़ाई की शुरुआत भी की थी। इसीलिए जूनोटिक बीमारी के खिलाफ पहले टीकाकरण के दिन 6 जुलाई को ही 'विश्व जूनोसिस दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

'जूनोस' शब्द ग्रीक से उत्पन्न हुआ है, जहां 'जून' का अर्थ है जानवर और 'नोसोस' का अर्थ है बीमारी। जानवरों के साथ मनुष्यों का लंबा रिश्ता रहा है, फिर चाहे वह शिकार को लेकर रहा हो या उन्हें पालतू जानवरों के रूप में रखने को लेकर। हालांकि पहले के समय में महामारी और बीमारियों का प्रसार कम होता था लेकिन जनसंख्या विस्फोट और लोगों के बीच बढ़ती कनेक्टिविटी के साथ ही बीमारियों और महामारियों में फैलने की क्षमता तेजी से बढ़ी है। 'इंटरनेशनल लाइव स्टॉक रिसर्च इंस्टीट्यूट' की एक रिपोर्ट के अनुसार जूनोसिस यानी प्राणी जनित रोग 1415 प्रकार के होते हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत रोग पशु, कीट, कीड़े से मनुष्यों को होते हैं, जिनके संक्रमण से पहले यदि बचाव के लिए वैक्सीन नहीं लगी हो तो मनुष्य की मौत होने की भी आशंका रहती है। जानवरों से मनुष्यों को 868 तरह के गंभीर रोग होते हैं, जिनमें से कई जानलेवा हो सकते हैं। इसीलिए विशेषज्ञों का कहना है कि पशु चाहे पालतू हो अथवा घुमंतु, उसके काटने, पंजे की खरोंच लगने पर भी तुरंत अपना इलाज कराना चाहिए क्योंकि पशुओं से लगाव में हुई जरा सी भी अनदेखी न केवल सेहत पर बल्कि जिंदगी पर भी भारी पड़ सकती है। खसरा, चेचक और इन्फ्लूएंजा इत्यादि कई बीमारियां शुरूआत में जूनोटिक बीमारियों के रूप में शुरू हुई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक एंथ्रेक्स, ब्रूसेलोसिस इत्यादि बैक्टीरियल जूनोज जीवाणु संक्रमण के कारण होते हैं, जो पशुओं से मनुष्यों में फैल सकते हैं जबकि रेबीज, इबोला, कोविड-19 इत्यादि वायरल जूनोज हैं। टोक्सोप्लासमोसिस, लीशमैनियासिस जैसे रोग परजीवी जूनोज की श्रेणी में आते हैं। दाद जैसे जूनोटिक फंगल संक्रमण कवक के कारण होते हैं, जो जानवरों से मनुष्यों में फैल सकते हैं और इन्हें फंगल जूनोज कहा जाता है। स्क्रब टाइफस जानलेवा रोग भी कीटों के जरिये होने वाला जूनोसिस रोग है। कृन्तकों द्वारा प्रसारित हंता वायरस संक्रमण अथवा जंगली पक्षियों द्वारा फैलने वाली एवियन इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियां वन्यजीव जूनोज होती हैं, जिनमें मुख्य रूप से मनुष्यों तथा वन्यजीवों के बीच परस्पर क्रिया शामिल होती है। मवेशियों से ब्रूसेलोसिस तथा बिल्लियों से होने वाला टोक्सोप्लासमोसिस इत्यादि रोग घरेलू पशु जूनोज की श्रेणी में आते हैं। दूषित जल स्रोतों से होने वाला 'लेप्टोस्पायरोसिस' जलजनित प्रमुख जूनोटिक रोग है। मच्छरों से फैलने वाला डेंगू, मलेरिया, जेई, फाइलेरिया और किलनी से फैलने वाला लाइम रोग सदिश-जनित जूनोज हैं। संक्रमित जानवरों, उनके शरीर के तरल पदार्थ अथवा दूषित सतहों के सीधे सम्पर्क से होने वाले संक्रमण को प्रत्यक्ष सम्पर्क जूनोज कहा जाता है। वर्तमान में बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू, इबोला, रेबीज, निपाह, लेप्टोस्पाइरोसिस, हुकवॉर्म, साल्मोनेलोसिस, ग्लैंडर्स, एवियन इन्फ्लूएंजा, वेस्ट नाइल वायरस जैसी बीमारियां जूनोसिस डिजीज हैं। वायरस, पैरासाइट्स, फंगस इत्यादि के कारण जानवरों से इंसानों में फैलने वाली जूनोसिस बीमारियों से मनुष्यों में हल्के से लेकर गंभीर बीमारी तक हो सकती है और कई मामलों में यह मौत का कारण भी बन सकती हैं। कुत्ते, बंदर, बिल्ली तथा अन्य पशुओं के काटने पर होने वाले रैबीज का अब तक इलाज नहीं मिल सका है। इसके लिए काटने के तुरंत बाद एहतियातन एंटी रैबीज वैक्सीन की सभी डोज लगवाना ही बचाव का उपाय है। जूनोसिस रोगों से बचाव के उपायों को लेकर पशु विशेषज्ञों का कहना है कि पशुओं का नियमित टीकाकरण कराएं और पशुओं को छूने के बाद हाथ अवश्य धोएं। पालतू जानवरों के साथ भी न सोएं बल्कि उनके सोने, रहने और खाने की अलग व्यवस्था करें।

सॉफ्ट पोर्न बन रहा है सोशल मीडिया

वीरेंद्र बहादुर सिंह

अभी व्हाट्सऐप यूजर्स का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि सरकार ने मेटा कंपनी को इंस्टाग्राम पर अश्लील कंटेंट के मामले में नोटिस थमा दिया। इंस्टाग्राम पर बालयौन शोषण से जुड़े कंटेंट वाला एक विज्ञापन (ऐड) जारी हुआ था। इस विज्ञापन में रेप वीडियो और चाइल्ड पोर्न वीडियो जैसे प्रतिबंधित एवं आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इसके दृश्य भी निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन करते थे। एक मीडिया हाउस ने इस संबंध में शिकायत भी की थी, लेकिन शुरुआत में इंस्टाग्राम ने यह कहकर कोई कार्रवाई नहीं की कि 'ऐड में कुछ भी गलत नहीं है।'

यह विज्ञापन ऐसा था कि उस पर क्लिक करते ही उपयोगकर्ता बेहद सस्ते दाम पर पोर्न वीडियो खरीद सकता था। विज्ञापन पर क्लिक करते ही यूजर को टेलीग्राम या अन्य थर्ड पार्टी प्लेटफार्म पर भेज दिया जाता था, जहां उसे कम कीमत में पोर्न कंटेंट खरीदने के आफर दिए जाते थे। मात्र इंस्टाग्राम ही नहीं, लगभग हर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अश्लील, घटिया और घृणा पैदा करने वाला कंटेंट बेधड़क अपलोड किया जा रहा है।

फालोअर्स बढ़ाने की होड़ में कुछ लोग उत्तेजना पैदा करने वाला कंटेंट पोस्ट कर रहे हैं और सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे तेजी से फैलाता है। इंस्टाग्राम के रिकमेंडेशन एल्गोरिदम ने ऐसे संवेदनशील और अवैध वीडियो को प्रमोट करने में भी बड़ी भूमिका निभाई। जांच में यह भी सामने आया कि केवल एक नहीं, बल्कि 30 से अधिक ऐसे विज्ञापन प्रदर्शित हो रहे थे। कितने लोगों ने इन विज्ञापनों पर क्लिक किया और कितनों ने पोर्न कंटेंट खरीदा, इसका आधिकारिक विवरण सामने नहीं आया है। हालांकि माना जा रहा है कि बड़ी संख्या में लोगों ने इन पर क्लिक किया होगा। टेलीग्राम पहले से ही ऐसे मामलों को लेकर बदनाम रहा है। अपने बचाव में टेलीग्राम ने कहा कि उसने अपने प्लेटफार्म से 2,74,000 से अधिक ग्रुप और चैनल हटा दिए हैं। सवाल यह नहीं है कि कितने हटाए गए, बल्कि यह है कि अब भी ऐसे कितने ग्रुप और चैनल सक्रिय हैं।

सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय ने मेटा को भेजे गए नोटिस में सवाल उठाया है कि जब इंस्टाग्राम आटोमेटेड सेफ्टी और कंटेंट माडरेशन सिस्टम के दावे करता है, तो फिर इतनी संवेदनशील सामग्री वाले विज्ञापन को मंजूरी कैसे मिल गई? सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के अनुसार सीएसएएम का प्रसार गंभीर अपराध है। सरकार ने इसी संबंध में मेटा से जवाब मांगा है। मेटा का कहना है कि ऐसे सभी विज्ञापनों को तत्काल ब्लाक कर दिया गया है। कंपनी का यह भी कहना है कि अपराधी उसकी सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देने के लिए लगातार नए-नए तरीके अपनाते रहते हैं। लेकिन इस तर्क का सीधा अर्थ यही निकलता है कि कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था अभी भी पूरी तरह प्रभावी नहीं है। यह कंटेंट माडरेशन सिस्टम की विफलता भी मानी जाएगी। अब देखना यह है कि मेटा क्या जवाब देता है और सरकार इस मामले में आगे क्या कदम उठाती है। सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट की भरमार जो विवाद सामने आया है, वह एक खास तरह के विज्ञापनों को लेकर है। इसके अलावा भी लगभग हर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अश्लील कंटेंट की भरमार देखने को मिलती है। सोशल मीडिया पर उपलब्ध अश्लील सामग्री को मोटे तौर पर चार भागों में विभाजित किया जा सकता है। पहला है न्यूडिटी और सेक्सुअल कंटेंट। सोशल मीडिया पर अपलोड होने वाले कंटेंट का एक बड़ा हिस्सा इसी श्रेणी का होता है। कई बार इसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई पोर्न साइट देख रहे हों। दूसरा प्रकार सॉफ्ट पोर्न और सजेस्टिव कंटेंट का है।

इस श्रेणी में अर्धनग्न रील्स, उत्तेजक डांस और गुदगुदी पैदा करने वाला कंटेंट शामिल होता है। लड़कियां कपड़े उतारते-उतारते या पहनते-पहनते उत्तेजना पैदा करने वाली बातें करती हों, ऐसी रील्स की सोशल मीडिया पर भरमार है। तीसरा प्रकार डीपफेक और एआई जनरेटेड कंटेंट का है। आधुनिक तकनीक की मदद से अश्लील सामग्री तैयार कर लोगों के सामने परोस दी जाती है। कई बार तो यह पहचानना भी मुश्किल हो जाता है कि कंटेंट वास्तविक है या एआई से तैयार किया गया है।

चौथा प्रकार डार्क नेटवर्क और चाइल्ड सेक्सुअल अब्यूज कंटेंट का है। यह सबसे गंभीर श्रेणी है, क्योंकि इसमें बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी आपराधिक सामग्री का प्रसार किया जाता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो सोशल मीडिया पर सेक्सुअल और अश्लील कंटेंट लगातार परोसा जा रहा है। सोशल मीडिया पर इस तरह का कंटेंट तेजी से फैलने का सबसे बड़ा कारण उसका एल्गोरिदम है। जिस कंटेंट को ज्यादा देखा जाता है, वही सबसे अधिक लोगों तक पहुंचता है। यूजर किस कंटेंट पर क्लिक करता है, किसे लाइक करता है, किस पर कमेंट करता है और किस वीडियो को कितनी देर तक देखता है, उसके आधार पर उसी प्रकार का कंटेंट बारबार उसके सामने परोसा जाता है। आपने भी यह अनुभव किया होगा कि एक बार किसी विशेष प्रकार का कंटेंट देखने के बाद उसी तरह के वीडियो लगातार दिखाई देने लगते हैं। इतना ही नहीं, जिन लोगों को हम फालो भी नहीं करते, उनकी पोस्ट और रील्स भी हमारे सामने आने लगती हैं।

वैश्विक उर्जा संकट से निपटने में डिप्लोमेसी का जलवा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के पचपदरा से हिन्दुस्तान पेट्रोलियम राजस्थान रिफाइनरी एचआरआरएल को देश को समर्पित करते हुए जोर देकर कहा कि वैश्विक युद्धों व अशांति के दौर में देश की गत दस सालों की डिप्लोमेसी का जलवा देखने को मिला है। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के कारण वैश्विक उर्जा संकट से दुनिया के देशों को दो चार होना पड़ा। देश की डिप्लोमेटिक नीति का ही परिणाम रहा कि वैश्विक संकट के बावजूद देशवासियों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। देश में एलपीजी का उत्पादन बढ़ाया गया तो डिप्लोमेटिक संबंधों की सफलता का ही परिणाम रहा कि जहां पहले करीब 25 देशों से ईंधन आता था वहीं संकट के दौर में 60 से ज्यादा देशों से ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित की गई और इसी का कारण रहा कि देशवासियों को कहीं भी दिक्कत नहीं आने दी गई। दूरदर्शी नीति का ही परिणाम रहा है कि आज ऊर्जा संकट के दौर में देश राजस्थान रिफाइनरी के देश को समर्पित करने के साथ ही नए दौर में प्रवेश कर रहा है। जहां दुनिया के देशों में नई रिफाइनरियां दूर की बात होती जा रही है वहीं भारत में अत्याधुनिक क्षमता की रिफाइनरी उत्पादन आरंभ कर रही है।

राजस्थान रिफाइनरी विष्व की उन्नततम तकनीक की सबसे बेहतरीन रिफाइनरी है। बीएस 6 मानक की इस रिफाइनरी की 9 मिलियन मेट्रिक टन सालाना उत्पादन क्षमता है। 2.24 एमएमटीपीए पेट्रोकेमिकल उत्पाद और 5 एमएमटीपीए रिफाइनरी उत्पाद क्षमता है। इसका नेल्सन कॉम्प्लेक्सिटी इंडेक्स 17 है जो इसे अन्य रिफाइनरियों से विशिष्ट बनाती है वहीं इसमें आयातित और स्थानीय उत्पादित कच्चे तेल का प्रोसेस हो सकेगा और जीरो लिक्विड डिस्चार्ज पर यह रिफाइनरी काम करेगी यानी कि पूरी तरह से पर्यावरण अनुकूल उत्पाद तैयार होंगे। राजस्थान रिफाइनरी देश की 24 वीं रिफाइनरी है। यह देश की ग्रीन फील्ड इंटीग्रेटेड रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स है। इसमें कच्चे तेल के रिफाइन कर पेट्रोल, डीजल, गैस ही नहीं अपितु पेट्रोकेमिकल उत्पाद पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीएथिलीन, बैंजिन जैसे उत्पाद भी तैयार होंगे। इससे क्षेत्र में और देश में एमएसएमई उद्योग के भी पर लगेंगे और युवाओं को एंटरप्रोन्योर बनने व रोजगार के अवसर विकसित होंगे। सबसे खास बात यह कि जहां अमेरिका में पिछले 50 वर्षों से कोई नई रिफाइनरी नहीं लगी है वहीं योरोपीय देशों की रिफाइनरियों में भी लगातार उत्पादन क्षमता कम होती जा रही है। इसलिए आलोचना के लिए आलोचना की जाएं पर जिन चुनौतीपूर्ण हालातों में राजस्थान रिफाइनरी आज राष्ट्र को समर्पित हुई है यह अपने आप में राजस्थान ही नहीं समूचे देश के लिए गर्व की बात है। रिफाइनरी की देरी और लागत बढ़ने की बात बेमानी हो जाती है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर रुस यूक्रेन युद्ध के कारण रासायनिक खाद खासतौर से यूरिया संकट की चर्चा भी की और संकट के दौर में किसानों को किसी तरह की परेशानी या अधिक मूल्य का सामना नहीं करने दिया। दो माह पहले हुए हादसे के बावजूद तेजी से प्रयास किये और अथक परिश्रम और ईच्छाशक्ति से इतनी कम समय में तेजी से कार्य पूरा किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नियमित मोनेटरिंग और प्रयासों का ही परिणाम है कि एचआरआरएल राजस्थान रिफाइनरी देश को समर्पित और उत्पादन आरंभ हो सका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रिफाइनरी के उत्पादों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

राजस्थान रिफाइनरी के लोकार्पण के साथ ही भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ी रिफाइनरी क्षमता वाला देश बन गया है। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि मानी जानी चाहिए।

मोब लीचिंग : सामाजिक संरचना की भीषण विफलता

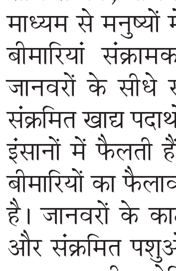

संजीव ठाकुर

सामूहिक भीड़ का कोई मस्तिष्क नहीं होता। उसके द्वारा उन्माद में लिए गए सड़क पर त्वरित फैसले सामाजिक संरचना के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरते हैं और राजकीय संपत्ति के लिए कई बार भारी नुकसान दायक भी होते हैं। भीड तंत्र द्वारा किया गया न्याय राज्य की विफलता है। जो कार्य राज्य की कार्यपालिका तथा न्यायपालिका द्वारा गुण दोष के आधार पर किया जाना चाहिए, आज उस भीड़ तंत्र द्वारा किया जा रहा है, यह सार्वभौमिक अवधारणा है कि भीड़ को राजनीति और सत्ता मिलकर पैदा करते हैं, और यही सामूहिक लोगों की भीड़ राज्य के नियंत्रण से मुक्त होकर राज्य के अस्तित्व को चुनौती देने लगती है। और फिर सामने आते है माब लीचिंग। वर्तमान समाज उपभोक्तावादी हो गया है,आजकल सहयोग तथा सहिष्णुता की भावना तथा समझ लगातार कम होते जा रही है। हम की संयुक्त भावनाओं के बजाए मैं की प्रवृत्ति सामने आने लगी है । और समाज व्यक्ति केंद्रित विकास की ओर अग्रसर हो कर समाज का एक बड़ा तबका विकास के पथ से बहुत पीछे छूट गया है। वस्तुतः एक तरफा वैश्वीकरण तथा साधनों के केंद्रीकरण के कारण गरीबी तथा बेरोजगारी खुलकर सामने आने लगी है। भारत के 10% लोगों के पास देश की 58% संपत्ति का स्वामित्व है। एवं देश की पूंजी का 70% भाग 1 प्रतिशत लोगों के अधिकार क्षेत्र में है।

यही कारण है कि भारत में भी फ्रांस एवं रूस की क्रांति जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इस मामले में भारत में हर राज्य की भूमिका अलग-अलग तथा भिन्न भिन्न है। भारत की शिक्षा व्यवस्था भी भीड़ तंत्र को काफी प्रोत्साहित कर रही। बैचलर डिग्री तथा मास्टर डिग्री लेने के बाद डिग्री धारी लोग बेरोजगारी या अल्प रोजगार के कारण कुंठित हो रहे हैं। और यही कुंठा बेरोजगारी एवं गरीबी किसी भी घटना को भीड़ तंत्र की ओर खींचती है, फल स्वरूप मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। दूसरी तरफ कानून का यह मानना है कि न्याय में विलंब न्याय को नकारना है। भारत की न्याय व्यवस्था अपने लंबित मुकदमों तथा प्रकरण के कारण एक तरह से अन्याय को ही जन्म देती है। किसी हत्यारे या बलात्कारी को सजा देने का समय तब आता है, जब आरोपी बहुत बुजुर्ग अथवा मर चुका होता है।

भीड़ तंत्र अस्थाई रूप से समान मूल्यों तथा भावनाओं की पहचान के साथ जुड़े अलग-अलग समूहों के लोगों का शामिल एक बड़ा समूह है। भीड़ की कोई अपनी आंख शक्ल नहीं होती एवं भीड़ की कोई पहचान भी नहीं होती है। इसके उद्देश्य तत्कालिक होते हैं, यह भी हो सकता है कि भीड़ में जो एक शक्स पहले नायक हुआ करता था, वह अगले ही पल उस समूह का पीड़ित व्यक्ति भी हो सकता है। इतिहास में इसके कई उदाहरण है जहां भीड़ ने अपने नेता को पद से हटाकर उसकी विनाश लीला ही रचा दी थी। फ्रांस का शासक रोबेस्पीयर इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है। सिगमंड फ्रायड के अनुसार भीड़ में व्यक्ति अपने सारे मूल्य खोकर आदिम काल में पहुंच जाता है, और भीड़ में कोई धर्म नहीं रह जाता है। कार्यपालिका तथा न्यायपालिका की लेटलतीफी के कारण भीड़ को कानून का भय लगभग समाप्त हो गया है। धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन कर किसी विशेष धर्म के लोगों को खानपान तथा व्यंजन के आधार पर कथित लोगों द्वारा किसी को भी निशाना बना कर उसकी हत्या कर दी जाती है, यह देश के लिए अत्यंत दुर्भाग्य जनक है। रही सही कसर सोशल मीडिया पूरा कर रहा है, फर्जी समाचार तथा राजनीतिक नियंत्रण के कारण सोशल मीडिया कई बार किसी विशेष वर्ग के द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जा रहा है।

कल आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की मासिक कालाष्टमी

7 जुलाई 2026, मंगलवार को आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की मासिक कालाष्टमी मनाई जाएगी। इस विशेष दिन पर भगवान शिव के रौद्र रूप, भगवान काल भैरव की पूजा-अर्चना और व्रत करने का विधान है। शुभ मुहूर्त अष्टमी तिथि प्रारंभः 7 जुलाई 2026 को दोपहर 01:24 बजेअष्टमी तिथि समाप्तः 8 जुलाई 2026 को दोपहर 12:21 बजेपूजा का श्रेष्ठ समयः चूंकि भगवान काल भैरव की पूजा मुख्य रूप से निशिता काल (रात के समय) में की जाती है, इसलिए व्रत और मुख्य पूजा 7 जुलाई को ही संपन्न होगी।पूजा विधि और नियमसुबह का स्नानः प्रातः काल जल्दी उठकर पवित्र स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें।

संकल्प और दीपदानः काल भैरव के सम्मुख दीपक प्रज्वलित कर व्रत का संकल्प लें।

भैरव मंत्र का जापः ॐ भ्रं कालभैरवाय नमः या ॐ श्री काल भैरवाय नमः मंत्र का जाप करें।

काले कुत्ते की सेवाः भगवान भैरव का वाहन काला कुत्ता माना जाता है, इसलिए इस दिन काले कुत्ते को भोजन (जैसे मीठी रोटी या बिस्कुट) अवश्य खिलाएं। कालाष्टमी के दिन व्रत रखने से जीवन के सभी भय, मानसिक तनाव, रोग और नकारात्मक शक्तियों (बुरी नजर आदि) का नाश होता है। इसी दिन मासिक कृष्ण जन्माष्टमी और शीतला सप्तमी का संयोग भी बन रहा है।

स्नान से नहीं, भक्त के प्रेम की वजह से बीमार होते हैं भगवान जगन्नाथ

हर साल स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान जगन्नाथ 15 दिनों के लिए बीमार पड़ जाते हैं, जिससे मंदिर के कपाट बंद रहते हैं। यह सिर्फ एक धार्मिक मान्यता नहीं, बल्कि एक अद्भुत कथा है। पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान ने अपने परम भक्त माधव दास की बीमारी स्वयं अपने ऊपर ले ली थी। यह घटना भगवान और भक्त के अटूट प्रेम और त्याग को दर्शाती है, जिसे हर साल रथ यात्रा से पहले याद किया जाता है।

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ जी मंदिर में उनकी रथयात्रा का पावन पर्व मानाया जाता है। इस साल ये पावन पर्व 16 जुलाई से लेकर 24 जुलाई तक चलेगा। ये सिर्फ एक धार्मिक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और भक्ति का अद्भुत संगम माना जाता है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा जी की रथयात्रा निकाली जाती है, जिसका हिस्सा बनने और अपने भगवान दर्शन करने लाखों भक्त पुरी पहुंचते हैं। रथयात्रा से पहले ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के दिन स्नान पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है।

इस दौरान जगन्नाथ जी, बलभद्र जी और सुभ्रदा जी को 108 पवित्र घड़ों के जल से विशेष स्नान (अभिषेक) कराया जाता है। मान्यता है कि इसके बाद भगवान बीमार हो जाते हैं और 15 दिन विश्राम करते हैं। इस दौरान मंदिर के कपाट बंद रहते हैं और भगवान का विशेष औषधीय उपचार किया जाता है। उनको काढ़े, औषधियों और जड़ी-बूटियों से तैयार विशेष भोग चढ़ाया जाता है। इस साल स्नान पूर्णिमा मनाई जा चुकी है और भगवान इस समय बीमार हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं भगवान स्नान की वजह से नहीं, बल्कि अपने भक्त के प्यार की वजह से बीमार होते हैं। आइए जानते हैं ये रोचक कथा।

पौराणिक कथा के अनुसार...

जगन्नाथ जी के हर साल बीमार पड़ने के पीछे एक पौराणिक कथा है। इस कथा के अनुसार, भगवान जगन्नाथ जी के एक परम भक्त हुआ करते थे। उनका नाम था माधव दास। माधव दास को लंबे समय से एक बीमारी ने अपनी चपेट में ले रखा था। उन्होंने अपने आराध्य से प्रार्थना की। उन्होंने भगवान जगन्नाथ जी से कहा कि वो उनके कष्टों को दूर करें। इस पर भगवान ने उनको बताया कि उनके पिछले जन्म के कर्मों के कारण उनकी 15 दिन की बीमारी अभी शेष है।

भक्त माधव दास की बीमारी भगवान ने स्वयं पर ली

भगवान जगन्नाथ जी ने अपने भक्त को बताया कि 15 दिन बाद ही उनको बीमारी से मुक्ति मिल सकेगी, लेकिन अपने भक्त का कष्ट देखकर भगवान का ह्रदय पिघल गया। मान्यता है कि भगवान ने इसके बाद माधव दास की अंतिम 15 दिन बीमारी स्वयं अपने ऊपर ले ली। इसके परिणामस्वरूप माधव दास सेहतमंद हो गए। तब से ही स्नान पूर्णिमा के बाद से 15 दिन भगवान जगन्नाथ जी के बीमार होने की परंपरा चली आ रही है।

भगवान जगन्नाथ की ये कथा सिर्फ एक धार्मिक मान्यता भर नहीं है, बल्कि भगवान और भक्त के बीच अटूट प्रेम की कहानी है। जो ये बताती है कि अपने सच्चे भक्त के दुख और कष्ट भगवान स्वयं पर लेने के लिए खड़े रहते हैं।

भक्ति करते रहो, ईश्वर को प्रार्थना पसंद है प्रदर्शन नहीं

अंतिम समय में कबीर कहां गए, यह रहस्य फूलों में ही बसा रहा। मीरा कहां अंतर्धान हुईं, कोई मूर्ति बता नहीं पा रही। भक्त भगवान में कैसे लीन होता है, उसके अनेक उदाहरण हमारे यहां हैं। भक्ति के लिए तीर्थ-मंदिर पहला कदम हो सकते हैं। उसके बाद आप स्वतंत्र हैं। आप जीवन भर किसी मंदिर न जाएं, किसी तीर्थ पर कदम न रखें तो भी भक्ति परवान चढ़ सकती है।

अब जो हमारी नई पीढ़ी है, इनकी भक्ति करने का ढंग अलग होगा। पिछले 50 साल में अमेरिका में चर्च जाने वाले लोग 20% कम हो गए। वहां पुराने

चर्चों में ताला लग गया। वहीं भारत में पुराने मंदिरों को नई व्यवस्था दी जा रही है। बड़े-बड़े कॉरिडोर बन रहे हैं। जमकर भीड़ आ रही है।

उत्सव और त्योहार तो ऐसे मनाए जा रहे हैं, जिसमें ईश्वर की धूम और भक्तों का धड़ाका ही दिखता है। भक्ति ढूंढे नहीं मिलती। यह अच्छी बात है कि मंदिर संभाले जाएं। लेकिन वे पर्यटन, मनोरंजन या चुनावी एजेंडे का केंद्र ही न बन जाएं। कबीर और मीरा सिखा गए हैं- ईश्वर को प्रार्थना पसंद है प्रदर्शन नहीं।

सौभाग्यशालियों को ही होते हैं अमरनाथ यात्रा में इसके दर्शन

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई 2026 से शुरू हो गई है जो 28 अगस्त तक चलेगी। इस पवित्र यात्रा में हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। बाबा बर्फानी के दर्शन करके भक्त अपने आप को भाग्यशाली मानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस पवित्र यात्रा में एक ओर चीज के दर्शन होना बेहद सौभाग्य की बात मानी जाती है।

क्या आपने अमरनाथ यात्रा के दो अमर कबूतरों की कहानी सुनी है? कहते हैं जिस व्यक्ति को इन सफेद रंग के दो अमर कबूतरों के दर्शन होते हैं उसकी किस्मत चमक जाती है। दरअसल इन कबूतरों का दिखना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इनके दर्शन होने का मतलब है कि आपको सीधे भगवान शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद प्राप्त हो गया है। पौराणिक कथाओं अनुसार ये कोई साधारण कबूतर नहीं हैं। ये वो अमर पक्षी हैं जिन्होंने भगवान शिव द्वारा बताई गई अमर कथा सुन ली थी। जिसके कारण ये अमर हो गए और बताया जाता है कि ये आज भी अमरनाथ यात्रा पर आए कुछ सौभाग्यशाली लोगों को दिखाई देते हैं। चलिए जानते हैं इन कबूतरों के अमर होने की कथा।

जब माता पार्वती ने अमर कथा सुनने की जताई इच्छा अमरनाथ यात्रा की पौराणिक कथा अनुसार, एक समय माता पार्वती ने भगवान शिव से उनकी अमरता के रहस्य के बारे में जानने की इच्छा जताई। माता पार्वती के बार-बार अनुरोध करने पर भगवान शिव इस अमरकथा को सुनाने के लिए तैयार हो गए। महादेव ने इस कथा को सुनाने के लिए एक ऐसा स्थान चुना जहां पर कोई दूसरा प्राणी या जीव-जंतु मौजूद न हो। ये ऐसी पावन कथा थी जिसे सुनने वाला व्यक्ति अमर हो सकता था, इसलिए भगवान ने माता पार्वती को ये कथा सुनाने के लिए हिमालय की एक गुप्त गुफा को चुना। आज इसी गुफा में बाबा बर्फानी अपने दर्शन देते हैं, जिसे सभी अमरनाथ गुफा के नाम से जानते हैं।

भगवान शिव ने अमरनाथ गुफा का किया चयन

इस गुप्त कथा को सुनाने से पहले भगवान शिव ने एक जगह अपने वाहन नंदी को छोड़ा। जिस स्थान पर नंदी महाराज को छोड़ा गया, उसे पहलगाम के नाम से जाना जाता है। श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा की शुरुआत यहीं से करते हैं। इसके बाद शिवजी ने अपनी जटाओं से चंद्रमा को निकालकर अलग किया, जिस स्थान पर उन्होंने ऐसा किया उसे चंदनवाड़ी कहते हैं। इसके बाद शिव ने गंगा जी को पंचतरणी में और अपने गले के सांप को शेषनाग में छोड़ा। इसी कारण से इस स्थान का नाम शेषनाग पड़ा। इसी तरह एक स्थान पर महादेव ने अपने पुत्र गणेश जी को छोड़ा, जिसे गणेश टॉप कहा जाता है। वहीं पिस्सू घाटी पर पिस्सू नामक कीड़े का त्याग किया। सभी चीजों को छोड़ने के बाद भगवान शिव ने माता पार्वती के साथ अमरनाथ गुफा में प्रवेश किया।

माता पार्वती की जगह कबूतरों ने सुन ली ये पावन कथा

इसके बाद भगवान शिव ने माता को कथा सुनानी शुरू की। कथा सुनते-सुनते देवी पार्वती को नींद आ गई। लेकिन भगवान शिव कथा में इतने लीन हो गए थे कि उनका ध्यान माता पार्वती की तरफ गया ही नहीं। कथा के बीच-बीच में गूं-गूं की आवाज आ रही थी जिससे भगवान को लगा कि देवी पार्वती ही बीच-बीच में हुंकार भर रही हैं। लेकिन ये आवाज माता पार्वती की नहीं बल्कि दो कबूतरों की थी, जो बड़े ही ध्यान से इस दिव्य कथा को सुन रहे थे। कथा समाप्त करने के बाद जब भगवान शिव का ध्यान माता पार्वती पर गया तो उन्होंने देखा कि वो तो सो रही हैं। फिर ये कथा किसने सुन ली? तब भगवान की दृष्टि कबूतरों पर पड़ी जिससे भगवान को क्रोध आ गया।

इस तरह अमर हो गया कबूतर का जोड़ा

कबूतर का जोड़ा तुरंत भगवान शिव की शरण में आ गया और कहने लगा कि भगवान हमने अमर कथा सुनी है। ऐसे में अगर आप हमें मारेंगे तो यह कथा झूठी हो जाएगी, इसलिए हम पर कृपा करें। इसके बाद भगवान शिव ने उन कबूतरों को जीवनदान दे दिया। साथ ही यह वरदान भी दिया कि तुम दोनों अब हमेशा के लिए अमर हो गए हो और तुम अब इसी जगह पर मेरे और पार्वती के प्रतीक के रूप में हमेशा निवास करोगे। मान्यता हैं अमरनाथ यात्रा पर आए कई श्रद्धालुओं को इन कबूतरों के दर्शन हुए थे।

महाभारत: कर्ण की मदद से अर्जुन को मारना चाहता था नाग

कर्ण की सीख- सफलता छल या गलत साधनों से मिले, तो वह लंबे समय तक सम्मान नहीं दिला सकती

महाभारत में एक अश्वसेन नाम के नाग का किस्सा है। खाण्डव वन में एक बार भयंकर अग्निकांड हुआ था। इस अग्निकांड में जंगल के अधिकतर जीव-जंतु खत्म हो गए थे। उसी वन में अश्वसेन नाम का एक मायावी नाग रहता था। उसकी माता भी अग्निकांड में मारी गई। अश्वसेन इस घटना के लिए अर्जुन को जिम्मेदार मानता था। इसलिए अश्वसेन ने अर्जुन से बदला लेने का संकल्प कर लिया। कई वर्षों के बाद जब कुरुक्षेत्र में कौरव और पांडवों का युद्ध शुरू हुआ, उस समय अश्वसेन भी कुरुक्षेत्र में पहुंच गया था और अर्जुन से बदला लेने का अवसर खोजने लगा। तब एक दिन कर्ण और अर्जुन आमने-सामने आ गए। अश्वसेन ने इसे बदला लेने का उचित अवसर समझा। वह एक बाण का रूप धारण करके चुपचाप कर्ण के तरकस में जा बैठा।

जब कर्ण ने अर्जुन पर प्रहार करने के लिए बाण निकाला, तो संयोग से वही बाण उसके हाथ में आया जिसमें अश्वसेन छिपा था। कर्ण के सारथी शल्य ने बाण को देखकर कहा था कि यह कुछ विचित्र बाण प्रतीत हो रहा है, इसलिए दूसरा बाण चुनना चाहिए, लेकिन कर्ण ने कहा कि वह एक बार धनुष पर चढ़े हुए बाण को वापस नहीं उतारता है। उसने उसी बाण को अर्जुन की ओर छोड़ दिया।

भगवान श्रीकृष्ण ने उस बाण में छिपे अश्वसेन को पहचान लिया। भगवान ने तुरंत रथ के घोड़ों को नीचे बैठा दिया। परिणाम यह हुआ कि बाण अर्जुन का सिर नहीं काट सका, केवल मुकुट ही कटकर गिरा। अर्जुन के बच जाने पर अश्वसेन बहुत क्रोधित हुआ। वह अपने वास्तविक नाग रूप में कर्ण के सामने पहुंच गया। उसने कहा कि यदि उसे दोबारा सावधानी से छोड़ा जाए, तो वह निश्चित रूप से अर्जुन का वध कर देगा। तब कर्ण ने उससे पूछा कि आप कौन हैं और मेरी सहायता क्यों करना चाहते हैं? अश्वसेन ने अपना परिचय दिया और बदला लेने की पूरी बात बताई।

कर्ण ने कहा कि मैं अपनी विजय केवल अपने पुरुषार्थ से चाहता हूं। छल, द्वेष या किसी छिपी हुई सहायता के सहारे मिली सफलता मुझे स्वीकार नहीं है।

कर्ण अश्वसेन से आगे कहा कि अगर नैतिकता छोड़कर जीतना पड़े, तो ऐसी जीत से हार कहीं बेहतर है। यह उत्तर कर्ण के चरित्र की महानता और उसके आत्मसम्मान को प्रकट करता है। इसके बाद कर्ण ने अश्वसेन को वहां से लौटा दिया।

प्रसंग की सीख

इस प्रसंग की पहली सही यह है कि सफलता से अधिक महत्वपूर्ण उसका तरीका होता है। अगर सफलता छल, धोखे या अनैतिक साधनों से मिले, तो वह लंबे समय तक सम्मान नहीं दिला सकती।

दूसरी सीख यह है कि अपने पुरुषार्थ पर विश्वास रखें। कर्ण चाहता, तो अश्वसेन की सहायता लेकर अर्जुन को पराजित करने का प्रयास कर सकता था, लेकिन उसने अपने सामर्थ्य पर भरोसा किया। हमें भी अपनी मेहनत, योग्यता और ईमानदारी पर विश्वास करना चाहिए, यही सबसे बड़ी ताकत है।

तीसरी सीख यह है कि बदला लेने की भावना जीवन को आगे नहीं बढ़ने देती है। अश्वसेन कई वर्षों तक बदले की भावना में जीता रहा। उसका पूरा ध्यान केवल प्रतिशोध पर था। इससे न उसका दुख कम हुआ और न उसे शांति मिली। इसलिए पुरानी बुरी बातों को पकड़े रखने के बजाय

भविष्य की ओर बढ़ना चाहिए। दूसरों को क्षमा करके आगे बढ़ेंगे, तो जीवन में शांति बनी रहेगी है।

चौथी सीख है कि सही सलाह को अनदेखा नहीं करना चाहिए। शल्य ने कर्ण को दूसरा बाण लेने की सलाह दी थी। कई बार हमारे आसपास ऐसे लोग होते हैं जो अनुभव के आधार पर उचित सुझाव देते हैं। आत्मविश्वास अच्छा है, लेकिन अहंकार निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर कर देता है। करीबी लोगों की सलाह को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इस प्रसंग की पांचवीं सीख भगवान श्रीकृष्ण से मिलती है। उन्होंने संकट को समय रहते पहचान लिया और तुरंत निर्णय लिया। हमें भी कठिन परिस्थितियों में घबराने के बजाय शांत मन से सही समय पर सही कदम उठाना चाहिए, तभी बड़ी समस्याओं को टाला जा सकता है।

छठी सीख यह है कि चरित्र सबसे बड़ी पूंजी है। धन, पद और जीत समय के साथ बदल सकते हैं, लेकिन ईमानदारी, नैतिकता और आत्मसम्मान व्यक्ति को हमेशा सम्मान दिलाते हैं। कर्ण अपने चरित्र के वजह से ही दानवीर और महान यौद्धा के रूप में प्रसिद्ध हैं।

यह प्रसंग सीख देता है कि जीवन में हार और जीत दोनों आती रहती हैं, लेकिन यदि हम अपने सिद्धांतों को बचाए रखते हैं, तो हमें हर जगह सम्मान मिलता है। कठिन परिस्थितियों में सही रास्ता चुनना ही सच्ची सफलता है।

पुरानी झाड़ू बदलने के भी हैं कुछ खास वास्तु नियम

वास्तु शास्त्र में झाड़ू सिर्फ सफाई का साधन नहीं, बल्कि सुख-समृद्धि का प्रतीक भी मानी जाती है। ऐसे में पुरानी झाड़ू कब बदलनी चाहिए, नई झाड़ू खरीदने का शुभ समय क्या है, पुरानी झाड़ू को कैसे हटाना चाहिए? इसके बारे में वास्तु के कुछ नियम है, जिनके बारे में पता होना चाहिए। झाड़ू बहुत सामान्य सी चीज लगती है, लेकिन वास्तु शास्त्र में इसका बहुत ही गहरा महत्व है। मान्यता है कि झाड़ू केवल गंदगी साफ करने का साधन नहीं, बल्कि घर की नकारात्मकता दूर कर सकारात्मकता लाने का प्रतीक भी होती है। धार्मिक और वास्तु मान्यताओं में इसे देवी लक्ष्मी से जोड़ा जाता है। ऐसे में पुरानी झाड़ू बदलने के कुछ नियम बताए गए हैं। जानिए कब और कैसे करें पुरानी झाड़ू को हटाना चाहिए।

झाड़ू का महत्व क्या है?

सनातन परंपराओं और वास्तु शास्त्र के अनुसार, झाड़ू का संबंध घर की समृद्धि और ऊर्जा प्रवाह से माना जाता है। इसे शुक्र ग्रह का प्रतिनिधि भी कहा जाता है। इसलिए झाड़ू के इस्तेमाल, रखरखाव और बदलाव के लिए कुछ विशेष नियम बताए गए हैं, जिनका संबंध घर-परिवार की शुभता से माना जाता है।

कब बदलें पुरानी झाड़ू?

वास्तु शास्त्र के अनुसार जब झाड़ू की तीलियां टूटने लगें और उससे ठीक तरह से सफाई न हो पाए, तब उसे बदल देना चाहिए। मान्यता है कि टूटी हुई झाड़ू का लंबे समय तक उपयोग करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। नई झाड़ू खरीदने और पुरानी झाड़ू हटाने के लिए शुक्रवार का दिन सबसे शुभ माना जाता है, क्योंकि झाड़ू का संबंध शुक्र ग्रह से बताया गया है।

नई झाड़ू खरीदने के शुभ मौके

शुक्रवार के अलावा धनतेरस, अक्षय तृतीया और वसंत पंचमी जैसे शुभ अवसरों पर भी नई झाड़ू खरीदना अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इन दिनों घर में नई झाड़ू लाने से सुख-समृद्धि और सकारात्मकता का आगमन होता है।

पुरानी झाड़ू का निपटान कैसे करें?

वास्तु के मुताबिक, पुरानी झाड़ू को किसी दूसरे व्यक्ति को दान नहीं करना चाहिए। साथ ही इसे सीधे कूड़ेदान में फेंकने से भी बचने की सलाह दी जाती है। इसे किसी पुराने कपड़े में लपेटकर ऐसी जगह रखना उचित माना जाता है, जहां यह किसी के पैरों के नीचे न आए। इसे सम्मानपूर्वक हटाना शुभ माना जाता है।

नई झाड़ू रखने के नियम

नई झाड़ू को घर लाने के बाद कई परिवार पहले उसकी पूजा करते हैं और फिर उसका उपयोग शुरू करते हैं। झाड़ू को हमेशा लिटाकर रखना चाहिए। रात के समय झाड़ू का इस्तेमाल या अनावश्यक स्पर्श करने से बचने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा घर की झाड़ू का इस्तेमाल बाहर की सफाई के लिए नहीं करना चाहिए।

आमिर की शादी में बेटे के साथ नजर आईं तीसरी पत्नी गौरी

आमिर खान और गौरी स्प्रैट आधिकारिक तौर पर एक दूसरे के हो गए हैं। आज पांच जुलाई को दोनों ने घर पर रजिस्टर मैरिज की है। शादी समारोह में कम ही लोग शामिल हुए हैं। शादी की तैयारियां कई दिनों से की जा रही थीं। दोनों की शादी की पहली तस्वीर भी सामने आ गई है।

आमिर ने की रजिस्टर मैरिज

आमिर खान की तीसरी शादी की पहली तस्वीर सामने आई है। इसमें आमिर और गौरी जमीन पर बैठकर रजिस्टर्ड मैरिज करते नजर आ रहे हैं। दोनों के बीच में आमिर की तीसरी पत्नी गौरी का बेटा भी मौजूद है। वहीं आमिर की बाईं तरफ उनका बेटा आजाद नजर आ रहा है। आजाद के पीछे मां जीनत बैठी हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी नजर आ रहे हैं।

शादी में शामिल हुए मेहमान

मिस्टर परफेक्शनिस्ट की शादी में उनके दोस्त इरफान पठान, मुकेश अंबानी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के संस्थापक राज ठाकरे, बेटी आयरा खान, बेटे जुनैद खान और परिवार के लोगों समेत लगभग 150 लोग शामिल हुए हैं। आमिर के घर पर जब मेहमान पहुंच रहे थे, तब बारिश हो रही थी।

कौन हैं गौरी स्प्रैट?

गौरी स्प्रैट प्रोफेशनल हेयर ड्रेसर हैं। वह तलाकशुदा हैं। उनकी पिछली शादी से एक आठ साल का बेटा है। आमिर खान ने 2025 में अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी स्प्रैट से अपने रिश्ते की पुष्टि की थी। आमिर के मुताबिक वह गौरी स्प्रैट को 25 वर्षों से जानते हैं।

किरण राव हैं आमिर की दूसरी पत्नी

आमिर खान की दूसरी शादी किरण राव से हुई थी। दोनों फिल्म 'लगान' के सेट पर मिले थे। इसके बाद दोनों में नजदीकियां बढ़ीं थीं। किरण राव ने अपने परिवार के खिलाफ जाकर 28 दिसंबर 2005 को आमिर खान से शादी की थी। साल 2011 में कपल ने अपने बेटे आजाद खान का स्वागत किया था। साल 2021 में दोनों ने तलाक लिया। अब दोनों साथ मिलकर बेटे की परवरिश करते हैं।

कब हुई आमिर की पहली शादी?

रीना दत्ता आमिर खान की पहली पत्नी थीं। आमिर खान जब 20 साल के थे तब रीना से उनकी मुलाकात हुई थी। दोनों का रिश्ता शुरू हुआ। दोनों शादी करना चाहते थे, मगर घर वाले इसके खिलाफ थे। दोनों ने छिपकर 1986 में कोर्ट मैरिज की। आमिर और रीना ने साल 1993 में जुनैद खान का स्वागत किया। उन्होंने 1997 में आयरा खान का स्वागत किया। परिवार को वक्त ना दे पाने की वजह से 2001 में रीना आमिर को छोड़कर चली गईं। साल 2002 में दोनों का तलाक हुआ।

तलाक के बाद आकांक्षा चमोला का एक और बयान बाइसेक्शुअल होने पर किया बड़ा खुलासा

आकांक्षा चमोला ने हाल ही में 'लॉक अप 2' में गौरव खन्ना के साथ तलाक की बात कही थी। अब उन्होंने खुदको लेकर एक और बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, आकांक्षा चमोला, जो गौरव खन्ना से शादीशुदा हैं, उन्होंने कंफर्म किया कि वह बाइसेक्शुअल हैं और शादी से पहले उनका कुछ लड़कियों के साथ रिश्ता रहा है।

मैं शादी से पहले बाइसेक्शुअल थी

शो के होस्ट रितेश देशमुख और फराह खान से बात करते हुए आकांक्षा ने कहा, 'तो मैं शादी से पहले बाइसेक्शुअल थी। मेरे कुछ लड़कियों के साथ रिश्ते रहे हैं। बहुत ज्यादा इंटिमेट रिलेशन नहीं थे, लेकिन हां, कुछ फीमेल्स के साथ मैं रिश्ते में रही हूं। मुझे लड़कियां पसंद हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं उन्हें एडमायर करती हूं, उनकी तरफ अट्रैक्ट होती हूं। मेरे लिए वो एक सेफ स्पेस हैं। बचपन से मुझे लगता था कि ये दुनिया काफी मेल-डॉमिनेटेड है, और हम हमेशा मां या बहनों की तरफ जाते हैं, जहां हमें एक अलग तरह का सुकून मिलता है। मुझे वो कम्फर्ट बहुत पसंद है।'

मेरे लिए ये शुद्ध प्यार है

आकांक्षा ने कहा, 'मुझे फेमिनिन एनर्जी बहुत पसंद है। मैं उसी में खुद को बेहतर महसूस करती हूं। लोग कहते हैं कि दो लड़कियां कभी अच्छी दोस्त नहीं हो सकतीं, उनके बीच जलन या कॉम्पिटिशन होता है, लेकिन मुझे ऐसा कभी महसूस नहीं हुआ। मेरे लिए सभी महिलाएं खूबसूरत हैं। मेरे लिए ये सिर्फ प्यार है, इसे समाज जो भी नाम दे, मेरे लिए ये शुद्ध प्यार है।'

शो में आकांक्षा की ये बात सुनकर बाकी कंटेस्टेंट्स भी इमोशनल हो गए। होस्ट फराह खान ने उन्हें गले लगाया और उनकी हिम्मत की तारीफ की। इस दौरान आकांक्षा की आंखों में आंसू भी आ गए।

शो में आना है गलती?

उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अब लगने लगा है कि शो में आना शायद उनकी गलती थी, क्योंकि पहले दिन से ही उनके कई राज सामने आ रहे हैं। इससे पहले वह यह भी बता चुकी हैं कि वह और उनके पति गौरव खन्ना अलग हो चुके हैं और तलाक लेने वाले हैं।

कैसे हुई अंजलि आनंद और रितेश देशमुख की पहली मुलाकात? अभिनेत्री ने बताया 'धमाल 4' के सेट का दिलचस्प किस्सा

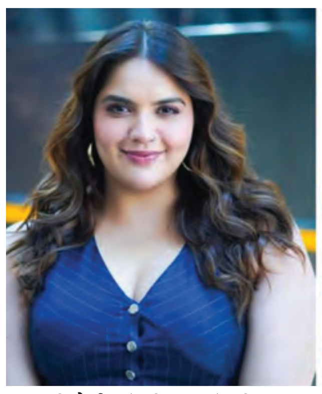

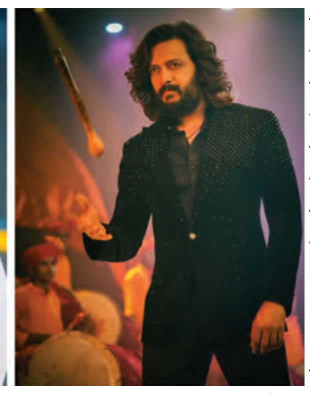

अभिनेत्री अंजलि आनंद फिल्म 'धमाल 4' में नजर आने वाली हैं। अंजलि ने हाल ही में इस फिल्म के सेट से जुड़ी अपनी एक बेहद प्यारी और मजेदार याद साझा की है। उन्होंने बताया कि वह अभिनेता रितेश देशमुख की कितनी बड़ी फैन हैं और कैसे इस वजह से दोनों के बीच तुरंत पक्की दोस्ती हो गई।

पहली मुलाकात और 'हे बेबी' का डायलॉग

अंजलि ने बताया कि जब वह पहली बार 'धमाल 4' के सेट पर रितेश देशमुख से मिलीं, तो उन्होंने अभिनेता को चौंका दिया। अंजलि को रितेश की फिल्मों के कई डायलॉग्स जुबानी याद थे। इसलिए माहौल को और मजेदार बनाने के लिए अंजलि ने रितेश की 2007 में आई सुपरहिट फिल्म 'हे बेबी' का एक मशहूर डायलॉग बोलकर सुनाया।

यह डायलॉग फिल्म के एक हनीमून और डांस सीन से जुड़ा था। रितेश यह देखकर हैरान और खुश हो गए कि अंजलि को उनकी फिल्मों की इतनी बारीक बातें याद हैं। इस बातचीत से सेट का माहौल एकदम खुशनुमा हो गया।

क्यों खास है 'धमाल 4'?

अंजलि के मुताबिक, 'धमाल 4' अपनी पुरानी फिल्मों की तरह ही मजेदार और पागलपन से भरपूर है, लेकिन इस बार इसमें रोमांच का तड़का बहुत बड़ा है। अंजलि ने कहा, 'यह सिर्फ हॉरर या एक्शन कॉमेडी नहीं है, बल्कि 'धमाल' हमारे सिनेमा की इकलौती बेहतरीन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है।'

अंजलि ने यह भी साफ किया कि यह पूरी तरह से एक पारिवारिक फिल्म है। इसमें किसी भी तरह की अश्लील या डबल मीनिंग कॉमेडी नहीं है, इसलिए इसे बच्चे और बड़े सभी साथ बैठकर देख सकते हैं।

कब रिलीज होगी 'धमाल 4'

'धमाल 4' का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद, संजीदा शेख, ईशा गुप्ता और विजय पाटकर जैसे कई कलाकार हैं। यह फिल्म 10 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

'हेरा फेरी 3' के अधिकार सिर्फ हमारे पास, अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस ने जारी किया नोटिस

अक्षय कुमार की 'हेरा फेरी 3' का विवाद सुलटने का नाम नहीं ले रहा है. पहले परेश रावल के फिल्म से जाने और दोबारा आने पर खूब बखेड़ा खड़ा हुआ और अब नया नाम था प्रियदर्शन. हाल ही में डायरेक्टर प्रियदर्शन ने इस फिल्म से खुद को अलग कर लिया है. अब इस बीच अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस ने पब्लिक नोटिस जारी किया है.

अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फिल्स एलएलपी ने हेरा-फेरी 3 फिल्म के लिए खुद को इस फिल्म के प्रोडक्शन और कॉमर्शियल उपयोग के अधिकारों के लिए एक्सक्लूसिव होल्डर बताया है. यह जानकारी फिल्म मैग्जीन कंप्लीट सिनेमा ने अपने लेटेस्ट एडिशन में दी है.

फैन क्लब ने भी शेयर की जानकारी

अक्षय कुमार फैन क्लब की ओर से ही इसकी जाकनरी को पब्लिक किया गया है. इसमें सभी डिस्ट्रीब्यूटर्स, एक्जीबिटर्स, सिनेमा चेन्स, ओटीटी प्लेटफॉर्म, टीवी ब्रॉडकास्टर्स, डिजिटल प्लेटफॉर्म और दूसरे प्लेटफॉर्म को भी चेताया गया है.

क्या कहा गया है नोटिस में

अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि फिल्म 'हेरा फेरी 3' से जुड़े सभी अधिकार सिर्फ उनके पास हैं. यानी फिल्म को बनाना, रिलीज करना, थिएटर या OTT पर दिखाना, टीवी पर प्रसारित करना, प्रमोशन करना, लाइसेंस देना या किसी भी तरह से उसका इस्तेमाल करने का राइट्स उनके प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फिल्म्स LLP के पास है. इस नोटिस के जरिए उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री, OTT प्लेटफॉर्म, टीवी चैनलों, डिजिटल कंपनियों और अन्य सभी संबंधित लोगों को यह जानकारी दी है कि 'हेरा फेरी 3' से जुड़ा कोई भी काम उनकी अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता.

हेरा फेरी फिल्म के बारे में

नोटिस में आगे कहा गया है कि तमाम लोगों को फिल्म पर अपना दावा, बातचीत या डील करने से पहले केप ऑफ गुड फिल्म्स एलएलपी की लिखित अनुमति लेना जरूरी होगा. बता दें हेरा फेरी फिल्म फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2000 में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ हुई थी. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई और हिंदी सिनेमा की बड़ी कॉमेडी फिल्मों में से एक बन गई. 2006 में इसका सीक्वल 'फिर हेरा फेरी' आया था. मगर अब तीसरे पार्ट पर विवाद शांत होने का नाम नहीं ले रहा है.

सुजैन खान ने भाई जायद को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

बॉलीवुड अभिनेता जायद खान आज 46 साल के हो गए हैं। जायद के जन्मदिन पर उनकी बहन सुजैन खान ने अपने छोटे भाई को खास जन्मदिन दिन की शुभकामनाएं दी हैं। सुजैन ने जायद के लिए सोशल मीडिया पर एक प्यारा वीडियो साझा किया और साथ ही मां को याद करते हुए भावुक नोट भी लिखा है।

सुजैन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें जायद के साथ बिताए गए उनके कुछ खूबसूरत और अनमोल पलों को दिखाया है। इस वीडियो में दोनों भाई-बहन एक-दूसरे के साथ बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ सुजैन ने लिखा, 'मेरे छोटे भाई को जन्मदिन मुबारक हो। चलो इस जिंदगी को जितना हो सके उतना बेहतरीन बनाते हैं, क्योंकि मुझे पता है कि हम यह कर सकते हैं।'

जायद को जन्मदिन की बधाई देते हुए सुजैन ने अपनी दिवंगत मां जरीन खान को भी याद किया। उन्होंने लिखा, 'तुम मेरी आंखों के तारे हो। मम्मी आज तुम्हें बहुत कसकर गले लगा रही होंगी और अपना सारा प्यार दे रही होंगी। अपनी बाहें खोलो और उनकी ताकत को अपने भीतर महसूस करो, क्योंकि तुम सबसे मजबूत इंसान हो।'

पिछले साल हुआ था मां का निधन

सुजैन और जायद की मां जरीन खान का निधन पिछले साल 7 नवंबर को 81 वर्ष की उम्र में हुआ था। वह दिग्गज अभिनेता और फिल्म निर्माता संजय खान की पत्नी थीं। जरीन खान के चार बच्चे हैं- सुजैन खान, जायद खान, सिमोन अरोरा और फराह खान अली।

बच्चों ने दिया था प्यारा सरप्राइज

पिछले साल जायद के जन्मदिन पर उनके बेटों, जिदान और आरिज ने उन्हें एक खूबसूरत सरप्राइज दिया था। जब जायद सोफे पर सो रहे थे, तब उनके बच्चों ने 'हैप्पी बर्थडे' गाकर उन्हें जगाया था। जायद ने इस प्यारे पल का वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया था। इसके साथ ही उन्होंने अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों को उनके प्यार और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया था।

फराह खान अली ने बताया अपनी मां की अंतिम इच्छा का सच बोलीं- 'मरने के बाद उनकी अस्थियों को कश्मीर के बहते पानी में विसर्जित किया जाए'

मशहूर अभिनेता संजय खान की बेटी फराह खान अली ने हाल ही में खुलासा किया कि पिछले साल नवंबर में उनकी मां जरीन खान के निधन के बाद, उनके परिवार को काफी ट्रोलिंग और आलोचना का सामना करना पड़ा था। यह आलोचना उनकी मां का अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार करने की वजह से हुई थी।

फराह खान ने बताया कि उनकी मां जरीन खान की आखिरी इच्छा थी कि उनका अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाज से किया जाए। जरीन खान का जन्म एक पारसी परिवार में हुआ था और उन्होंने मुस्लिम अभिनेता संजय खान से शादी की थी।

जरीन खान चाहती थीं कि मरने के बाद उनकी अस्थियों को कश्मीर के बहते पानी में विसर्जित किया जाए। इसी वजह से परिवार ने उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए हिंदू रीति-रिवाजों से उनका अंतिम संस्कार किया।

फराह ने दुख जताते हुए कहा कि मां के अंतिम संस्कार के बाद सोशल मीडिया पर हिंदू और मुस्लिम दोनों ही समुदायों के कुछ लोगों ने उन पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। मुस्लिमों का कहना था, 'वह मुस्लिम थीं, तो आपने उनका अंतिम संस्कार क्यों किया?'। वहीं हिंदुओं का कहना था, 'वह मुस्लिम थीं, तो आप उनका अंतिम संस्कार कैसे कर सकते हैं?'फराह ने आगे कहा, 'यह बहुत दुखद है कि आज लोग निधन के समय भी धर्म के नाम पर एक-दूसरे के इतने खिलाफ हैं। हमारे परिवार में हमेशा सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाया गया है। हालांकि, मैंने इन ट्रोलर्स को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया क्योंकि हमारे पास जिंदगी में सीमित समय है और इसे अपनों के साथ बिताना चाहिए।'

अपनी मां की धर्मनिरपेक्ष सोच को याद करते हुए फराह ने बताया कि जरीन खान की प्रार्थना सभा में पारसी, हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सिख धर्मों के पांच पुजारियों ने मिलकर प्रार्थना की थी। इस प्रार्थना सभा में लगभग 2,000 लोग शामिल हुए थे।

जरीन खान एक जानी-मानी अभिनेत्री थीं। वह अभिनेता संजय खान की पत्नी और ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान की मां थीं। पिछले साल नवंबर में 81 वर्ष की आयु में बढ़ती उम्र की बीमारियों के कारण मुंबई में उनका निधन हो गया था।

'मैं शादी और बच्चे चाहती थी', 52 साल में भी सिंगल हैं मशहूर कोरियोग्रफर गीता

ताउम्र अकेले जिंदगी बिताने की बताई वजह

गीता कपूर मशहूर कोरियोग्राफर हैं जिन्हें आपने टीवी के शोज में बतौर जज देखा होगा. डांस इंडिया डांस के जज के तौर पर पहचान बनाने के बाद वो घर-घर में मशहूर हो गईं. इन दिनों वो इंडियाज बेस्ट डांसर में जज के तौर पर दिख रही हैं.

गीता कपूर ने अपनी जिंदगी के बारे में खुलकर चर्चा की. उन्होंने बताया कि वो 52 साल की उम्र में आखिर क्यों सिंगल है. गीता कपूर ने कहा कि वो शादी करना चाहती थीं, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया.

कोरियोग्राफर कहती हैं कि जिंदगी की शुरुआत में उनके लिए प्यार, मोहब्बत और घर बसाने के लिए समय नहीं था. वो अपने काम पर फोकस कर रही थीं. उनकी जिंदगी में काफी जिम्मेदारियां थी. उन्हें अपना घर बनाना था.

गीता कपूर कहती हैं कि उन्हें अपनी मां को घर दिलाना था. वो काम और करियर पर इतना फोकस कर रही थीं कि उन्होंने कभी भी शादी के बारे में सोचा ही नहीं. पहले काम और मां को घर दिलाने के बाद जब वो शादी के बारे में सोचने लगीं तो उन्हें कोई मिला ही नहीं.

वो कहती हैं कि जब उन्होंने जिंदगी में शादी वगैरह के बारे में सोचा तो कोई मिला ही नहीं. वो कहती हैं कि उन्होंने कई लोगों को डेट किया था, लेकिन किसी भी इंसान के साथ उन्हें ऐसा लगा ही नहीं कि वो किसी के साथ शादी कर घर बसाना चाहती हैं.

उनका कहना है कि वो अपनी जिंदगी में महादेव जैसा पति चाहती हैं. उनका मानना है कि अब महादेव धरती पर तो मिलेंगे नहीं, उन्हें इसके लिए पर्वत पर जाना होगा. ऐसे में महादेव धरती पर मिलने से रहे और इसलिए उन्होंने शादी की उम्मीद छोड़ दी. अपने बच्चे न होने के बारे में गीता कपूर कहती हैं कि टीवी पर लोगों ने उन्हें मां का टाइटल दिया है. उनके अपने बच्चे भले ही न हों, लेकिन अब वो अपने स्टूडेंट्स की मां हैं. उन्होंने अपने सारे बच्चों को गोद ले रखा है. वो जगत माता बन चुकी हैं.

गीता कपूर 52 की उम्र में भी अकेले ही जिंदगी बिता रही हैं. उन्होंने अपने डांस से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है. अपने डांस के साथ ही गीता कपूर ने अपने व्यवहार से भी लोगों के बीच पहचान बनाई है.

रूह कांप जाए इतना सच दिखाती है फिल्म

दिलजीत ने जीता दिल, 'धुरंधर' वाले सुविंदर ने डराया

मूवी : सतलुज

कलाकार : दिलजीत दोसांझ , अर्जुन रामपाल , सुविंदर विक्की , कंवलजीत सिंह , वरुण बडोला और जगजीत संधू

कुछ फिल्में आपको चौंकाती हैं, कुछ फिल्में आपको डराती हैं और कुछ फिल्में आपको झकझोर कर रख देती हैं। दिलजीत दोसांझ की नई फिल्म 'सतलुज' डराती भी है, चौंकाती भी है और झकझोरती भी है। इस फिल्म को देखने के बाद यह साफ हो जाता कि इसे कई वर्षों तक सिनेमाघरों में रिलीज करने की परमिशन क्यों नहीं मिली। शायद यह फिल्म हद से ज्यादा सच दिखाती है और इसी वजह से मेकर्स को इसे ओटीटी पर रिलीज करना पड़ा। यकीन मानिए 'सतलुज' एक एक ऐसी फिल्म है, जिसे नहीं देखा तो आप कई बातों से अज्ञान रह जाएंगे।

कहानी

कहानी 1995 के दौर के पंजाब पर आधारित है। फिल्म में दिखाया है कि उस दौर में पंजाब पुलिस प्रमोशन के लालच में आम और बेकसूर लोगों को मिलिटेंट बनाकर मार देती थी। इसी बीच जसवंत सिंह नाम का एक शख्स अपनी एक रिश्तेदार को ढूंढने निकलता है। पड़ताल में उसे पता चलता है कि महज चार जिलों में 6000 ऐसे लोग हैं जिनका पुलिस ने पहले एनकाउंटर किया और फिर उनका परिवार होने के बावजूद लावारिस लाश बताकर अंतिम संस्कार तक कर दिया।

जसवंत उन सभी परिवारों की तरफ से पुलिस के खिलाफ कोर्ट केस लड़ता है। इसी बीच एक दिन अचानक खुद जसवंत ही गायब हो जाता है। पुलिस उसे महीनों तक नहीं ढूंढ पाती। जसवंत के साथ क्या हुआ? वह कहां और किस हालत में है? जिन परिवारों के लिए वह लड़ाई लड़ रहा था क्या उनको इंसाफ मिलेगा? यह सब जानने और पंजाब के इतिहास का एक काला सच जानने के लिए आप फिल्म देख सकते हैं।

अभिनय

आखरी बार जब 'अमर सिंह चमकीला' में दिलजीत दोसांझ का अभिनय देखा था तो सोचा था कि वह इससे बेहतर क्या ही करेंगे? पर शायद दिलजीत वो अभिनेता हैं जो अपनी हर फिल्म के साथ आपको चौंकाने की ताकत रखते हैं। इस फिल्म में उनकी मासूमियत आपका दिल जीत लेगी और और क्लाइमैक्स सीन देखकर आपका दिल ही टूट जाएगा। अर्जुन रामपाल की फिल्में काफी देरी से एंट्री होती है पर वो मंझे हुए कलाकार हैं और अपना काम बेहतरीन तरीके से करना जानते हैं। फिल्म 'धुरंधर' में मेजर इकबाल बने अर्जुन रामपाल के पिता का रोल निभाने वाले सुविंदर विक्की इससे पहले नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' में भी एस आई बालवीर सिंह का किरदार निभा चुके हैं। इस फिल्म में उन्होंने पुलिस ऑफिसर एसएस सुग्गा का किरदार निभाया। सुविंदर ही इस फिल्म का सबसे बड़ा इक्का हैं। एक कलाकार जब कोई नेगेटिव रोल ऐसे निभाए की आपको उस किरदार से नफरत करवा दे, यही उसकी सबसे बड़ी जीत है। इसके अलावा फिल्में कंवलजीत सिंह, वरुण बडोला और जगजीत संधू जैसे कलाकारों ने भी बढ़िया काम किया है। फिल्म का कोई भी कलाकार अपने काम से भटकता नहीं है।

निर्देशन

पंजाब का माहौल, लोगों में पुलिस का खौफ और पुलिस की क्रूरता; सब कुछ निर्देशक हनी त्रेहान ने इस तरह दिखाया कि फिल्म के अंत तक आप रो ही पढ़ते हैं। हनी ने इस फिल्म में सस्पेंस भी रखा है, इमोशन भी रखा है और दोनों को सच्चाई के साथ लपेटकर पेश कर दिया। कहानी अच्छी लिखी हुई है और उस पर अभिनेताओं ने भी भरपूर साथ दिया है। एक दो जगह फिल्म थोड़ी सी लंबी महसूस होती है पर बाद में समझ आता है कि ये कहानी की मांग थी। कुछ इंटेरोगेशन सीन ऐसे हैं जिनमें आपके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। क्लाइमैक्स सीन इतना इमोशनल है कि ना चाहते हुए भी आपकी आंखों से आंसू निकल आते हैं।

देखें या नहीं

यह फिल्म सिर्फ पंजाब या एक शख्स की कहानी नहीं कहती, बल्कि इंसानियत की कहानी कहती है। हिंदुस्तान के हर शख्स को इसे एक बार जरूर देखना चाहिए। उसे बहुत दर्द महसूस करना चाहिए जो एक वक्त में पंजाब और वहां के मासूम लोगों ने महसूस किया था।

सिर्फ डिग्री मिलने से कोई कोर्ट में केस नहीं लड़ सकता, समझें लॉयर और एडवोकेट का फर्क

कोई कानूनी मामला आने पर या फिल्मों में कोर्ट-कचहरी का सीन देखने पर हमारे मुंह से अक्सर निकलता है- वकील साहब. आम बोलचाल में हम वकील, लॉयर और एडवोकेट शब्दों का इस्तेमाल इस तरह करते हैं मानो ये सब एक ही हों. लेकिन कानून की दुनिया में इन दोनों शब्दों के बीच जमीन-आसमान का अंतर होता है. अगर आप किसी लॉ के स्टूडेंट से पूछेंगे तो वो आपको बताएगा कि हर एडवोकेट लॉयर होता है, लेकिन हर लॉयर एडवोकेट नहीं हो सकता.

सुनने में यह बात थोड़ी पहेली जैसी लगती है ना? लेकिन है सच. बहुत लोग अपनी पूरी जिंदगी कोर्ट के चक्कर काटते हुए बिता देते हैं. लेकिन उन्हें यह नहीं पता होता कि जिस व्यक्ति से वो सलाह ले रहे हैं, क्या उसके पास अदालत में खड़े होकर जज के सामने दलील देने का कानूनी हक है भी या नहीं. इस साल अगर आप भी लॉ कॉलेज में एडमिशन लेने की सोच रहे हैं या सिर्फ अपनी जनरल नॉलेज बढ़ाना चाहते हैं तो समझिए लॉयर और एडवोकेट के बीच का असली अंतर.

लॉयर कौन होता है?

लॉयर वह व्यक्ति होता है जिसने कानून की पढ़ाई की है और जिसके पास लॉ की डिग्री (LLB) है. जैसे ही आप किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज से 3 साल या 5 साल का लॉ कोर्स पूरा कर लेते हैं, आप कानूनी तौर पर 'लॉयर' बन जाते हैं. अब ट्विस्ट यह है कि लॉयर के पास कानून की पूरी जानकारी तो होती है, वह कानूनी सलाह भी दे सकता है, कानूनी दस्तावेज भी तैयार कर सकता है, लेकिन वह कोर्ट में जाकर आपके लिए केस नहीं लड़ सकता. जज के सामने खड़े होकर बहस करने का अधिकार लॉयर के पास नहीं होता है.

एडवोकेट कौन होता है?

एडवोकेट को हिंदी में 'अधिवक्ता' कहते हैं, जिसका मतलब है- दूसरों के पक्ष में बोलने वाला. जब एक लॉयर अपनी डिग्री पूरी करने के बाद 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' (BCI) में खुद को रजिस्टर करवाता है और 'ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन' (AIBE) पास कर लेता है, तब उसे कोर्ट में प्रैक्टिस करने का लाइसेंस मिलता है. लाइसेंस मिलते ही वह लॉयर से एडवोकेट बन जाता है. अब उसके पास यह पावर आ जाती है कि वह किसी भी कोर्ट में अपने क्लाइंट का पक्ष रख सके और उसके हक के लिए जज के सामने दलीलें दे सके.

लॉयर और एडवोकेट के काम और पावर में क्या अंतर है?

लॉयर का काम ज्यादातर डेस्क वर्क या लीगल एडवाइजरी तक सीमित होता है. वे बड़ी-बड़ी कंपनियों के लिए कॉन्ट्रैक्ट ड्राफ्ट करते हैं, कानूनी बारीकियां समझाते हैं और बैक-एंड पर काम करते हैं. इसके विपरीत, एडवोकेट कोर्ट रूम का असली खिलाड़ी होता है. उसका मुख्य काम अदालत में केस को रिप्रेजेंट करना, गवाहों से जिरह करना और अपने मुवक्किल यानी क्लाइंट को न्याय दिलाना होता है.

बैरिस्टर और सॉलिसिटर क्या होते हैं?

अगर कोई व्यक्ति कानून की डिग्री भारत से नहीं बल्कि इंग्लैंड (UK) से लेकर आता है तो उसे 'बैरिस्टर' कहा जाता है (जैसे महात्मा गांधी बैरिस्टर थे). वहीं, 'सॉलिसिटर' वह होता है जो कोर्ट के बाहर कानूनी मामलों की तैयारी करता है और एडवोकेट्स की मदद करता है. अगली बार जब आप किसी 'वकील साहब' से मिलें तो समझ जाइएगा कि डिग्री होना एक बात है और कोर्ट में केस लड़ने का लाइसेंस होना दूसरी बात!

घर बैठे बिल्कुल फ्री में सीखें एआई, पायथन और साइबर सिक्योरिटी, फीस में नहीं लगेगा 1 भी रुपया

आज का दौर टेक्नोलॉजी का है. हर दिन कुछ न कुछ अपडेट आ रहा है. जो स्टूडेंट्स समय के साथ खुद को अपग्रेड नहीं करते, वे रेस में पीछे छूट जाते हैं. इसीलिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने स्कूली स्टूडेंट्स के लिए बेहद शानदार कदम उठाया है. सीबीएसई ने कक्षा 8वीं से 12वीं तक के स्टूडेंट्स को मॉडर्न टेक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए 19 ऑनलाइन कोर्स लॉन्च किए हैं. इन कोर्सेस के लिए जेब से एक भी रुपया खर्च नहीं करना पड़ेगा- ये बिल्कुल मुफ्त हैं.

आमतौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पायथन प्रोग्रामिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे एडवांस सब्जेक्ट्स सीखने के लिए हजारों रुपये की फीस भरनी पड़ती है. लेकिन अब सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों के छात्र घर बैठे ही ये हाई-टेक विषय पढ़ सकते हैं. बोर्ड ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे इस बेहतरीन पहल की जानकारी बच्चों और उनके माता-पिता तक पहुंचाएं. इन कोर्सेस को ऐसे डिजाइन किया गया है कि ये बच्चों की रेगुलर पढ़ाई को डिस्टर्ब किए बिना उनकी डिजिटल स्किल्स को मजबूत करेंगे.

सीबीएसई के फ्री कोर्स कहां मिलेंगे?

सीबीएसई ने ये कोर्सेस उपलब्ध कराने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (NIELIT) के साथ हाथ मिलाया है. सभी 19 कोर्स NIELIT के डिजिटल यूनिवर्सिटी प्लेटफॉर्म पर होस्ट किए जा रहे हैं. सीबीएसई बोर्ड का मकसद है कि जब स्टूडेंट्स स्कूल से पासआउट होकर कॉलेज या प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखें तो उन्हें एआई, डेटा या कोडिंग नई चीजें न लगें. वे पहले से ही इन एडवांस तकनीकों में माहिर हों, जिससे उन्हें करियर में दूसरों के मुकाबले ज्यादा फायदा मिल सके.

सीबीएसई के 19 फ्री कोर्सेस

टाइमिंग की कोई टेंशन नहीं, अपनी मर्जी से करें पढ़ाई

इस पहल की सबसे खूबसूरत बात है कि यह फ्लेक्सिबल है. स्टूडेंट्स को किसी तय समय पर कंप्यूटर के सामने बैठने की पाबंदी नहीं होगी. वे अपनी सुविधा के अनुसार जब चाहें, घर बैठे लॉग-इन करके पढ़ सकते हैं. सीबीएसई के फ्री कोर्स की अवधि भी उनके टॉपिक के हिसाब से अलग-अलग है. कुछ बेसिक कोर्स महज 1.5 घंटे के हैं, जिन्हें 1 ही दिन में खत्म किया जा सकता है. जो स्टूडेंट्स गहराई से कोडिंग या वेब डिजाइनिंग सीखना चाहते हैं, उनके लिए 100 घंटे से भी ज्यादा के लंबे और डिटेल्ड कोर्स मौजूद हैं.

सीबीएसई के फ्री कोर्स में एडमिशन कैसे लें?

जो भी स्टूडेंट्स इस सुनहरे मौके का फायदा उठाना चाहते हैं, उन्हें कहीं भटकने की जरूरत नहीं है.

स्टूडेंट्स को 'NIELIT Digital University' के ऑफिशियल वेब पोर्टल पर जाना होगा.

वहां सीबीएसई के फ्री कोर्स की लिस्ट दिखाई देगी.

अपनी पसंद और रुचि के हिसाब से कोर्स चुनें.

इसके बाद बिना कोई फीस दिए, बिल्कुल मुफ्त में रजिस्ट्रेशन पूरा कर सकते हैं.

आज के समय में सेमीकंडक्टर डिजाइन, क्लाउड कंप्यूटिंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे सेक्टर्स में नौकरियों की बाढ़ आने वाली है. सीबीएसई की यह कोशिश स्कूली बच्चों को 'स्मार्ट और टेक-सैवी' लीडर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है.

पीओ के 1500 पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि नजदीक

भारतीय स्टेट बैंक इस वर्ष 1,500 प्रोबेशनरी ऑफिसर पदों पर भर्ती करने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार 8 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। देश के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए इस साल 1,500 प्रोबेशनरी ऑफिसर्स की भर्ती करने की योजना बनाई है।

SBI ने भर्ती के लिए जारी नोटिस में बताया कि कुल पदों में से 1,446 रेगुलर वैकेंसी हैं और बाकी 54 बैकलॉग वैकेंसी हैं। आवेदन करने की आखिरी तारीख 8 जुलाई है और बैंक को उम्मीद है कि पूरी प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी हो जाएगी।

पीओ के लिए क्या है योग्यता?

योग्यता के नियमों के अनुसार, आवेदक के पास किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए और 1 अप्रैल, 2026 तक उसकी उम्र कम से कम 21 साल होनी चाहिए।

इसके अलावा, SBI बैंकिंग के बदलते और कई क्षेत्रों से जुड़े स्वरूप को देखते हुए अलग-अलग बैकग्राउंड वाले प्रोफेशनल्स को भी लेटरल रिक्रूटमेंट के जरिए नियुक्त करता है। इनमें IT प्रोफेशनल्स और डोमेन एक्सपर्ट्स शामिल हैं, जिन्हें डेटा सेंटर, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, रिस्क मैनेजमेंट, लीगल, ट्रेजरी, कंप्लायंस और डेटा एनालिटिक्स जैसे अहम कामों के लिए स्पेशलिस्ट ऑफिसर के तौर पर नियुक्त किया जाता है।

2025-26 में SBI ने 25 हजार से अधिक लोगों को दी नौकरी

पिछले फाइनेंशियल ईयर में SBI ने भारतीय खेलों को बढ़ावा देने और अनुशासित व बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले लोगों की टीम बनाने के लिए 67 खिलाड़ियों को नौकरी पर रखा था।

बैंक की ताजा सालाना रिपोर्ट के अनुसार, SBI ने 2025-26 में कुल मिलाकर 4,640 ऑफिसर्स, 19,340 एसोसिएट्स और 1,653 कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों को नियुक्त किया।

सालाना रिपोर्ट में कहा गया है कि SBI ने लगातार 1 प्रतिशत से कम (2025-26 में लगभग 0.97 प्रतिशत) का सालाना एट्रिशन रेट (कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर) बनाए रखा है, जो इंडस्ट्री में सबसे कम में से एक है। यह कर्मचारियों की मजबूत प्रतिबद्धता, स्थिरता और लोगों पर केंद्रित नीतियों की प्रभावशीलता को दिखाता है।

भर्ती पर 75.87 करोड़ रुपये खर्च

2025-26 में भर्ती पर कुल खर्च 75.87 करोड़ रुपये था और कुल 25,633 लोगों को नौकरी पर रखा गया (जिसमें रिटायर हो चुके अधिकारी भी शामिल हैं)। इस तरह, प्रति वैकेंसी खर्च 29,597 रुपये रहा, जबकि FY25 में यह 40,441 रुपये था। देश की कुल वर्कफोर्स में महिलाओं की हिस्सेदारी 28.54 प्रतिशत है। इसमें से 24 प्रतिशत महिलाएं मैनेजर लेवल (जूनियर, मिडिल और सीनियर मैनेजमेंट में असिस्टेंट जनरल मैनेजर ग्रेड तक के अधिकारी) पर और 8.55 प्रतिशत सीनियर लीडरशिप (टॉप एग्जीक्यूटिव ग्रेड) में हैं। 2,45,000 से ज्यादा लोगों की वर्कफोर्स के साथ, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया बैंकिंग सेक्टर में सबसे बड़ी रिक्रूटर बनी हुई है।

नर्सरी में एडमिशन से पहले बच्चे को जरूर सिखाएं ये चीजें, आसान होगी स्कूल लाइफ

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा स्कूल के पहले दिन आत्मविश्वास के साथ क्लास में जाए और नई चीजें आसानी से सीखे. लेकिन नर्सरी में एडमिशन से पहले बच्चे को बहुत ज्यादा पढ़ाने की जरूरत नहीं होती. बस कुछ छोटी-छोटी बातें और बेसिक जानकारी सिखा दी जाए, तो बच्चा स्कूल के माहौल में जल्दी घुल-मिल जाता है. इससे उसकी पढ़ाई भी आसान होती है और उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है.

सबसे पहले अपनी पहचान बताना सीखाएं

नर्सरी में जाने वाले बच्चे को सबसे पहले अपनी पहचान बताना आना चाहिए. उसे अपना नाम, माता-पिता का नाम, घर का पता, स्कूल का नाम और उम्र बताना सिखाएं. साथ ही "गुड मार्निंग", "थैन्कयू, "सॉरी" और "प्लीज" जैसे सामान्य शब्दों का इस्तेमाल करना भी सिखाएं. इससे बच्चा दूसरों से आसानी से बात कर पाएगा.

ए टू जेड और क, ख, ग की शुरुआती पहचान कराएं

बच्चे को इंग्लिश के ए टू जेड और हिंदी के क, ख, ग की पहचान कराएं. जरूरी नहीं कि वह सब कुछ लिखना सीख जाए, लेकिन अक्षरों को पहचानना और बोलना आना चाहिए. इससे स्कूल में नई चीजें सीखना उसके लिए आसान होगा.

नर्सरी में बच्चों से छोटी-छोटी गिनती पूछी जाती है. इसलिए बच्चे को 1 से 20 तक हिंदी और इंग्लिश में गिनती सिखाएं. साथ ही बड़ा-छोटा, ऊपर-नीचे, आगे-पीछे, ज्यादा-कम और रंगों की पहचान जैसी बेसिक बातें भी जरूर सिखाएं.

स्कूल में अक्सर बच्चों से फलों और सब्जियों के नाम पूछे जाते हैं. इसलिए बच्चे को आम , सेब , केला , अंगूर , संतरा , अनार जैसे फलों के नाम सिखाएं. इसके साथ ही आलू, टमाटर, प्याज , गाजर पालक , फूलगोभी और बैंगन जैसी सब्जियों के नाम भी याद कराएं. अगर संभव हो तो उन्हें असली फल और सब्जियां दिखाकर पहचान कराएं.

शरीर के अंगों की पहचान जरूर कराएं

बच्चे को अपने शरीर के अंगों के नाम पता होने चाहिए. जैसे सिर, आंखें, कान, नाक, मुंह, दांत, हाथ, उंगलियां),पैर, पैर के पंजे और पेट. इससे बच्चे की समझ और भाषा दोनों बेहतर होती हैं.

कलर, शेप्स और एनिमल की जानकारी दें

बच्चे को लाल, नीला, पीला, हरा, काला और सफेद जैसे रंगों की पहचान कराएं. इसके साथ शेप की पहचान करना भी सिखाएं. वहीं जानवरों के नाम भी याद कराएं. इससे बच्चे की जनरल नॉलेज बढ़ती है.

नर्सरी से पहले बच्चे को कुछ सामान्य पक्षियों के नाम बताएं. साथ ही फूलों की पहचान कराएं. इसके अलावा, सप्ताह के सात दिन और साल के 12 महीने भी धीरे-धीरे सिखाना शुरू करें.

छोटे बच्चों को कविताएं और कहानियां बहुत पसंद आती हैं. रोज कुछ मिनट बच्चों को हिंदी और इंग्लिश की छोटी-छोटी कविताएं सुनाएं. साथ ही नैतिक शिक्षा

वाली छोटी कहानियां भी सुनाएं. इससे उनकी भाषा, याददाश्त और बोलने का आत्मविश्वास बढ़ता है.

खुद से छोटे-छोटे काम करना भी सिखाएं

स्कूल में बच्चा हर समय माता-पिता के साथ नहीं रहेगा. इसलिए उसे अपना बैग संभालना, पानी की बोतल खोलना, टिफिन खोलना-बंद करना, जूते पहनना, हाथ धोना और खिलौनों को सही जगह रखना जैसी छोटी-छोटी आदतें भी सिखाएं. इससे बच्चा स्कूल में ज्यादा सहज महसूस करेगा.

शेयर करना और अनुशासन भी है जरूरी

बच्चे को दूसरों के साथ खिलौने शेयर करना, अपनी बारी का इंतजार करना, टीचर की बात ध्यान से सुनना और दोस्तों से प्यार से बात करना सिखाएं. ये आदतें उसे स्कूल में जल्दी घुलने-मिलने में मदद करेंगी.

पढ़ाई को खेल की तरह बनाएं

बच्चों पर पढ़ाई का दबाव बनाने की बजाय उन्हें खेल-खेल में नई चीजें सिखाएं. तस्वीरों वाली किताबें, फ्लैश कार्ड, रंग-बिरंगे चार्ट और छोटे-छोटे गेम्स के जरिए सीखने में उनकी रुचि बढ़ती है. याद रखें, नर्सरी में एडमिशन से पहले बच्चे का सब कुछ याद होना जरूरी नहीं है. सबसे जरूरी है कि वह सीखने के लिए उत्साहित हो, आत्मविश्वासी हो और स्कूल जाने से डरे नहीं. यही अच्छी शुरुआत आगे चलकर उसकी पढ़ाई और व्यक्तित्व विकास की मजबूत नींव बनती है.

बिहार में निकली सब-इंस्पेक्टर की भर्ती ग्रेजुएट्स के लिए मौका; कितनी हाइट जरूरी?

बिहार पुलिस अधीनस्थ सेवा आयोग (BPSSC) ने गृह विभाग (पुलिस शाखा) के तहत सब-इंस्पेक्टर (SI) के 150 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इच्छुक उम्मीदवार 9 जुलाई 2026 से 9 अगस्त, तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इस भर्ती में चयन प्रक्रिया में प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) शामिल होगी। सभी श्रेणियों के लिए आवेदन शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है। उम्मीदवारों की आयु और योग्यता की गणना 1 अगस्त 2025 के आधार पर की जाएगी।

क्या है आयु सीमा के नियम?

पुलिस सब-इंस्पेक्टर (सामान्य बंद कैडर) पद के लिए उम्मीदवार के पास 01-08-2025 तक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (Graduation) डिग्री या समकक्ष योग्यता होना जरूरी है। इस योग्यता के बिना आवेदन मान्य नहीं होगा।

आयु सीमा की गणना 01-08-2025 को आधार मानकर की जाएगी। उम्मीदवार की जन्म तिथि मैट्रिकुलेशन या समकक्ष प्रमाण पत्र के अनुसार मानी जाएगी। इसके आधार पर ही उनकी न्यूनतम और अधिकतम आयु तय की जाएगी।

कितनी होनी चाहिए हाइट?

पुलिस सब-इंस्पेक्टर पद के लिए शारीरिक मानकों के अनुसार, अनारक्षित और पिछड़ा वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों की न्यूनतम ऊंचाई 165 सेमी होनी चाहिए, जबकि अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के पुरुषों के लिए न्यूनतम ऊंचाई 160 सेमी निर्धारित है। पुरुष उम्मीदवारों के लिए छाती का माप बिना फुलाए 81 सेमी और फुलाने पर 86 सेमी (सामान्य/पिछड़ा वर्ग) तथा 79 सेमी और 84 सेमी (आरक्षित वर्ग) होना चाहिए। सभी श्रेणियों की महिला उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम ऊंचाई 155 सेमी तय की गई है और उनके लिए छाती का माप लागू नहीं होता।

कैसे होगा चयन?

पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती में चयन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में प्रारंभिक परीक्षा होगी, जिसमें 200 अंकों के वस्तुनिष्ठ और बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके बाद प्रारंभिक परीक्षा में सफल उम्मीदवार मुख्य परीक्षा में शामिल होंगे, जिसमें दो प्रश्नपत्र होंगे। अंतिम चरण में शारीरिक दक्षता परीक्षण (PET) लिया जाएगा, जिसमें उम्मीदवार की शारीरिक क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा।

कोडिंग और प्रोग्रामिंग में क्या अंतर है? टेक की दुनिया में एंट्री से पहले समझें

डिजिटल दौर में ऐप, वेबसाइट या सॉफ्टवेयर की बात करने पर 2 शब्द अक्सर सुनने को मिलते हैं- कोडिंग और प्रोग्रामिंग. स्कूली बच्चों से लेकर बड़ी-बड़ी कंपनियों में काम करने वाले युवाओं तक, हर कोई इन शब्दों का इस्तेमाल धड़ल्ले से करता है. ज्यादातर लोग इन दोनों को एक ही समझ लेते हैं. उन्हें लगता है कि कंप्यूटर पर रंग-बिरंगे शब्द लिखना ही कोडिंग है और यही प्रोग्रामिंग भी है. अगर आप टेक की दुनिया में कदम रख रहे हैं तो इनके बीच का अंतर पता होना चाहिए.

कोडिंग और प्रोग्रामिंग के बीच बहुत बारीक अंतर होता है. इसे ऐसे समझ सकते हैं कि हर प्रोग्रामर कोडर जरूर होता है, लेकिन हर कोडर प्रोग्रामर हो, यह जरूरी नहीं है. इंटरनेट पर मिलने वाली किताबी परिभाषाएं इस अंतर को इतना कठिन बना देती हैं कि आम इंसान का सिर चकरा जाए. जनरल नॉलेज के लिए बहुत ही सीधे और आसान उदाहरणों से समझिए, आखिर कोडिंग और प्रोग्रामिंग में क्या फर्क है और सॉफ्टवेयर बनाने में इन दोनों का क्या रोल होता है.

कोडिंग और प्रोग्रामिंग में क्या अंतर है?

कोडिंग और प्रोग्रामिंग को एक ही मानना बड़ी भूल है. दोनों में कई बेसिक अंतर हैं. इन्हें समझकर ही टेक दुनिया में कदम रखना चाहिए.

कोडिंग क्या है? कोडर क्या करते हैं?

कोडिंग का मतलब है- एक भाषा को दूसरी भाषा में बदलना. कंप्यूटर हिंदी या अंग्रेजी भाषा नहीं समझता, वह सिर्फ बाइनरी भाषा (0 और 1) समझता है. इंसानों के लिए 0 और 1 में बात करना नामुमकिन है. इसलिए हम जावा (Java), पायथन (Python) या C++ जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं का इस्तेमाल करते हैं. कोडर का काम है कि वह हमारे निर्देशों को इन भाषाओं के कोड में लिख दे, जिससे कंप्यूटर समझ सके कि उसे क्या करना है. इसे 'ट्रांसलेटर' (अनुवादक) की तरह देख सकते हैं, जो इंसानी बात को कंप्यूटर की भाषा में बदलता है.

प्रोग्रामिंग क्या है? प्रोग्रामर क्या करते हैं?

प्रोग्रामिंग बहुत बड़ा और व्यापक शब्द है. कोडिंग तो इसका सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है. प्रोग्रामिंग का मतलब सिर्फ कोड लिखना नहीं है, बल्कि किसी समस्या को समझने से लेकर उसका पूरा सॉल्यूशन तैयार करने तक का सफर है. प्रोग्रामर का काम ऐप का पूरा ढांचा तैयार करना, यह सोचना कि ऐप कैसे काम करेगा, उसमें क्या गड़बड़ियां आ सकती हैं, उन्हें कैसे ठीक करना है और ऐप को यूजर के लिए आसान कैसे बनाना है- यह सब प्रोग्रामिंग के तहत आता है.

उदाहरण से समझिए कोडिंग और प्रोग्रामिंग का अंतर

कोडिंग और प्रोग्रामिंग के बीच का अंतर समझने के लिए एक बढ़िया उदाहरण लेते हैं, मान लीजिए आपको घर बनाना है.

कोडिंग: दीवार खड़ी करने के लिए एक-एक ईंट को सीमेंट के साथ जोड़ना 'कोडिंग' है. यह काम तय निर्देशों के तहत होता है.

प्रोग्रामिंग: घर का नक्शा कैसा होगा, नींव कितनी गहरी होगी, बजट कितना लगेगा, बिजली-पानी की फिटिंग कहां होगी और पूरा घर बनने के बाद कैसा दिखेगा- यह प्लानिंग और मैनेजमेंट 'प्रोग्रामिंग' है.

अगर आप इस फील्ड में नए हैं तो शुरुआत कोडिंग से ही होती है. आपको कोई एक भाषा सीखनी पड़ेगी. लेकिन अच्छा पैकेज पाने के लिए 'लॉजिकल दिमाग' का इस्तेमाल करके प्रोग्रामर बनना होगा.

यूपी के कई जिलों में निकली 2500+ पदों पर आंगनवाड़ी की भर्ती, 12वीं पास महिलाएं भरें फॉर्म

उत्तर प्रदेश में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बनने की इच्छुक महिलाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। राज्य के बागपत, मेरठ, आगरा सहित कई जिलों में 2500 से अधिक आंगनवाड़ी वर्कर पदों पर वैकेंसी निकली है। इच्छुक महिला उम्मीदवार जिले द्वारा निर्धारित तिथियों के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। आवेदन फॉर्म ऑफिशियल वेबसाइट upanganwadib-harti.in पर भरा जा सकता है। ध्यान दें कि इस भर्ती के लिए केवल महिला अभ्यर्थी ही पात्र हैं, पुरुष उम्मीदवार आवेदन नहीं कर सकते।

कितने पदों पर होगी भर्ती? कुल रिक्तियां: 2,827 पद

कौन कर सकता है आवेदन?

यूपी आंगनवाड़ी वर्कर भर्ती में आवेदन करने के लिए केवल महिला उम्मीदवार पात्र हैं। इसके साथ ही, अभ्यर्थी का उस जिले का निवासी होना अनिवार्य है, जहां से वह भर्ती के लिए आवेदन कर रही हैं। उम्मीदवार का शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए, और परास्नातक स्तर तक की योग्यता स्वीकार्य है।

आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 35 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा, आरक्षित श्रेणी से संबंधित महिला उम्मीदवारों को सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार आयु सीमा और अन्य मापदंडों में छूट प्रदान की गई है।

इस तरह से करें आवेदन

सबसे पहले संबंधित जिले या उत्तर प्रदेश सरकार की आधिकारिक आंगनवाड़ी भर्ती पोर्टल पर जाएं।

यदि आप पहली बार आवेदन कर रही हैं, तो New Registration या Sign Up विकल्प पर क्लिक करके अपना नाम, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर और ईमेल दर्ज कर रजिस्ट्रेशन करें।

रजिस्ट्रेशन के बाद प्राप्त यूज़र आईडी और पासवर्ड से पोर्टल पर लॉगिन करें। आवश्यक व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यता, और संपर्क विवरण सही-सही भरें। यह सुनिश्चित करें कि सभी विवरण सही और सत्यापित हों।

आवेदन फॉर्म के साथ आवश्यक दस्तावेज जैसे पहचान पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, और जाति प्रमाण पत्र अपलोड करें। निर्धारित आवेदन शुल्क (यदि लागू हो) ऑनलाइन माध्यम से जमा करें।

रिलायंस इंडस्ट्रीज को 19000 करोड़ का नुकसान

फिर भी टॉप पर बरकरार मुकेश अंबानी की कंपनी

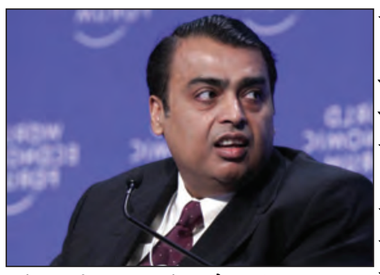

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में पिछले हफ्ते निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इसके चलते बाजार में तेजी आई। इस तेजी के कारण देश की टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 6 की संयुक्त मार्केट वैल्यूएशन (बाजार पूंजीकरण) 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गई। इस तेजी की अगुवाई टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल ने की। वहीं मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को बड़ा नुकसान हुआ। पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार के मुख्य सूचकांकों में बढ़त का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान बीएसई का सूचकांक सेंसेक्स 663.44 अंक (0.86 प्रतिशत) मजबूत हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 214.85 अंक (0.89 प्रतिशत) बढ़ा।

इन 6 कंपनियों ने कमाया मुनाफा

टेलीकॉम सेक्टर की कंपनी भारती एयरटेल को सबसे बड़ा फायदा हुआ। एयरटेल का मार्केट कैप 36,529.21 करोड़ रुपये बढ़कर 11,63,877.30 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बजाज फाइनेंस के वैल्यूएशन में 33,059.83 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ, जिससे इसकी कुल बाजार हैसियत 6,43,141.36 करोड़ रुपये हो गई। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 16,084.29 करोड़ रुपये बढ़कर 10,11,695.03 करोड़ रुपये हो गया। सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने अपने वैल्यूएशन में 8,601.99 करोड़ रुपये जोड़े। अब इसका कुल मार्केट कैप 5,44,139.55 करोड़ रुपये है। देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 7,664.89 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 12,33,646.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एफएमसीजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर ने अपने वैल्यूएशन में 6,461.38 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की, जिससे इसका मार्केट कैप 5,17,086.30 करोड़ रुपये हो गया।

इन 4 कंपनियों को हुआ नुकसान

इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टुब्रो को सबसे तगड़ा झटका लगा। इसका वैल्यूएशन 26,572.20 करोड़ रुपये घटकर 5,53,978.63 करोड़ रुपये रह गया। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप भी 18,945.56 करोड़ रुपये कम होकर 17,64,981.36 करोड़ रुपये पर आ गया। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 4,846.08 करोड़ रुपये गंवाए और इसका कुल वैल्यूएशन 9,59,891.92 करोड़ रुपये रहा। आईटी सेक्टर की दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के मार्केट कैप में 1,031.15 करोड़ रुपये की मामूली कमी आई, जिसके बाद यह 7,57,175.27 करोड़ रुपये रह गया।

गौतम अडानी पर लगे आपराधिक आरोप क्यों हटाए गए?

न्याय विभाग ने कहा किसी निवेशक को कोई नुकसान नहीं हुआ था

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी न्याय विभाग ने अमेरिकी अदालत में बताया है कि उसने उद्योगपति गौतम अडानी और सात अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को कानूनी और व्यावहारिक कारणों की वजह से वापस लिया। न्याय विभाग ने ऐसे 6 कारण बताए हैं। विभाग का कहना है कि इस मामले में निवेशकों को कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ था और आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत भी नहीं थे। इसके अलावा, इस केस से भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक तनाव बढ़ने की आशंका भी थी। अमेरिकी जिला जज निकोलस गराउफिस ने न्याय विभाग से पूछा था कि जब मामला वापस लिया जा रहा है तो इसे स्थायी रूप से क्यों बंद किया जाए। जज ने पहले दाखिल किए गए आवेदन को 'अस्पष्ट' बताया था। इसके जवाब में न्याय विभाग ने 10 पन्नों का विस्तृत हलफनामा दाखिल किया।

न्याय विभाग ने क्या कहा?

न्याय विभाग ने अदालत से कहा कि इस मामले में किसी निवेशक को कोई आर्थिक नुकसान नहीं हुआ। ऐसे में आपराधिक मुकदमा चलाने का कोई खास मतलब नहीं था। विभाग ने यह भी कहा कि अगर मुकदमा चलता भी, तो किसी को मुआवजा नहीं मिल सकता था क्योंकि नुकसान हुआ ही नहीं था।

पिछली सरकार पर भी उठाए सवाल

न्याय विभाग ने दावा किया कि यह मामला पिछली अमेरिकी सरकार के अंतिम दिनों में जल्दबाजी में दर्ज किया गया था। विभाग के अनुसार, इसका उद्देश्य सिर्फ आरोप लगाकर लोगों की छवि खराब करना था, जबकि मुकदमे को आगे बढ़ाने की वास्तविक संभावना बहुत कम थी।

इन 6 कारणों से बंद हुआ मामला?

न्याय विभाग ने बताया कि कई महीनों तक दस्तावेजों की जांच और बचाव पक्ष के वकीलों से बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया।

विभाग ने 6 प्रमुख वजहें गिनाई:

कथित घटनाएं पूरी तरह भारत में हुई थीं। भारतीय एजेंसियों ने जांच में कोई गड़बड़ी नहीं पाई। निवेशकों को कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ।जरूरी गवाह और सबूत विदेशों में थे, जिन्हें जुटाना आसान नहीं था। आरोपियों के अमेरिकी अदालत में पेश होने की संभावना बेहद कम थी। मामला अमेरिकी कानून के क्षेत्राधिकार की शर्तों पर पूरी तरह फिट नहीं बैठता था।

170 करोड़ रुपये में केस का निपटारा

इससे पहले गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी ने अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग के साथ जुड़े सिविल मामले को निपटाने के लिए 1.8 करोड़ डॉलर (करीब 170 करोड़ रुपये) का भुगतान करने पर सहमति जताई थी। यह मामला अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड से जुड़े कुछ कथित भ्रामक बयानों से संबंधित था।

किन लोगों के नाम थे?

इस मामले में गौतम अडानी के अलावा सागर अडानी, विनीत जैन, रंजीत गुप्ता, सिरिल कैबनेस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा और रूपेश अग्रवाल के नाम भी शामिल थे।नवंबर 2024 में आरोप लगने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों और मार्केट वैल्यू में बड़ी गिरावट आई थी। हालांकि, मई 2025 में न्याय विभाग द्वारा मामला वापस लेने के बाद समूह के शेयरों में तेजी लौटी। इसके बाद अडानी एंटरप्राइजेज ने शेयर बिक्री के जरिए 15,000 करोड़ रुपये जुटाए और 11.5 अरब डॉलर की लागत वाले एक बड़े एल्युमिनियम प्लांट की परियोजना पर भी समझौता किया।

चीन का किलर प्लान... 3000 किमी दूर से मलबा बन जाएगा अमेरिका का जंगी बेड़ा

बीजिंग, 5 जुलाई (एजेंसियां)। चीन अमेरिकी नौसेनिक शक्ति के प्रतीक एयरक्राफ्ट कैरियरों को 3000 किलोमीटर दूर से ही नष्ट करने की योजना बना रहा है। इसका खुलासा एक मिलिट्री पीयर रिव्यू जर्नल में हुआ है। इसमें 3,000 किमी (1,865 मील) दूर से अमेरिकी कैरियर बैटल ग्रुप को नष्ट करने का स्टेप-बाय-स्टेप तरीका बताया गया है। 3000 किमी की दूरी उतनी ही है, जितना शंघाई से गुआम है। गुआम प्रशांत महासागर में अमेरिकी मिलिट्री बेस है, जो ज्यादातर चीनी मिसाइलों की रेंज से बाहर है।

चीन ने रिसर्च पेपर में क्या लिखा है?

25 मई को चीन के शीर्ष रक्षा जर्नलों में से एक, 'टैक्टिकल मिसाइल टेक्नोलॉजी' में 'डिसट्रिब्यूटेड टकराव के तहत एंटी-शिप मिसाइल स्वार्म ऑपरेशन की प्रभावशीलता पर शोध' शीर्षक से एक रिसर्च पेपर प्रकाशित किया गया था। इस पेपर को नानजिंग में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी के कॉलेज ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज ने एसोसिएट प्रोफेसर गाओ तियान्युन के नेतृत्व में प्रकाशित किया है। इसमें यह बताया गया है कि चीन कैसे सैकड़ों किलोमीटर के क्षेत्र में फैले अमेरिकी कैरियर बैटल ग्रुप को एक ही वार में नष्ट कर सकता है। इसमें बताया गया है कि अमेरिका लंबे समय से अपने एयरक्राफ्ट कैरियरों को जापान, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस और दक्षिण चीन सागर में तैनात करता रहा है। ये सभी क्षेत्र चीन से काफी करीब हैं। हालांकि, हाल के दिनों में चीनी हथियारों की बढ़ती रेंज को देखते हुए अमेरिका इन एयरक्राफ्ट कैरियरों और दूसरे युद्धपोतों को चीन से दूर कर रहा है, ताकि वह उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों, हाइपरसोनिक ग्लाइडर व्हीकल और ड्रोन हमलों की चपेट में न आ जाएं। इसके लिए पेंटागन ने 'डिसट्रिब्यूटेड मैरीटाइम ऑपरेशन्स' नाम का एक नया कॉन्सेप्ट अपनाया है।

इस कॉन्सेप्ट के तहत पेंटागन अपने कैरियर स्ट्राइक ग्रुप में शामिल युद्धपोतों, एयरक्राफ्ट कैरियर और पनडुब्बियों को सैकड़ों किलोमीटर के दायरे में फैला रहा है। इसमें उसका सबसे कीमती एयरक्राफ्ट कैरियर सबसे पीछे रहता है, जबकि छोटे और कम महत्वपूर्ण जहाजों को मिसाइल शील्ड और तैरते हुए रडार के तौर पर काम करने के लिए आगे रखा जाता है। ऐसे में चीनी मिसाइल हमलों से बचने की तैयारी करने में एयरक्राफ्ट कैरियर को ज्यादा वक्त मिल सकता है। वहीं, उसके आगे मौजूद दूसरे प्लेटफॉर्म चीनी हथियारों को पहले ही मार गिराने की कोशिश भी कर सकते हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन---	04-24 बजे
चंद्र	कुंभ	मे	कर्क----	06-36 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह----	08-49 बजे
बुध	कर्क	मे	कन्या---	10-56 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला-----	13-00 बजे
शुक्र	सिंह	मे	वृश्चिक--	15-10 बजे
शनि	मीन	मे	धनु-----	17-24 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर---	19-30 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ----	21-20 बजे
			मीन----	23-00 बजे
			मेष-----	00-35 बजे
			वृष------	02-20 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
सूर्योदय 05-50
सूर्यास्त. 18 -50
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - आषाढ़ सोमवार 06 July 2026
तिथि - कृष्ण पक्ष षष्ठी 13-47 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद 16-07 तक उप उ.भाद्रपद
योग. - सौभाग्य 15-50 तक उप शोभन
करण - तैतिल 13-47 तक उप विष्टी

विशेष: 13-47 से भद्राकाल

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-26 से 09-05 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05-50 - 07-26	शुभ	चंचल	18-50 - 20-16	शुभ
काल	07-26 - 09-05	अशुभ	रोग	20-16 - 21-37	अशुभ
शुभ	09-05 - 10-43	शुभ	काल	21-37 - 22-59	अशुभ
रोग	10-43 - 12-21	अशुभ	लाभ	22-59 - 00-21	शुभ
उत्पात	12-21 - 13-59	अशुभ	उत्पात	00-21 - 01-43	अशुभ
चंचल	13-59 - 15-37	शुभ	शुभ	01-43 - 03-05	शुभ
लाभ	15-37 - 17-15	शुभ	अमृत	03-05 - 04-27	शुभ
अमृत	17-15 - 18-50	शुभ	चंचल	04-27 - 05-50	शुभ

तेल की खोज में भारत पहुंचेगा वहां, कोई नहीं गया जहां, 95000 करोड़ का बजट तैयार

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) में हुए हालिया युद्ध के दौरान भारत समेत कई देशों में ऊर्जा संकट पैदा हो गया था। अब भारत ने घरेलू कच्चे तेल की खोज को बड़े पैमाने पर बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह जानकारी दी है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है।इस साल फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया था। इस हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का निकलना मुश्किल हो गया था। वहां से भरपूर मात्रा में तेल और गैस

न आने के कारण भारत भारी संकट में आ गया था।

अब सुधरे हालात

ईरान संकट के हालात अब सुधरते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक अस्थायी समझौते के बाद खाड़ी के जलमार्ग से तेल और गैस की खेप फिर से बहने लगी है। भारत में ईंधन की कीमतों और पाबंदियों को वापस लिया जा रहा है।

2.5 लाख वर्ग किलोमीटर के इलाके में खोज

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने साफ किया कि ईरान संकट ने भारत को अपनी घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए एक नई दिशा दी है। उन्होंने बताया कि सरकार अब देश के 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर के ऐसे इलाकों में तेल की खोज शुरू करने जा रही है, जहां आज तक किसी ने हाथ भी नहीं लगाया।

अभी क्या है भारत की स्थिति?

भारत को जितने तेल की जरूरत होती है, उसका केवल 10 प्रतिशत हिस्सा ही देश में पैदा होता है। बाकी का 90% तेल हमें दूसरे देशों से पैसे देकर खरीदना पड़ता है। साल 2011 में भारत जितना तेल खुद निकालता था, आज उसका उत्पादन घटकर लगभग आधा रह गया है। ईरान-अमेरिका युद्ध के दौरान भारत ने तेल बेचने वाले देशों की संख्या 27 से बढ़ाकर 41 कर दी। भारत ने रूस, ईरान और वेनेजुएला जैसे देशों से खूब तेल खरीदा।

अंडमान के शुरू होगा 'समुद्र मंथन'

अभी तक भारत में सबसे ज्यादा तेल मुंबई के समुद्र, राजस्थान, गुजरात और असम से निकाला जाता है। लेकिन अब सरकार की नजर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर है। मंत्रालय के मुताबिक, अंडमान के समुद्र के नीचे तेल और गैस का असीमित भंडार हो सकता है।

अब एथेनॉल से उड़ेंगे हवाई जहाज, प्रदूषण फैलाने वाला जेट फ्यूल होगा रिप्लेस! द.कोरिया का फैसला

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। दुनियाभर में प्रदूषण कम करने के लिए नए-नए रास्ते तलाशे जा रहे हैं. अब एविएशन फील्ड में भी बड़ा बदलाव होने की उम्मीद है. दक्षिण कोरिया ने एथेनॉल बेस्ड सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल यानी एसएएफ को बढ़ावा देने का फैसला किया है. इसका मकसद पुराने जेट फ्यूल पर निर्भरता कम करके हवा में कार्बन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों का घुलने से रोकना है.

क्या है सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल?

सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल, पुराने पेट्रोलियम बेस्ड जेट फ्यूल से ज्यादा इको फ्रेंडली माना जाता है. इसे एथेनॉल, कृषि अवशेष, इस्तेमाल किए गए कुकिंग ऑयल और दूसरे ऑर्गेनिक सोर्स से तैयार किया जा सकता है. इस फ्यूल का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इससे विमान उड़ाने के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड कम निकलता है.

दक्षिण कोरिया ने क्या फैसला लिया?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया सरकार ने विमानन क्षेत्र में एसएएफ के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए नया तरीका अपनाया है. अब एथेनॉल बेस्ड ईंधन के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा. सरकार चाहती है कि आने वाले साल में एयरलाइंस धीरे-धीरे पुराने जेट फ्यूल की जगह ज्यादा ईको- फ्रेंडली ईंधन का इस्तेमाल करें.

भारत और बायोफ्यूल कनेक्शन

भारत भी लंबे समय से एथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पर तेजी से काम कर रहा है. पेट्रोल में एथेनॉल मिलाकर देश आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है. इसके अलावा भारत में भी सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल पर रिसर्च और विकास का काम चल रहा है.

फिलहाल पारंपरिक जेट फ्यूल को पूरी तरह बदलना आसान नहीं है. विमान इंजन, ईंधन सप्लाई और उत्पादन क्षमता जैसी कई चुनौतियां अभी मौजूद हैं. इसलिए आने वाले समय में सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल को पुराने जेट फ्यूल के साथ मिलाकर इस्तेमाल किए जाने की संभावना अधिक है.

भारत पासपोर्ट इंडेक्स में 100 के बाहर

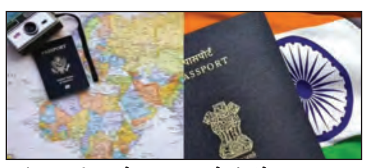

नई दिल्लीः ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स 2026 में भारत 125वें स्थान पर आ गया है। पिछले साल थोड़ी बेहतरी के बावजूद यह टॉप 100 देशों की सूची में जगह नहीं बना पाया। 2021 से 2023 के बीच 127वें स्थान से 2025 में 124वें स्थान पर यह पहुंचा था। इसके बाद देश की रैंकिंग एक बार फिर गिरी है। अब भारतीय पासपोर्ट से केवल 26 जगहों पर बिना वीजा के यात्रा की जा सकती है। भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग नामीबिया से नीचे और फिलीपींस, मोरक्को और उज्बेकिस्तान जैसे देशों के पीछे है, जबकि यह अजरबैजान और किर्गिस्तान से आगे है।

इन जगहों पर बिना वीजा यात्रा करने की सुविधा

भारतीय पासपोर्टहोल्डर भूटान, नेपाल, जमैका, मकाऊ, फिलिस्तीन, ट्यूनीशिया, अंगोला और बारबाडोस जैसी जगहों पर बिना वीजा या 'वीजा ऑन अराइवल' (पहुंचने पर वीजा) सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं। हालांकि, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित लगभग 88 देशों में प्रवेश करने के लिए उन्हें अभी भी वीजा की जरूरत होती है। भारत के पड़ोसी देशों में चीन 104वें स्थान के साथ सबसे आगे है। वहीं, भारत 125वें स्थान पर है। हालांकि, भारत की स्थिति कई अन्य दक्षिण एशियाई देशों की तुलना में बेहतर है। बांग्लादेश 166वें, नेपाल 164वें और पाकिस्तान 188वें स्थान (सूची में सबसे नीचे के करीब) पर है। ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स 2026 की टॉप 10 सूची में यूरोपीय देशों का दबदबा है। ये ग्लोबल यात्रा और आवाजाही में इस महाद्वीप की मजबूत स्थिति को दिखाता है। अमेरिका और फ्रांस दोनों 11वें स्थान पर हैं। ये टॉप 10 में जगह बनाने से मामूली अंतर से चूक गए। जबकि कनाडा 13वें स्थान पर है। इस तरह, दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट के मामले में यूरोप साफ तौर पर सबसे आगे है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है । यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है, तो आज का दिन सौदे के लिए अनुकूल है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है , तो आज आप भाग्यशाली हो सकते है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे ! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यो की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे । हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है । आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा !

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
हालाँकि आपको अपने कार्य स्थल पर हास्य और आनंद लेने की कला आती है परन्तु अब आप पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आप आज एक गैर जरुरी कार्य में भी गंभीर मुद्रा में रहेंगे । एक सहयोगी की सुस्ती और लापरवाही के कारण आप उसका काम अपने लिए कर सकते है । इसलिए आप पर कुछ अनुचित कार्य का दबाव आज बन सकता है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे बल्कि आप कार्य प्रणाली को भी बेहतर तरीके से समझ पाओगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

मध्य प्रदेश और नागपुर हेड ने नागपुर ब्रांच में मीटिंग की

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शेरकोटी पेंट्स अपनी बेहतरीन पेंट क्वालिटी के लिए जानी जाती है, ने नागपुर ब्रांच में एक महत्वपूर्ण मीटिंग का आयोजन किया। इसमें मध्य प्रदेश ब्रांच हेड ज़ैद और नागपुर ब्रांच हेड अभिषेक शामिल हुए।

कंपनी की कुल 14 ब्रांच देशभर में फैली हैं, और उनकी पेंट की क्वालिटी को पेंटरों और ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। खासकर, रुस्तिक पुट्टी और वॉल पुट्टी के हालिया लॉन्च ने बाज़ार में एक नई लहर पैदा कर दी है। पेंटरों और ग्राहकों का कहना है कि शेरकोटी की क्वालिटी बेमिसाल है, और यही वजह है कि आज यह पूरे मार्केट में छाई हुई है। मीटिंग में, आने वाले समय के लिए नई रणनीति बनाई गई, ताकि इस सफलता को और मजबूत किया जा सके और शेरकोटी देशभर में अपना प्रभुत्व बढ़ान को तैयार है।

भारत ने कसा शिकंजा, चीन से आने वाले इस प्रोडक्ट की कड़ी की जांच

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने चीन से आने वाले मुख्य हर्बिसाइड ग्लुफोसिनेट और इसके सॉल्ट के इंपोर्ट की जांच-पड़ताल कड़ी कर दी है। इन्हें अस्थायी कस्टम्स असेसमेंट के दायरे में रखा गया है। जबकि अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या एक्सपोर्टर एंटी-डंपिंग ड्यूटी के असर को कम करने के लिए उसका बोझ खुद उठा रहे हैं।

रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने कस्टम्स अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इस हर्बिसाइड के इंपोर्ट का टेम्परेरी असेसमेंट करें। यह तब तक किया जाएगा जब तक कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज की ओर से शुरू की गई एंटी-एब्जॉर्प्शन समीक्षा का नतीजा नहीं आ जाता। इंपोर्टर्स मौजूदा एंटी-डंपिंग ड्यूटी तो देते रहेंगे। लेकिन, उन्हें समीक्षा के बाद लगाई जा सकने वाली किसी भी अतिरिक्त ड्यूटी के लिए फाइनेंशियल गारंटी भी देनी होगी।

शुरुआती जांच के बाद उठाया गया कदम

यह कदम डीजीटीआर की शुरुआती जांच के बाद उठाया गया है। जांच में पाया गया कि चीनी एक्सपोर्टरों ने मई 2025 में लगाई गई एंटी-डंपिंग ड्यूटी के असर को बेअसर करने के लिए एक्सपोर्ट की कीमतें कम की होंगी या दूसरी प्राइसिंग रणनीतियां अपनाई होंगी। इससे घरेलू मैन्युफैक्चरर्स को मिलने वाली सुरक्षा कमजोर हो सकती है।

ग्लुफोसिनेट क्या होता है?

ग्लुफोसिनेट एक ब्रॉड-स्पेक्ट्रम हर्बिसाइड है। इसका इस्तेमाल मक्का, सोयाबीन, कपास और कैनोला जैसी फसलों के साथ बड़े पैमाने पर कमर्शियल खेती में खरपतवार को कंट्रोल करने के लिए किया जाता है।

एक अलग नोटिफिकेशन में सरकार ने घरेलू प्रोड्यूसर्स की सुरक्षा के लिए अमेरिका, मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका से ब्यूटाइल अल्कोहल के इंपोर्ट पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी को और पांच साल के लिए बढ़ा दिया।

जानवरों के लिए ड्यूटी में छूट

सरकार ने शनिवार को कस्टम्स में छूट का नोटिफिकेशन भी जारी किया। इसके तहत, भारत-ब्रिटेन कॉम्प्रिहेन्सिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट के तहत इंटरनेशनल इवेंट्स, प्रदर्शनियों और चुनिंदा सरकारी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए कुछ खास जानवरों को बिना कस्टम्स ड्यूटी या इंटीग्रेटेड जीएसटी दिए देश में लाने की इजाजत दी गई है।

सरकार का बड़ा फैसला, अब सीवर में इंसान नहीं- रोबोट करेगा सफाई

जयपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने प्रदेश के सफाईकर्मियों की सुरक्षा और मैनहोल के भीतर होने वाले जानलेवा हादसों को रोकने के लिए एक संवेदनशील और ऐतिहासिक कदम उठाया है, जिसके तहत अब राज्य की सीवर लाइनों की सफाई का काम इंसानों की जगह पूरी तरह से अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक के जरिए किया जाएगा। प्रदेश के स्वायत्त शासन विभाग ने राज्य के 35 प्रमुख शहरों के लिए 100 हाई-टेक 3-इन-1 रोबोटिक सीवर सफाई मशीनें खरीदने की पूरी योजना तैयार कर ली है, जिस पर कुल 136 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट खर्च किया जाएगा। इस बड़े तकनीकी बदलाव का सबसे बड़ा मानवीय पहलू यह है कि अब राजस्थान के किसी भी सफाईकर्मी को जहरीली गैसों, दम घुटने के खतरों और जानलेवा परिस्थितियों के बीच अंधेरे मैनहोल के अंदर अपनी जान जोखिम में डालकर नहीं उतरना पड़ेगा, जिससे उनके जीवन स्तर और सामाजिक सम्मान में सुधार आएगा। स्वायत्त शासन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इन 100 रोबोटिक मशीनों की खरीद की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अगले 3 महीनों के भीतर इन्हें संबंधित नगर निगमों और नगर परिषदों को सौंप दिया जाएगा। यह पहली बार है जब राजस्थान में बड़े पैमाने पर ऐसी तकनीक का इस्तेमाल जमीनी स्तर पर किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मशीनों के आते ही स्थानीय सफाईकर्मियों को इन्हें ऑपरेट करने की विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वे तकनीक के जरिए सुरक्षित तरीके से अपना काम कर सकेंगे।

राज्य सरकार ने शहरों की आबादी और सीवर नेटवर्क की लंबाई के आधार पर इन आधुनिक मशीनों का बंटवारा तय किया है। राजधानी जयपुर के विशाल सीवर इंफ्रास्ट्रक्चर को देखते हुए सबसे अधिक 12 मशीनें जयपुर नगर निगम को आवंटित की जाएंगी। इसके बाद कोचिंग सिटी कोटा और मारवाड़ के केंद्र जोधपुर को 10-10 मशीनें दी जाएंगी। बीकानेर को 7 और अजमेर संभाग को 6 मशीनें सौंपने का प्रस्ताव है। इसके अलावा शेखावाटी के प्रमुख शहर सीकर को 5 मशीनें मिलेंगी, जबकि लेक सिटी उदयपुर, वस्त्र नगरी भीलवाड़ा, अलवर और पाली को 3-3 मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रदेश के अन्य उभरते हुए शहरों में भी मैन्युअल स्केवेंजिंग को पूरी तरह समाप्त करने के लिए 2-2 आधुनिक रोबोटिक वाहन भेजने की योजना है। इनमें श्रीगंगानगर, किशनगढ़, ब्यावर, हनुमानगढ़, धौलपुर, चूरू, चित्तौड़गढ़, हिंडौन, नागौर, भिवाड़ी, बूंदी, सुजानगढ़ और लक्ष्मणगढ़ शामिल हैं। इन शहरों में भी सीवर ओवरफ्लो और जाम की समस्याओं से निपटने के लिए इन मशीनों को तैनात किया जाएगा। विकास के इस तकनीकी दौर में राज्य के दूर-दराज के इलाकों को भी जोड़ा गया है। टोंक, गंगापुर सिटी, बारां, मरुस्थल के केंद्र जैसलमेर, भीनमाल, भादरा, झालरापाटन, श्रीमाधोपुर, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर, भरतपुर और आदिवासी अंचल के बांसवाड़ा शहर को 1-1 अत्याधुनिक 3-इन-1 रोबोटिक वाहन उपलब्ध कराया जाएगा ताकि छोटे कस्बों में भी सफाई का काम सुरक्षित रूप से किया जा सके। यह नई मशीन एक सिंगल व्हीकल समाधान है, जिसमें एक ही ट्रक या वाहन के ऊपर तीन सबसे महत्वपूर्ण प्रणालियां इंस्टॉल की गई हैं, जो इस प्रकार काम करेंगी:

हाईप्रेशर जेटिंग सिस्टम : इसके जरिए सीवर लाइन के अंदर सालों से जमे कड़े अवरोधों, पत्थरों, मलबे और प्लास्टिक के कचरों को बेहद शक्तिशाली पानी की बौछार से तुरंत तोड़कर जाम को साफ किया जाएगा। पावरफुल सक्शन सिस्टम : सीवर के अंदर जमा हुई भारी गाद, कीचड़ और गंदे पानी को यह सिस्टम बहुत ही शक्तिशाली तरीके से खींचकर सीधे टैंक में डाल देगा, जिससे बाहर गंदगी नहीं फैलेगी। लाइव रोबोटिक निरीक्षण : मशीन के साथ एक रोबोटिक आर्म और कैमरा जुड़ा होगा। यह कैमरा मैनहोल के भीतर गहरे अंधेरे में उतरकर सीवर लाइन की आंतरिक स्थिति, पाइपों में आई टूट-फूट और जहरीली गैसों के स्तर का लाइव वीडियो फीड बाहर बैठे ऑपरेटर के मॉनिटर पर दिखाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग को पूरी तरह से पारदर्शी और आधुनिक बनाया गया है। रोबोटिक मशीनों द्वारा किए जाने वाले दैनिक सफाई कार्यों की रियल-टाइम ट्रैकिंग के लिए एक विशेष मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। इस ऐप के जरिए स्वायत्त शासन विभाग और स्थानीय निकायों के उच्च अधिकारी यह देख सकेंगे कि किस शहर के किस वार्ड में मशीन इस वक्त काम कर रही है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने किया साफ
कम स्टूडेंट्स वाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूल होंगे बंद

कोटा, 5 जुलाई (एजेंसियां)। शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने स्पष्ट किया है कि सभी महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों को बंद नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें पूरी तरह अफवाह हैं। फिलहाल सरकार केवल उन विद्यालयों की समीक्षा कर रही है, जहां विद्यार्थियों की संख्या बहुत कम है। ऐसे स्कूलों को बंद किया जाएगा, बाकी स्कूल पहले की तरह चलते रहेंगे। कोटा के सियाम ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पचपदरा रिफाइनरी लोकार्पण कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर मुख्य अतिथि रहे।

इस मौके पर विभिन्न विभागों में हाल ही में नियुक्त हुए कार्मिकों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे गए। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में मंत्री दिलावर ने कहा कि महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों को लेकर लोगों में भ्रम फैलाया जा रहा है। सरकार का ऐसा कोई निर्णय नहीं है कि सभी स्कूल बंद कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या बहुत कम है, केवल उन्हीं के बारे में आवश्यक निर्णय लिया जाएगा। बाकी विद्यालय पहले की तरह संचालित होते रहेंगे।

उन्होंने पचपदरा रिफाइनरी परियोजना को राजस्थान के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे प्रदेश में बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उनके अनुसार रिफाइनरी से करीब 35 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और लगभग एक लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है। इससे आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी और स्थानीय लोगों को भी लाभ मिलेगा। मंत्री ने यह भी कहा कि यमुना नदी का पानी शेखावाटी क्षेत्र के चूरू, झुंझुनूं, सीकर सहित अन्य जिलों तक पहुंचाने की योजना पर भी काम हो रहा है। इससे लाखों लोगों को पेयजल और सिंचाई की सुविधा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के जर्जर विद्यालय भवनों के संबंध में भी सरकार ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं और जरूरत के अनुसार सुधार कार्य कराए जाएंगे। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने हाल ही में कम नामांकन वाले करीब 300 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की समीक्षा शुरू की है। शिक्षा विभाग ने ऐसे विद्यालयों की सूची तैयार कर संबंधित जिलों से सात दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। इसी फैसले के बाद विद्यालयों को बंद किए जाने की चर्चा शुरू हुई थी। अब शिक्षा मंत्री ने साफ कर दिया है कि सभी विद्यालय बंद नहीं किए जा रहे हैं और केवल कम विद्यार्थियों वाले विद्यालयों के संबंध में ही आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।

प्रसिद्ध भजन गायक छैलबिहारी वर्मा का निधन
विदेशों में भी लहराया भारत का परचम

करौली/जयपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सांस्कृतिक और संगीत जगत से दुखद खबर सामने आई है। करौली की पावन धरा की अनुपम विभूति, संगीत एवं अनूठी लौकिक प्रतिभा के धनी और प्रख्यात भजन गायक गुरु छैलबिहारी वर्मा का शनिवार (4 जुलाई 2026) को निधन हो गया है। उनके निधन की खबर फैलते ही संगीत प्रेमियों, कला जगत और करौली व जयपुर सहित पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई है।

बता दें कि छैलबिहारी वर्मा संगीत के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित और परम श्रद्धेय नाम थे। वे आराध्य देव ठाकुर मदनमोहन महाराज के अनन्य भजन गायक थे। वे स्वर्गीय देवीलाल संगीताचार्य (करौली वाले) के मझले पुत्र और प्रसिद्ध मिश्रीलाल राजस्थानी के भतीजे थे। संगीत उन्हें विरासत में मिला था, जिसे उन्होंने न केवल पूरी निष्ठा से संजोया, बल्कि वैश्विक पटल पर भी स्थापित किया।

उनके प्रिय शिष्य मानप्रकाश प्रजापत ने गहरे दुख के साथ बताया कि गुरु छैलबिहारी वर्मा ने संगीत के क्षेत्र में न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतर्राष्ट्रीय जगत में भी भारतीय संस्कृति और गायकी का परचम लहराया था। विश्व विख्यात तीर्थस्थल मदनमोहन महाराज करौली के मंदिर में जब भी वे अपने मुखारविंद से भजनों की दिव्य प्रस्तुति देते थे, तो वहां उपस्थित सभी श्रोता भाव-विभोर और मंत्रमुग्ध हो जाते थे। उनकी वाणी में एक अलौकिक भक्ति और समर्पण का भाव था, जिसने करौली की सांस्कृतिक धरा को सदैव गौरान्वित किया।

कला और संगीत विशेषज्ञों का मानना है कि छैलबिहारी वर्मा के महाप्रयाण से संगीत जगत और करौली की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक ऐसी अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। वे अपने पीछे शिष्यों और प्रशंसकों का एक बड़ा परिवार छोड़ गए हैं।

बताते चलें कि छैलबिहारी वर्मा का निधन जयपुर के प्रतापनगर स्थित निवास पर अस्वस्थता के चलते हुआ। उनके चाहने वालों ने सोशल मीडिया के माध्यम से दुख व्यक्त किया।

जगन गुर्जर हत्याकांड: बाहर चल रहा एफएम, सीसीटीवी कैमरों पर टूथपेस्ट
चंबल के डकैत को मारने वाले विष्णु ने खोले राज

अजमेर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले की हाई सिक्योरिटी जेल में कुख्यात डकैत जगन गुर्जर की हत्या के मामले में पुलिस जांच जारी है। इस मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। मामले के आरोपी विष्णु जाट को कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने हत्या से जुड़े कई अहम तथ्यों का खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में सामने आया कि जगन गुर्जर आए दिन विष्णु जाट को चोर, उचक्का और अन्य आपत्तिजनक शब्द कहकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। इससे परेशान होकर उसने हत्या की योजना बनाई। पुलिस के मुताबिक, वारदात वाले दिन आरोपी ने पहले जेल के कमरे में टूथपेस्ट लगाया। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि उसने ऐसा संभावित निशानों या घटनास्थल की परिस्थितियों को प्रभावित करने के उद्देश्य से किया। वहीं, बैरक के बाहर सार्वजनिक रूप से एफएम रेडियो चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि एफएम की आवाज के कारण संघर्ष या शोर-शराबे की आवाज बाहर तक नहीं पहुंची। इसी दौरान विष्णु जाट ने गमछे से जगन गुर्जर का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए पूरी वारदात की जानकारी दी है। जांच में यह भी सामने आया है कि विष्णु जाट के खिलाफ पहले से चोरी के कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। अब पुलिस मामले की तह तक पहुंचने के लिए उसी बैरक और सेल में बंद अन्य बंदियों से भी पूछताछ की तैयारी कर रही है। इसके लिए न्यायालय में प्रार्थना पत्र भी प्रस्तुत किया गया है।

फूटा किसानों का गुस्सा: 'सूख रही धान की फसल तुरंत छोड़ो नहरों का पानी'; प्रशासन को अल्टीमेटम

कोटा, 5 जुलाई (एजेंसियां)। धान की फसल के लिए नहरी पानी नहीं मिलने से नाराज किसानों का गुस्सा अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर गिरधरपुरा होते हुए कोटा बैराज की ओर कूच कर रहे थे। हालांकि, रास्ते में पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। इसके विरोध में किसानों ने मौके पर ही धरना शुरू कर दिया। काफी देर तक प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब किसान नहीं माने तो पुलिस ने 50 से अधिक किसानों को हिरासत में ले लिया। बाद में सभी किसानों को रिहा कर दिया गया।

युवा किसान नेता गिरिराज गौतम ने बताया कि नहरी पानी की मांग को लेकर लंबे समय से प्रशासन को अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश किसानों ने 90 प्रतिशत से अधिक धान की बुवाई कर दी है, जबकि कई किसानों ने महंगे बीज खरीदकर दोबारा बुवाई भी की है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों की तरह इस बार भी किसानों को 1 जुलाई से नहरों में पानी मिलने की उम्मीद थी, लेकिन अब तक पानी नहीं छोड़ा गया। इससे हजारों बीघा में खड़ी धान की फसल संकट में है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक नहरों में पानी नहीं छोड़ा जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

किसानों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए सीएडी (कमांड एरिया डेवलपमेंट) विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। काफी देर तक समझाइश के बावजूद जब सहमति नहीं बनी तो किसान कोटा बैराज की ओर बढ़ने लगे। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया और कई किसानों को हिरासत में ले लिया। बाद में सभी को रिहा कर दिया गया।

अधिकारियों ने किसानों को भरोसा दिलाया कि सोमवार को राज्य सरकार के साथ बैठक कर गांधी सागर और राणा प्रताप सागर बांधों से नहरों में पानी छोड़ने के मुद्दे पर निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, किसानों ने प्रशासन को दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि तय समय में नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कुख्यात अपराधी गिरफ्तार, हवाला कारोबारियों को बनाता निशाना; 2 माह पहले साबरमती जेल से रिहा हुआ था

उदयपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। सुखेर थाना पुलिस ने डकैती एवं लूट के कुख्यात आदतन अपराधी को अवैध पिस्टल और कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी प्रताप सिंह साथियों के साथ पहले हवाला कारोबारियों के कर्मचारियों की रेकी करता था। मौका मिलने पर हथियार दिखाकर उन्हें डराता-धमकाता और लूट एवं डकैती की वारदात को अंजाम देता था। इसी प्रकार टैक्स बचाने के लिए बिना बिल के सोना ले जाने वाले ज्वैलर्स के कर्मचारियों की रेकी कर पिस्टल के बल पर सोना लूटता था।

उदयपुर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित टीम ने अवैध हथियार रखने वाले बदमाशों के खिलाफ विशेष अभियान में जांच के दौरान उसे पकड़ा। मुखबिर से सूचना मिली थी कि भीलों का बेदला स्थित विराज विला में ठहरे एक बदमाश के पास अवैध हथियार हैं।

टीम ने मौके पर दबिश देकर बोरी कुराबड़ निवासी प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक पिस्टल, एक मैगजीन तथा पांच कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में डकैती, लूट, अवैध हथियारों की सप्लाई तथा चोरी के कई प्रकरण दर्ज हैं। वह अपने साथियों के साथ संगठित गिरोह बनाकर वारदात करने का आदी है।

मासिक घूस लेते धरे गए वन अधिकारी और चालक!
एसीबी ने 15000 की रिश्वत के साथ रंगे हाथों दबोचा

झालावाड़, 5 जुलाई (एजेंसियां)। झालावाड़ में एसीबी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी विक्रम रैगर और विभागीय चालक फिरोज को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोप है कि लकड़ी से भरे वाहनों को पास कराने के बदले मासिक बंधी की मांग की जा रही थी। एसीबी अब दोनों आरोपियों से पूछताछ के साथ उनके घरों की तलाशी भी ले रही है।

शहर के मामू-भांजे चौराहे स्थित वन विभाग गश्ती दल कार्यालय में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी और विभागीय चालक को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया।

रिश्वत लेते आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़ एसीबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई के दौरान क्षेत्रीय वन अधिकारी विक्रम रैगर और वन विभाग के वाहन चालक फिरोज को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। एसीबी झालावाड़ के सीआई साजिद खान ने बताया कि रायपुर क्षेत्र निवासी इम्तियाज, जो टिंबर ट्रेडिंग का व्यवसाय करता है और लाइसेंस के तहत लकड़ी खरीदकर बाहर सप्लाई करता है, की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि गश्ती दल की ओर से पहले प्रति गाड़ी 5 हजार रुपये रिश्वत मांगी जा रही थी। बाद में 15 हजार रुपये प्रतिमाह की मासिक बंधी तय की गई। आरोपियों पर इम्तियाज के वाहनों को पास कराने के एवज में नियमित रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने उसका सत्यापन किया। शिकायत सही पाए जाने पर योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप की कार्रवाई की गई, जिसमें दोनों आरोपी रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिए गए।

यह कार्रवाई एसीबी झालावाड़ की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेरणा शेखावत के नेतृत्व में तथा डीआईजी ओमप्रकाश मीणा के सुपरविजन में की गई। कार्रवाई के दौरान पूरी टीम ने समन्वित तरीके से ऑपरेशन को अंजाम दिया।

एसीबी की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेरणा शेखावत ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही उनके घरों की तलाशी लेकर संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस मामले में कोई अन्य अधिकारी या कर्मचारी भी शामिल था या नहीं। दोपहर में शुरू हुई कार्रवाई शाम करीब साढ़े चार बजे तक जारी रही।

दलित युवक को थाने में थर्ड डिग्री!
कोर्ट के आदेश पर एसएचओ समेत 6 पुलिसकर्मियों पर एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज

नागौर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन जिले के चितावा थाना क्षेत्र से पुलिस महकमे को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। न्यायालय के इस्तगासे के बाद चितावा थाने में तत्कालीन थानाधिकारी तेजाराम, कांस्टेबल इन्द्राज मीणा सहित छह नामजद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की विभिन्न गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में आरोप है कि पैसों के लेनदेन के विवाद के बाद एक दलित युवक को थाने बुलाकर हवालात में बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसके कान का पर्दा फट गया। परिवादी विजय कुमार मेघवाल ने आरोप लगाया है कि पहले उसके भाई की शिकायत दर्ज नहीं की गई। इसके बाद जब वह अपने परिवार के साथ दोबारा थाने पहुंचा तो कथित रूप से पुलिसकर्मियों ने जातिसूचक शब्द कहे, थप्पड़ मारा और उसे हवालात में बंद कर लात-घूंसों से मारपीट की। शिकायत में तत्कालीन थानाधिकारी समेत अन्य पुलिसकर्मियों पर भी घटना में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। न्यायालय के आदेश के बाद 2 जुलाई 2026 को चितावा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। मामले में तत्कालीन थानाधिकारी तेजाराम, कांस्टेबल इन्द्राज मीणा सहित छह लोगों को नामजद किया गया है। पूरे मामले की जांच मकराना के सीओ विक्की नागपाल को सौंपी गई है। पुलिस अब न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप सभी आरोपों की जांच करेगी। मामले में लगाए गए आरोप शिकायतकर्ता के हैं और उनकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

सेना के ट्रक की टक्कर से एम्बुलेंस के उड़े परखच्चे, 3 लोगों की मौके पर ही मौत

श्रीगंगानगर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रविवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। हादसा नेशलन हाईवे 62 पर 22 एलजीडब्ल्यू के पास हुआ। सेना के ट्रक और एम्बुलेंस के बीच आमने-सामने की भिड़ंत के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को सरकारी अस्पलात की मोर्चरी में रखवाया।

हादसा सुबह करीब 8 बजे श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ सदर थाना क्षेत्र में हुआ। सेना के ट्रक की टक्कर से एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। हादसे में तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, दो लोग बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में श्रीगंगानगर रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान एंबुलेंस सवार मरीज महेंद्र कौर, लक्ष्मी व सतनाम के रूप में हुई है। तीनों मृतक श्रीगंगानगर के हिंदुमलकोट थाना क्षेत्र के 5 बी कोनी गांव के रहने वाले थे। पुलिस ने तीनों शवों सरकारी अस्पता की मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम होगा और शव परिजनों को सुपुर्द किए जांएगे। वहीं, घायल रामप्रताप व चालक राजवीर को श्रीगंगानगर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया और जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे करवाया। इसके बाद यातायात सुचारू हो पाया। हादसा इतना जबरदस्त था कि एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

श्रीगंगानगर जिले में राजपुरा पीपेरन के पास रविवार को 2 ट्रकों में भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ट्रक का केबिन क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक में सवार बीकानेर निवासी मूलाराम, कमल व हेतराम घायल हो गए।

खंभे हटाए बिना ही बना दी सड़क; लोगों ने पूछा- हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन?

झुंझुनू, 5 जुलाई (एजेंसियां)। झुंझुनूं शहर के वार्ड-60 में सड़क निर्माण के बाद भी बीच सड़क पर बिजली के खंभे खड़े हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि खंभे हटाने के बजाय उनके चारों ओर सड़क बना दी गई। इससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है और हादसे का खतरा बढ़ गया है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग की है। चूरू बाइपास स्थित वार्ड नंबर 60 में सड़क निर्माण का एक मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। बीरबल बाजार के सामने करीब 10 फीट चौड़ी गली में नई सड़क तो बना दी गई, लेकिन उसके बीचों-बीच खड़े बिजली के खंभों को हटाया नहीं गया। नतीजतन, लोगों को सुविधा मिलने के बजाय अब सड़क पर आवागमन के दौरान नई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान वर्षों पुराने बिजली के खंभों को दूसरी जगह स्थानांतरित करने के बजाय उनके चारों ओर सड़क बना दी गई। अब सड़क के बीच खड़े ये खंभे न केवल निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रहे हैं, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन गए हैं। क्षेत्रवासियों के अनुसार, गली पहले से ही काफी संकरी है। ऐसे में सड़क के बीच खड़े बिजली के खंभों के कारण दोपहिया वाहन निकालना मुश्किल हो गया है। बुजुर्गों और पैदल चलने वालों को भी हर समय सावधानी बरतनी पड़ती है।

किसान के खेत में निकलने लगा क्रूड ऑयल
इलाके से गुजर रही पाइपलाइन में सप्लाई बंद की; लीकेज पॉइंट ढूंढने में लगे इंजीनियर

बाड़मेर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के बोथिया गांव के एक खेत में रविवार सुबह 6 बजे क्रूड ऑयल का रिसाव होने लगा। क्रूड ऑयल 2 खेतों में 500 मीटर के दायरे में फैल गया। लीकेज की सूचना पर केयर्न वेदांता कंपनी के इंजीनियर और अधिकारी मौके पर पहुंचे। एहतियात के तौर पर इलाके से गुजर रही पाइपलाइन में सप्लाई बंद कर दी गई। लीकेज कहां हुआ, इसकी अभी तक सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है। इंजीनियर लीकेज पॉइंट ढूंढने में लगे हैं। साथ ही रिसाव के कारणों की जांच कर रही है।

भाग्यम वेलपैड 12 से मदर वेलपैड पाइपलाइन तक लाइन बिछी हुई है। बोथिया गांव में रविवार सुबह 6 बजे किसान दौलत राम, प्रेमाराम और फकीराराम के खेत में अचानक क्रूड ऑयल का रिसाव शुरू हो गया। देखते ही देखते खेत में एक हिस्से में क्रूड ऑयल फैल गया।

किसान ने इसकी सूचना कंपनी के अधिकारियों को दी तो टीम मौके पर पहुंची। एहतियातन इलाके से गुजर रही वेलपैड की पाइप लाइन में सप्लाई कर दी गई। इंजीनियर और अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालातों का जायजा लिया। कंपनी के अफसरों ने किसान दौलतराम से बात की है। इसके साथ ही खेत में जेसीबी से एक गड्ढा खोदकर क्रूड ऑयल को एक जगह इकट्ठा किया जा रहा है और फिर क्रूड ऑयल को टैंकर में भरकर दूसरी जगह ले जाया जा रहा है। किसान दौलतराम ने बताया- पाइप लाइन से क्रूड का लीकेज हुआ था, जो खेत में फैल गया है। परिवार की करीब 100 बीघा जमीन है, लेकिन एक खेत में ऑयल फैलने से जमीन खराब हो गई है। दौलत राम ने कहा- कंपनी के अधिकारी और इंजीनियर भी आए। फिलहाल खेत में जेसीबी से गड्ढा खोदा गया है, ताकि क्रूड का बहाव एक जगह रोका जा सके। इससे पहले 23 फरवरी को भी बाड़मेर के कवास में ऐश्वर्या ऑयल फील्ड के वेलपैड संख्या-8 के पास एक खेत में क्रूड ऑयल का रिसाव हुआ था, जो करीब 4 बीघा जमीन में फैल गया था।

बोनालु पर्व के लिए सभी प्रकार के पारंपरिक हस्तनिर्मित उत्पाद एक स्थान पर : पोन्नम

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आषाढ़ बोनालु महोत्सव के अवसर पर 16 जुलाई से हैदराबाद स्थित एचएमडीए ग्राउंड्स (डॉ. भीमराव आंबेडकर की विशाल प्रतिमा के समीप) में राज्यस्तरीय हस्तशिल्प एवं पारंपरिक उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री का आयोजन किया जाएगा।

इसकी जानकारी तेलंगाना के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने दी। मंत्री ने बताया कि बोनालू पर्व के लिए आवश्यक सभी प्रकार के पारंपरिक हस्तनिर्मित उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बोनालु केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं और पारंपरिक कारीगरी का भी प्रतीक है। यह मेला राज्य के ग्रामीण कारीगरों और पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए अपने उत्पाद सीधे जनता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। उन्होंने बताया कि राज्यभर के कुम्हार, लोहार, बढ़ई, विश्वब्राह्मण, पद्मशाली बुनकर, स्वर्णकार, पत्थर शिल्पकार, बांस शिल्पकार, चमड़ा शिल्पकार सहित विभिन्न पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े कारीगर इस मेले में अपने उत्पादों की बिक्री करेंगे।

मेले में बोनालू पर्व में उपयोग होने वाले मिट्टी के बोनम कलश, दीपक, बांस की टोकरियां, छलनियां, पीतल और तांबे के पात्र, कलश, घंटियां, पूजा सामग्री, सजावटी बांस उत्पाद, फूलों की मालाएं, तोरण, बोनम सजावट के वस्त्र, चूड़ियां, मोतियों की सजावटी सामग्री, पोथुराजु द्वारा उपयोग किए जाने वाले कोड़े, पैरों की घुंघरू, डप्पू, ढोल जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्र, लकड़ी के पूजा आसन और छोटे मंडप सहित अनेक पारंपरिक वस्तुएं उपलब्ध रहेंगी। मंत्री ने कहा कि बोनालु पर्व के दौरान कुम्हार, बांस शिल्पकार, बढ़ई, धातु शिल्पकार, डप्पू कलाकार, फूल विक्रेता और वस्त्र कारीगरों सहित हजारों परिवारों को रोजगार मिलता है। यह मेला उनकी आय बढ़ाने के साथ-साथ तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार अधिक संख्या में स्टॉल लगाए जाएंगे, जिससे अधिक पारंपरिक कारीगरों को अपने उत्पाद प्रदर्शित एवं बेचने का अवसर मिलेगा। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार पारंपरिक हस्तशिल्प और कारीगरों के संरक्षण एवं आजीविका को मजबूत करने के लिए विशेष प्राथमिकता दे रही है। ग्रामीण विकास विभाग एवं एसईआरपी के सहयोग से आयोजित इस मेले का उद्देश्य कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराना, उनकी आय बढ़ाना तथा युवाओं को पारंपरिक व्यवसायों की ओर आकर्षित करना है। उन्होंने बोनालु महोत्सव के दौरान हैदराबाद आने वाले लाखों श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मेले का भ्रमण कर हस्तनिर्मित उत्पाद खरीदें और पारंपरिक कारीगरों का उत्साहवर्धन करें।

मंत्री ने कहा कि हमारे द्वारा खरीदा गया प्रत्येक हस्तनिर्मित उत्पाद किसी कारीगर के परिवार को आर्थिक संबल और एक पारंपरिक कला को नया जीवन देता है। उन्होंने बताया कि इस राज्यस्तरीय मेले में राज्य के मंत्री, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी भाग लेंगे। साथ ही प्रदेशवासियों से बड़ी संख्या में मेले में पहुंचकर तेलंगाना की पारंपरिक हस्तकलाओं और कारीगरों को समर्थन देने की अपील की।

गोपालकृष्ण की आत्मकथा 'रिकॉर्ड्स गैलोर' का होगा विमोचन

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। क्रिकेट के प्रति जुनून और दशकों तक क्रिकेट आंकड़ों को संजोने वाले बेंगलुरू निवासी 80 वर्षीय एच.आर. गोपालकृष्ण अब अपनी आत्मकथा 'रिकॉर्ड्स गैलोर' के विमोचन के साथ अपने लंबे करियर की कहानी साझा करने जा रहे हैं। यह पुस्तक 7 अगस्त को कई दिग्गज क्रिकेट हस्तियों की उपस्थिति में जारी की जाएगी। गोपालकृष्ण ने बताया कि उन्होंने लगभग पांच दशकों तक क्रिकेट स्कोरिंग और सांख्यिकी के क्षेत्र में काम किया है। रेडियो कमेंट्री सुनकर हाथ से स्कोरकार्ड बनाने से लेकर अंतरराष्ट्रीय मैचों के विस्तृत रिकॉर्ड तैयार करने तक, उनका सफर बेहद लंबा और चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने बताया कि शुरूआती दौर में स्कोरिंग पूरी तरह मैन्युअल होती थी और इसके लिए कोई विशेष पारिश्रमिक भी नहीं मिलता था। आकाशवाणी के लिए काम करने पर उन्हें मात्र 25 रुपये प्रति मैच मिलते थे, जिसमें मैच न होने पर राशि में कटौती भी की जाती थी। अब समय बदलने के साथ स्कोरिंग प्रोफेशनल बन गया है। बीसीसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्कोररों को टेस्ट मैचों के लिए लगभग 25,000 रुपये प्रतिदिन, वनडे के लिए 25,000 रुपये और टी20 के लिए 12,500 रुपये तक का भुगतान किया जाता है।

महिलाओं की सुरक्षा की उपेक्षा कर रही है केन्द्र सरकार : अलका लांबा

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा सरकार की जमकर आलोचना की

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने केंद्र में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मोदी प्रशासन को महिला विरोधी करार दिया और पार्टी पर देश भर में महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के भविष्य की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने रविवार को हैदराबाद स्थित कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय गांधी भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बातें कहीं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन की कार्य योजना की घोषणा की। अलका लांबा ने बताया कि महिला कांग्रेस ने पिछले तीन महीनों में तेलंगाना के 19 जिलों में व्यापक बैठकें आयोजित की हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं महिला सशक्तिकरण के संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा लिए जा रहे निर्णयों से प्रसन्न हैं और राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं से संतुष्ट हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में रिकॉर्ड 116,000 से अधिक महिला नेताओं ने सदस्य के रूप में पंजीकरण कराया है। उन्होंने आगे कहा कि सितंबर में उनके लिए एक विशेष दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अलका लांबा ने केंद्र द्वारा पेश किए गए 'नारी शक्ति वंदन' (महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण) विधेयक को बिना किसी देरी के तत्काल लागू करने की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने महिला आरक्षण ढांचे के भीतर ओबीसी महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान करने का आग्रह किया। उन्होंने घोषणा की कि महिला कांग्रेस इन मांगों को लेकर 25 जुलाई को दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित करेगी। अलका लांबा ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में संसद में खुलेआम झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए उन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पूरी तरह विफल रहे हैं, देश भर में बार-बार परीक्षा की प्रतियां लीक होने पर वे उदासीन बने रहे। उन्होंने इस बात पर गुस्सा जताया कि भाजपा इन पेपर लीक के जरिए छात्रों के जीवन से खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री की भी आलोचना की कि वे नाबालिग बच्चों के बलात्कार और हत्या में शामिल भाजपा विधायकों और नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहे हैं। अलका लांबा ने सवाल उठाया कि अयोध्या के पवित्र राम मंदिर में हुई चोरी पर प्रधानमंत्री मोदी चुप क्यों रहे। उन्होंने जानना चाहा कि क्या इस चोरी के आरोपी आरएसएस से जुड़े नहीं थे। उन्होंने भ्रष्ट भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उसे चंदा चोर, वोट चोर प्रशासन करार दिया। अलका लांबा ने घोषणा की कि केंद्र सरकार के रुख के विरोध में 20 जुलाई से अगस्त तक देशव्यापी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल के तहत तेलंगाना महिला कांग्रेस ने प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड भेजने का अभियान शुरू किया है। उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए 9133400200 नंबर पर मिस्ड कॉल अभियान शुरू करने का भी जिक्र किया और सभी महिलाओं से इन प्रयासों में भाग लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने सिद्धिविनायक मंदिर में किए दर्शन

हैदराबाद/मुंबई, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने रविवार को अपनी धर्मपत्नी श्रीमती जानकी शुक्ला के साथ मुंबई के दादर स्थित प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया। राज्यपाल श्री शुक्ल ने विधि-विधान से पूजा कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी और न्याय के महेश मुदलियार भी उपस्थित रहे। मंदिर प्रशासन की ओर से राज्यपाल एवं उनकी धर्मपत्नी का पारंपरिक स्वागत किया गया। दर्शन-पूजन के दौरान राज्यपाल ने मंदिर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करते हुए भगवान श्री सिद्धिविनायक से देश और प्रदेश की उन्नति तथा नागरिकों के सुखद एवं समृद्ध जीवन की प्रार्थना की।

हरीश राव ने 91 चाय दुकानदारों को वितरित किया 72 लाख रुपये का सामान

सिद्दिपेट, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने रविवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र के पांच ग्रामीण मंडलों में 91 चाय दुकानों के मालिकों को लगभग 72 लाख रुपये मूल्य का आवश्यक सामान वितरित किया। यह वितरण राष्ट्रीय अंडा समन्वय समिति (एनईसीसी) के सहयोग से किया गया। इस पहल का उद्देश्य छोटे चाय व्यवसायियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उनके रोजगार को स्थिर करना बताया गया। कार्यक्रम के दौरान चाय दुकानदारों को दुकान स्टैंड, गैस स्टोव, सिलेंडर, एलईडी लाइट, पंखा, पानी की बोतलें, गिलास और केतली सहित आवश्यक उपकरण प्रदान किए गए।

इस मौके पर हरीश राव ने कहा कि कई लोग आर्थिक कठिनाइयों के कारण अस्थायी रूप से ठेले और फुटपाथ पर चाय का व्यवसाय चला रहे हैं। ऐसे में उन्हें स्थायी रूप से स्वरोजगार में मदद करने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि चाय की दुकानें छोटे स्तर पर ही सही, लेकिन कई परिवारों की आजीविका का बड़ा सहारा हैं, इसलिए उन्हें मजबूत करना जरूरी है। लाभार्थियों ने इस सहायता के लिए पूर्व मंत्री हरीश राव और एनईसीसी का आभार व्यक्त किया।

देश में पहली बार वक्फ बोर्ड में 2 हिंदू सदस्य

मध्य प्रदेश सरकार ने मनोज मालपानी और अनिमेष भार्गव को मेंबर बनाया

भोपाल, 5 जुलाई (एजेंसियां)। देश में पहली बार किसी राज्य के वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम (हिंदू) सदस्यों की नियुक्ति हुई है। मध्यप्रदेश सरकार ने वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करते हुए इंदौर के मनोज मालपानी और गुना के राघौगढ़ निवासी अनिमेष भार्गव को सदस्य बनाया है। इसके साथ ही सनवर पटेल को दोबारा बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मध्यप्रदेश सरकार का दावा है कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम-2025 के प्रावधानों के तहत बोर्ड का गठन करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। नए बोर्ड में कुल 10 सदस्य हैं। इससे पहले वक्फ अधिनियम-1995 के तहत राज्य वक्फ बोर्ड के सदस्य केवल मुस्लिम समुदाय से ही होते थे। हालांकि, कुछ सदस्यों को राज्य सरकार नामित करती थी, लेकिन उनके लिए भी मुस्लिम होना आवश्यक था। 2025 में कानून में संशोधन के बाद पहली बार यह व्यवस्था की गई कि प्रत्येक राज्य वक्फ बोर्ड में कम-से-कम दो गैर-मुस्लिम सदस्य होंगे।

कार्यकाल के आधार पर नजमा को मिली नियुक्ति :

नजमा हेपतुल्ला का नाम पहले के कार्यकाल के आधार पर शामिल किया गया है, जिनका कार्यकाल अप्रैल 2028 तक है। मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) में 4 जुलाई 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य शासन ने वक्फ अधिनियम की धारा 13(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह गठन किया है।

केंद्रीय वक्फ परिषद में भी दो गैर-मुस्लिम सदस्यों का प्रावधान किया गया है। इसी बदलाव के तहत मध्यप्रदेश में पहली बार दो हिंदू सदस्यों को बोर्ड में शामिल किया गया है। राज्य सरकार ने 4 जुलाई 2026 को जारी राजपत्र (असाधारण) की अधिसूचना में वक्फ अधिनियम की धारा 13(1) के तहत बोर्ड के गठन की घोषणा की।

पूर्व केंद्रीय मंत्री नजमा हेपतुल्ला का नाम उनके पहले से चल रहे कार्यकाल के आधार पर बोर्ड में बरकरार रखा गया है। उनका कार्यकाल अप्रैल 2028 तक रहेगा। सरकार का कहना है कि नए बोर्ड के जरिए वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और सुशासन को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

निशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का 346 लोगों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री राम नवमी स्वागत मंच के सहयोग से 169 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर जुमेरात बाजार स्थित सरकारी हाई स्कूल में आयोजित किया गया ।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किम्स सनशाइन हॉस्पिटल द्वारा कार्डियलजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बी.पी जांच, आरबीएस की सेवा डॉ दिव्या, डॉ मबरूर, नर्सिंग स्टाफ संगीता, निकिता, मल्लेश्वरी, अनुषा, भानु, संजना विपणन के जगदीश कुमार एवं उदय कुमार ने प्रदान की। शिविर में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल दोमलगुडा के नेत्र विशेषज्ञ के. विजयलक्ष्मी, वी. राजू ,शुभम रॉय, के. भास्कर, पी. साई कैंप प्रभारी किरण ने सेवा प्रदान कर 159 रोगियों के नेत्रों का परीक्षण किया गया और 114 लोगों को चश्मे और 4 लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर सामान्य जांच की सेवा डॉ अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल सुगंधी ने प्रदान की वहीं फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. सुनीता ने प्रदान की। अवसर पर दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. निखिल राज ने की। साथ ही श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा एक सकलांग तथा एक डायलेसिस की सेवा प्रदान की। शिविर का 346 लोगों ने लाभ लिया।

शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के सदस्य प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, निखिल राणासरिया, स्थानीय भागीदार श्री राम नवमी स्वागत मंच एवं पूर्व पार्षद गोशामहल डिवीजन लाल सिंह, भाजपा अध्यक्ष गोलकोंडा जिला उमा महेन्द्र, मत्स्य पालन विभाग के चेयरमैन मित्तू साई, लोध समाज पूर्व अध्यक्ष रामराज सिंह, भाजपा नेता कमल सिंह, भाजपा नेता नरहरि, भाजपा अध्यक्ष एवं मीडिया सचिव गोलकुंडा जिला नटराज नामधारी, तेलंगाना सामाजिक संयोजक विपिन रावत, अधिवक्ता अरविन्द सिंह, दिनेश सिंह हजारी, मुरली कृष्ण, प्रदीप सिंह, के.कैलाश सिंह, रोहित जौहरी, अक्षय साहू, एम किशन, संदीप राज सिंह, कांग्रेस के श्याम सिंह, कांग्रेस के नेता महावीर सिंह, बबलू सिंह, राम नारायण यादव, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष वेंकटेश गौड़ सहित स्वयंसेवक सतीश गर्ग, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, सुनयना नरसरिया, पद्मजा, नंदिनी. बी शांता देवी, शेख फ़रीद समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने सेवा प्रदान की।

मजलिस पार्टी की रक्षा का हर संभव प्रयास कर रही है कांग्रेस सरकार : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार, मजलिस पार्टी की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करते हुए, भूमि और अचल संपत्ति के सौदों से कमीशन कमाने के लिए आम नागरिकों की आजीविका को खतरे में डालने को तैयार है। रविवार को एक ट्वीट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हाइड्रा चयनात्मक शासन का प्रतीक बन गया है,जो आम आदमी के खिलाफ त्वरित और निर्दयी है, लेकिन जब सालकम चेरुवु के फुल टैंक लेवल और बफर जोन में स्थित बताए जा रहे बैरिस्टर फातिमा ओवैसी एजुकेशनल कैंपस से संबंधित आरोप लगते हैं तो वह मौन और अनिर्णायक हो जाता है। उन्होंने कहा, तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा देरी और कार्रवाई की कमी के संबंध में कई टिप्पणियों के बावजूद, साथ ही हाइड्रा और शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा रिकॉर्ड की मांग के बावजूद, कांग्रेस सरकार ने इन मुद्दों को हल करने में उतनी तत्परता नहीं दिखाई है जितनी वह आम जनता के साथ व्यवहार करते समय दिखाती है। किशन रेड्डी ने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार एमआईएम को इस तरह से मान रही है जैसे वह सभी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करती हो, जो कि बिल्कुल सच नहीं है। हाइड्रा की कार्रवाइयों से गरीब मुसलमान भी प्रभावित हुए हैं, उनके घर और आजीविका ध्वस्त कर दी गई है। फिर भी, जब ये विध्वंस हुए, तो न तो एमआईएम और न ही कांग्रेस ने इन कमजोर परिवारों के समर्थन में कोई कदम उठाया या विरोध किया। हालांकि, जब मामला एमआईएम से जुड़ी संपत्तियों का होता है, तो दोनों पार्टियां एक साथ खड़ी नजर आती हैं। इससे पता चलता है कि मुस्लिम समुदाय की रक्षा नहीं, बल्कि एमआईएम के राजनीतिक हितों की रक्षा की जा रही है।, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फातिमा संस्थानों की घटना ने कांग्रेस सरकार की वोट-बैंक की राजनीति और एमआईएम के दोहरे मापदंड को स्पष्ट रूप से उजागर किया है, और यह दिखाया है कि कोई भी पार्टी पूरे समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का दावा नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं।

पर्यटन और संस्कृति मंत्री जूपल्ली ने एक घंटे तक तैराकी की

सभी से फिटनेस को प्राथमिकता देने का आग्रह किया

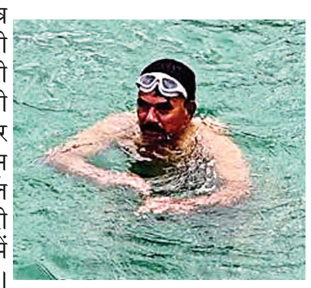

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने 'स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है' की चिरस्थायी कहावत को दोहराते हुए रविवार सुबह फिटनेस के प्रति अपने जुनून का प्रदर्शन किया। मंत्री ने नागरकर्नूल जिले के कोल्लापुर कस्बे के बाहरी इलाके में स्थित अपने कृषि फार्म में एक कुएं में एक घंटे तक तैराकी की। इस अवसर पर बोलते हुए जूपल्ली कृष्णा राव ने इस बात पर जोर दिया कि अच्छा स्वास्थ्य किसी भी भौतिक संपत्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण निवेश है। उन्होंने सभी आयु वर्ग के लोगों से आग्रह किया कि वे शारीरिक व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। जूपल्ली ने कहा, रोजाना कम से कम एक घंटे की शारीरिक गतिविधि में शामिल होने से, चाहे वह योग हो, ध्यान हो, चलना हो, जॉगिंग हो, दौड़ना हो या तैराकी हो, समग्र स्वास्थ्य में काफी सुधार होता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि व्यायाम केवल शारीरिक फिटनेस के बारे में नहीं है, यह तनाव को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है जब युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई फिटनेस को प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि सक्रिय जीवनशैली अपनाकर व्यक्ति दीर्घकालिक बीमारियों से बच सकते हैं और उन्होंने नागरिकों से स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

नेचर क्लब लाइफ सेंटर ने कुकटपल्ली हैदराबाद में अपना चौथा स्टूडियो लॉन्च किया

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेचर क्लब लाइफ सेंटर ने कुकटपल्ली, हैदराबाद में अपने चौथे स्टूडियो के शुभारंभ के साथ अपनी बढमी उपस्थिति का गर्व के साथ विस्तार किया है।

यह अपने मिशन में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसका उद्देश्य परिवार के हर सदस्य के लिए संरचित, समावेशी और उच्च-गुणवत्ता वाले फिटनेस एवं वेलनेस कार्यक्रमों को शुलभ बनाना है।

नया स्टूडियो एक व्यापक फिटनेस और वेलनेस केंद्र है, जहां एक ही छत के नीचे एचआईआईटी, योगा, जुम्बा, एरोबिक्स, मेडिटेशन और फंक्शनल फिटनेस कार्यक्रम उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्टूडियो का उद्घाटन गोपाल बलदावा ने किया और इस अवसर पर नेचर क्बल के सीईओ डॉ. सोमनाथ मजूमदार, कुकटपल्ली फ्रेंचाइजी के एश्वर रेड्डी, डॉ. त्रिविक्रम एस, नेचर क्लब के ऑपरेशन्स हेड के. श्रीधर और नेचर क्लब की प्रशासन प्रमुख पी. भारती उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

यूएनएससी में ...

> दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश भारत को इससे बाहर रखे जाने से ग्लोबल साउथ की कोई आवाज नहीं है।

> सुदूर पूर्व एशिया, दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका जैसे बड़े क्षेत्र का सुरक्षा परिषद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।

> भारत दुनिया की चौथी बड़ी सैन्य ताकत होने के साथ ही संयुक्त राष्ट्र के मिशन में बड़ी संख्या में पीसकीपर भेजता है। यह सभी 5 स्थायी सदस्यों की संयुक्त संख्या से भी ज्यादा है।

भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए बढ़ते समर्थन के खिलाफ पाकिस्तान लंबे समय से एक्टिव रहा है। इसका विरोध करने के लिए एक अनौपचारिक समूह बनाया है, जिसमें इटली, कनाडा और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। इस समूह को कॉफी क्लब के नाम से जाना जाता है, जो यूएनएससी की स्थायी सदस्यता के विस्तार का विरोध करता है। यह समूह स्थायी सदस्य बनाए बिना प्रतिनिधित्व बढ़ाने की मांग करता है।

पीओके में लगे...

'हमें पाकिस्तान की जरूरत नहीं'

प्रदर्शन के दौरान जेएएसी नेता सरदार अमन खान ने कहा, 'हमें पाकिस्तान के राशन की जरूरत नहीं है बल्कि पाकिस्तान को हमारी जरूरत है। अगर जरूरी सामान की सप्लाई बंद रही तो लोग जिंदा रहने के लिए दूसरा रास्ता चुनने को मजबूर होंगे। पाकिस्तान सरकार आंदोलन को दबाने के लिए जरूरी सामान की सप्लाई रोक रही है।

जेएएसी नेता ने सीमाओं को खत्म करने की मांग की और विभाजन के पार संदेश भेजते हुए कहा किहम सीजफायर लाइन को खत्म करना चाहते हैं और हमें आपके समर्थन की जरूरत है। दूसरी तरफ के लोगों से मेरी अपील हैं कि वे आगे आएं। हमने राजनीतिक बातचीत के लिए दरवाजा खुला रखा है तो दूसरे विकल्प भी रखे हैं।

पीओके में बढ़ती कीमतों, विधानसभा सीटों का आरक्षण और स्थानीय प्रशासन के मुद्दों को लेकर शुरू हुआ था। अब यह पाकिस्तान सरकार के खिलाफ एक बड़े विरोध का रूप ले चुका है। जेएएसी के कई नेताओं पर केस दर्ज किए गए हैं और उनको गिरफ्तार किया गया है। इससे लोगों का गुस्सा और भड़क गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सैमसन को न खिलाने के बाद गंभीर ने बात की

संजू की जगह वैभव को डेब्यू को मौका दिया था

मैनचेस्टर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 में भारत के टीम मैनेजमेंट ने खराब फॉर्म से जूझ रहे संजू सैमसन को प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया। उनकी जगह 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का मौका दिया गया।

सैमसन को बाहर किए जाने के बाद टीम के हेड कोच गौतम गंभीर काफी देर तक सैमसन से बातचीत करते नजर आए। दोनों के बीच हुई चर्चा को खिलाड़ी का मनोबल बढ़ाने की कोशिश माना जा रहा है।

इधर, सूर्यवंशी ने डेब्यू मैच के बाद इंस्टा पोस्ट के जरिए अपने फैंस शुक्रिया किया। वे इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में 10 गेंद पर 2 छक्कों के सहारे 14 रन बनाकर आउट हो गए। उनका स्ट्राइक रेट 140.00 का रहा।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे संजू सैमसन पिछले तीन टी-20 मुकाबलों में प्रभाव नहीं छोड़ सके। वे आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों में 0 और 5 रन ही बना पाए। जबकि, इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 में सात गेंद खेलकर सिर्फ एक रन बना सके। लगातार नाकामी के बाद उन्हें ड्रॉप किया और वैभव को डेब्यू का मौका दिया।

मैच से पहले गंभीर सैमसन का हाथ पकड़कर उनसे बात करते नजर आए। माना जा रहा है कि कोच ने उन्हें निराश नहीं होने और आगे के अवसरों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। भारतीय टीम प्रबंधन पहले ही कह चुका है कि नई टी-20 टीम बनाने की प्रक्रिया में खिलाड़ियों को लंबा मौका दिया जाएगा। ऐसे में सैमसन की वापसी की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं मानी जा रही है। सैमसन की गैरमौजूदगी के बावजूद भारत की किस्मत नहीं बदली। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 में भारत ने 190 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया, लेकिन हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने छह गेंद शेष रहते चार विकेट से जीत दर्ज कर ली। इसके साथ ही टीम इंडिया को श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक और हार झेलनी पड़ी।

भारत-ए ने श्रीलंका-ए को 10 विकेट से हराया

बरार ने दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लिए, सुदर्शन के 168 रन; 1-0 से सीरीज जीती

गुरनूर बरार विकेट लेने के बाद

गॉल, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-ए ने श्रीलंका-ए को दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में 10 विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। रविवार को गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में मुकाबले के चौथे और आखिरी दिन तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर मैच में कुल 10 विकेट पूरे किए। पहली पारी में 168 रन बनाने वाले साई सुदर्शन ने दूसरी पारी में भी नाबाद 25 रन बनाए। सीरीज का पहला मुकाबला ड्रॉ रहा था। इससे पहले भारत-ए ने अफगानिस्तान-ए और श्रीलंका-ए वाली वनडे ट्राई सीरीज भी जीती थी। भारत-ए ने चौथे दिन 541/8 से आगे खेलना शुरू किया। सिर्फ 9 गेंद खेलने के बाद यश ठाकुर के आउट होते ही टीम ने 543/9 पर पारी घोषित कर दी। सारांश जैन 70 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि चोटिल ऋतुराज गायकवाड़ बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। पहली पारी के आधार पर भारत-ए को 177 रन की बढ़त मिली। श्रीलंका-ए ने पहली पारी में 366 रन बनाए थे। श्रीलंका-ए की शुरुआत बेहद खराब रही। बरार ने शुरुआती तीन ओवर में सोहन डी लिवेरा और नुवानिडु फर्नांडो को आउट किया। वहीं आकिब नबी ने पवन्था वीरसिंघे का विकेट लिया। मेजबान टीम सिर्फ 9 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी थी। शुरुआती झटकों के बाद अशेन बंडारा ने तेज बल्लेबाजी की। उन्होंने गुरनूर के एक ओवर में लगातार तीन चौके लगाए और सिर्फ 47 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। कप्तान सहान अराच्चिगे ने भी कुछ अच्छे शॉट खेले, लेकिन यश ठाकुर ने उन्हें आउट कर दिया। लंच तक श्रीलंका-ए का स्कोर 115/4 था।

लंच के बाद गुरनूर बरार ने फिर विकेट लिए। उन्होंने अंजला बंडारा और अशेन बंडारा (87) को आउट कर दिया। केशारा नुवांथा (26) और दिलुम सुदीरा (21) ने कुछ संघर्ष किया, लेकिन लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। सारांश जैन ने भी 2 विकेट लिए।

आखिर में गुरनूर ने सुदीरा और दुलाज समुधिता को आउट कर दूसरी पारी 68 रन पर 6 विकेट लिए। पहली पारी में उन्होंने 4 विकेट लिए थे। बरार ने मैच में 145 रन देकर 10 विकेट लिए। श्रीलंका-A दूसरी पारी में 209 रन ही बना सकी। भारत-ए को जीत के लिए सिर्फ 33 रन चाहिए थे। साई सुदर्शन ने 22 गेंदों में नाबाद 25 रन बनाए और चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। अमन मोखाडे 11 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत-A ने 6.2 ओवर में बिना विकेट खोए लक्ष्य हासिल कर 10 विकेट से मुकाबला और 1-0 से सीरीज अपने नाम कर ली।

बाबर 3 साल बाद पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान बने

शान मसूद को खराब प्रदर्शन के कारण हटाया

कराची, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए टेस्ट टीम का ऐलान करते हुए बड़ा फैसला लिया है। शान मसूद को टेस्ट कप्तानी से हटा दिया गया है। बाबर आजम को दूसरी बार टीम की कमान सौंपी गई है। पाकिस्तान इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा।

शान मसूद को खराब प्रदर्शन के बाद हटाया गया है। पाकिस्तान लगातार अपने पिछले सात टेस्ट मैच भी हार चुका है, जो टीम के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे लंबी हार की श्रृंखला है। करीब 3 साल पहले बाबर की जगह टेस्ट कप्तान बनाए गए शान मसूद ने 16 टेस्ट मैचों में कप्तानी की, जिसमें से टीम को 12 हार का सामना करना पड़ा। टेस्ट इतिहास में कोई भी कप्तान अपने शुरुआती 16 टेस्ट में 12 मैच नहीं हारा था।

पाकिस्तान के हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर आकिब जावेद ने कहा- 'टीम बार-बार जीते हुए मैच गंवा रही है। शान मसूद की कप्तानी में लीडरशिप नजर नहीं आती है।

जावेद ने कहा, 'शान का व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा रहा, लेकिन कप्तान के रूप में वे टीम को नतीजे नहीं दिला सके। कप्तान की जिम्मेदारी सिर्फ टॉस तक सीमित नहीं होती, बल्कि मैच को खत्म करना, डीआरएस लेना और टीम को सही दिशा देना भी उसकी जिम्मेदारी है।'

जावेद ने साफ किया है कि कप्तानी से हटाए जाने के बाद शान मसूद टेस्ट टीम का हिस्सा रहेंगे। जावेद ने कहा- कप्तान बदलने का फैसला शान मसूद के बल्लेबाजी प्रदर्शन से जुड़ा नहीं है। कप्तान बनने के बाद उनका बल्लेबाजी औसत पहले से बेहतर हुआ और उन्होंने इस दौरान दो शतक तथा सात अर्धशतक लगाए।

बाबर आजम दूसरी बार पाकिस्तान की टेस्ट टीम की कप्तानी संभालेंगे। इससे पहले उनके नेतृत्व में पाकिस्तान ने 20 टेस्ट में 10 जीत दर्ज की थीं। उनकी कप्तानी में टीम ने दक्षिण अफ्रीका को घरेलू सीरीज में 2-0 से हराया था, जबकि बांग्लादेश और श्रीलंका में भी टेस्ट सीरीज जीती थी। हालांकि उनके कार्यकाल में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 3-0 की ऐतिहासिक हार भी मिली थी।

फ्रांस चौथी बार फीफा वर्ल्डकप के क्वार्टर फाइनल में

एमबाप्पे ने हाथ नहीं मिलाया तो पैराग्वे के गोलकीपर ने फुटबॉल मारी

फिलाडेल्फिया, 5 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस फुटबॉल वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है। उसने चौथी बार टॉप-8 में जगह बनाई है। फ्रांसीसी टीम ने रविवार सुबह खेले गए मैच में पैराग्वे को 1-0 से हराया। स्टार फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे ने दूसरे हाफ में पेनल्टी पर निर्णायक गोल किया।

फिलाडेल्फिया स्टेडियम में मैच के बाद पैराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल खेल भावना के तहत एमबाप्पे से हाथ मिलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन एमबाप्पे ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। इससे निराश गिल ने फुटबॉल एमबाप्पे की ओर उछाल दी, जोकि फ्रांस के फॉरवर्ड की पीठ पर लगी।

फ्रांस का क्वार्टर फाइनल मैच 9 जुलाई की रात 1:30 बजे से मोरक्को से होगा। मोरक्को ने राउंड ऑफ 16 के पहले मुकाबले में मेजबान कनाडा को 3-0 के अंतर से मात दी। इस जीत के साथ मोरक्को वर्ल्ड कप इतिहास में एक से ज्यादा बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। इससे पहले वह 2022 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था।

एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप करियर का 19वां गोल किया। वे अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे रह गए हैं।

मौजूदा टूर्नामेंट में भी एमबाप्पे के अब 7 गोल हो चुके हैं। वे गोल्डन बूट की दौड़ में मेसी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

पैराग्वे ने डिफेंसिव खेल दिखाया। 70वें मिनट में VAR (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) रिव्यू के बाद फ्रांस को पेनल्टी मिली। डिएगो गोमेज पर फाउल का फैसला आने के बाद किलियन एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई।

पैराग्वे ने पूरे मैच में फ्रांस के हमलों को काफी हद तक रोके रखा। दूसरे हाफ में एमबाप्पे को एक शानदार मौका मिला, लेकिन वे ब्रेकअवे का फायदा नहीं उठा सके। मैनू कोने का दमदार शॉट गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया। स्टॉपेज टाइम में भी गिल ने एमबाप्पे के दो बेहतरीन प्रयास विफल कर मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। 50वें मिनट में अचरफ हकीमी की फ्री-किक पर मिले पास को अजेद्दीन ऊनाही ने बॉक्स के बाहर से शानदार राइट फुटेड शॉट के जरिए गोल में बदलकर मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिलाई।

82वें मिनट में ब्राहिम डियाज के पास पर ऊनाही ने अपना दूसरा गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद इंजरी टाइम के अंतिम मिनट में सूफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर कनाडा की वापसी की उम्मीद पूरी तरह खत्म कर दी।

78वें मिनट में जोनाथन डेविड को फ्री-किक पर गोल करने का मौका मिला, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर निकल गया। इसके तुरंत बाद ताजोन बुकानन के दूर से लगाए गए शॉट को गोलकीपर यासीन बूनू ने डाइव लगाकर बचा लिया। कनाडा में जन्मे और मोरक्को से खेल रहे बूनू ने मैच में तीन अहम बचाव किए।

21 साल की ईला ने विंबलडन चैंपियन स्वियातेक को हराया

स्वियातेक बोली थीं- जो भी करना, 100% देना; 3 साल बाद ईला ने मात दी

लंदन, 5 जुलाई (एजेंसियां)। विंबलडन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर 21 साल की एलेक्जेंड्रा ईला ने डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-6 (9), 6-2 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। वे किसी भी ग्रैंड स्लैम सिंगल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। मैच जीतने के बाद ईला कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं और भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, 'अपने देश के लोगों का समर्थन मेरे लिए बेहद खास है। यह जीत मैं अपने परिवार और फिलीपींस की सभी छोटी लड़कियों को समर्पित करती हूं।'

एलेक्जेंड्रा ईला

3 साल पहले स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन जीता था। इसके बाद राफेल नडाल एकेडमी गई थीं। यहीं से ईला ग्रेजुएशन कर रही थी। स्वियातेक ने ईला को सर्टिफिकेट दिया था। स्वियातेक ने अपनी स्पीच में कहा था- जो भी करना, उसमें अपना 100% देना। ईला ने स्वियातेक को दूसरी बार मात दी है। वे पिछले साल मियामी ओपन में भी स्वियातेक को हरा चुकी हैं। आज की जीत के बाद ईला ने कहा- 'स्कूल के बाद रफल्ड मोजे और लाइट वाले जूते पहनकर मैं रोज ट्रेनिंग के लिए जाती थी। आज की यह जीत बचपन की उस छोटी ईला, मेरे परिवार, मेरे देश और उन सभी लड़कियों के नाम है, जो बड़े सपने देखती हैं।' फिलीपींस में बड़ी होने के दौरान ईला के पास ग्रास कोर्ट पर खेलने का विकल्प नहीं था। इसके बजाय वे एक ऐसे कोर्ट का इस्तेमाल करती थीं, जो बास्केटबॉल कोर्ट था। ईला ने कहा, 'वहां बास्केटबॉल हूप्स होते थे, इसलिए मैं ज्यादा पीछे नहीं हट सकती थी। क्योंकि, तब मैं बास्केटबॉल हूप से टकरा जाती।' युवा स्टार ईला ने लेडीज सिंगल्स में दुनिया की नंबर-3 की इगा स्वियातेक को 2 घंटे 15 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों से हराया। पहले सेट में ईला ने टाईब्रेक के दौरान 2 सेट प्वाइंट बचाए और 7-6 (9) से बढ़त बना ली। ईला ने दूसरे सेट में उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए स्वियातेक को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 6-2 से सेट को अपने नाम किया। वे अब राउंड ऑफ 16 में 13वीं सीड जैस्मिन पाओलिनी का सामना करेंगी। पोलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने पिछले साल विंबलडन का खिताब जीता था। हार के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि अहम मौकों पर ईला ने उनसे बेहतर खेल दिखाया।

लेडीज सिंगल्स के अन्य मुकाबलों में दूसरी वरीयता प्राप्त और 2022 की चैंपियन एलिना रायबाकिना को बेल्जियम की एलिस मर्टेंस ने 7-6 (7-4), 6-1 से हराया। इस हार के बाद यह भी तय हो गया कि आर्यना सबालेंका महिला रैंकिंग में नंबर-1 बनी रहेंगी। उधर, पिछले साल की उपविजेता अमांडा अनिसिमोवा को मैडिसन कीज ने 3-6, 6-2, 6-3 से हराकर बाहर कर दिया। हार के बाद अनिसिमोवा कोर्ट पर भावुक नजर आईं। स्वियातेक की हार के साथ यह सिलसिला भी जारी रहा कि 2016 में सेरेना विलियम्स के बाद कोई भी महिला खिलाड़ी विंबलडन का खिताब लगातार नहीं बचा सकी है।

सेरेना विलियम्स ने बाएं घुटने में सूजन के कारण अपनी बहन वीनस विलियम्स के साथ डबल्स मुकाबले से नाम वापस ले लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि वीनस के साथ फिर से कोर्ट पर उतरना उनके लिए खास मौका होता, लेकिन चोट के कारण ऐसा संभव नहीं हो सका।

पंजाब की बेटी देश की पहली महिला पावरस्लैप फाइटर बनी

अबू धाबी में थप्पड़ से चेहरा फटा, 9 टांके लगे; अब ऑस्ट्रेलिया में भिड़ेंगी

नवांशहर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के नवांशहर की मनजोत कौर रत्तू पावर स्लैप गेम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतरने वाली पहली भारतीय फाइटर बन गई हैं। अबू धाबी में अपने पहले मुकाबले में हार के बावजूद उन्होंने जज्बे की मिसाल पेश की।

फाइट के दौरान स्लैप लगते ही उनका चेहरा फट गया और 9 टांके लगे, लेकिन कोच के मुकाबला छोड़ने के सुझाव को ठुकराते हुए उन्होंने तीनों राउंड पूरे किए। वह क्लोज फाइट में हारीं। इसके बावजूद विरोधी के 30 अंक के मुकाबले 23 अंक बटोरे। अब मनजोत 18 जुलाई को सिडनी में होने वाले अगले मुकाबले में उतरेंगी।

पटियाला फिजिकल कॉलेज से बीपीएड की पढ़ाई करने वाली मनजोत प्रोफेशनल बॉक्सर भी हैं। अपनी लगन के दम पर मनजोत आज दुनिया भर की लड़कियों के लिए प्रेरणा बन गई हैं। शुरुआत में वह किक बॉक्सिंग और कबड्डी में भी हाथ आजमा चुकी हैं।

स्कूल के दिनों में चुना खेल का रास्ताः 28 साल की मनजोत कौर रत्तू ने बताया कि पढ़ाई में उनका ज्यादा मन नहीं लगता था और उन्हें मैथ्स से डर लगता था। इसी वजह से उन्होंने स्कूल के दिनों में खेलों की ओर रुख किया। साल 2015 में उन्होंने अपने खेल करियर की शुरुआत की और शुरुआती दौर में किक बॉक्सिंग व कबड्डी खेलीं।

2021 में प्रोफेशनल बॉक्सिंग में रखा कदमः करीब 6 साल तक अलग-अलग खेलों में हाथ आजमाने के बाद मनजोत ने 2021 में प्रोफेशनल बॉक्सिंग को अपना करियर बनाया। 2022 में थाईलैंड में अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय फाइट जीती। इसके बाद 2024 में ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन और 2025 में न्यूजीलैंड में मैच खेले। न्यूजीलैंड में उन्होंने दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी मिया मोटू के साथ मैच खेलकर पहचान बनाई।

न्यूजीलैंड में 14 नवंबर, 2025 को खेले गए मुकाबले में मिया मोटू (बाएं) ने मनजोत रत्तू (दाएं) को पहले ही राउंड में टेक्निकल नॉकआउट से हरा दिया था। यह मैच शुरू होते ही महज 13 सेकेंड के भीतर खत्म हो गया, जब रेफरी ने मुकाबले को रोक दिया।

न्यूजीलैंड में 14 नवंबर, 2025 को खेले गए मुकाबले में मिया मोटू (बाएं) ने मनजोत रत्तू (दाएं) को पहले ही राउंड में टेक्निकल नॉकआउट से हरा दिया था। यह मैच शुरू होते ही महज 13 सेकेंड के भीतर खत्म हो गया, जब रेफरी ने मुकाबले को रोक दिया।

कोच से मिला पावर स्लैप का आइडियाः मनजोत के कोच जसकरण सिंह ने उन्हें पावर स्लैप खेल के बारे में बताया। कोच पहले दुबई में इस खेल से जुड़े रहे थे। जब मनजोत को पता चला कि भारत की कोई लड़की इस खेल में नहीं उतरी है, तो उन्होंने देश की पहली महिला पावर स्लैप खिलाड़ी बनने का लक्ष्य तय कर लिया।

चोटों के बावजूद चुना नया चैलेंजः मनजोत ने बताया कि पावर स्लैप में चोट लगने का खतरा काफी ज्यादा होता है और शुरुआत में उन्हें इसके नियमों की भी पूरी जानकारी नहीं थी। इसके बावजूद उन्होंने चुनौती स्वीकार की और अबू धाबी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पावर स्लैप प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

तीसरे राउंड में चेहरा फटा, फिर भी मुकाबला पूरा कियाः मुकाबले के तीसरे राउंड में प्रतिद्वंद्वी निक्की शेफर का जोरदार थप्पड़ लगने से उनका माउथगार्ड बाहर निकल गया। इससे गाल और होंठ अंदर से बुरी तरह फट गए और खून बहने लगा। कोच ने मुकाबला छोड़ने की सलाह दी, लेकिन मनजोत ने पीछे हटने से इनकार कर दिया। उन्होंने तीनों राउंड पूरे किए। बाद में उनके चेहरे पर 9 टांके लगाने पड़े।

परिवार ने खेल छोड़ने को कहाः चेहरे पर गंभीर चोट लगने के बाद परिवार काफी घबरा गया। परिजनों ने उन्हें यह खेल छोड़ने की सलाह दी, लेकिन मनजोत ने अपने फैसले पर कायम रहने का निर्णय लिया। उनका कहना है कि हर बड़े मुकाम तक पहुंचने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

दूसरा टेस्ट-श्रीलंका ने 549 रनों पर पहली पारी घोषित की

दूसरे दिन वेस्टइंडीज का स्कोर 58/1

एंटीगुआ, 5 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ मजबूत शुरुआत की। टीम ने एंटीगुआ में अपनी पहली पारी 549/9 पर घोषित की। जवाब में वेस्टइंडीज ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 58 रन बनाए। टीम अभी श्रीलंका से 491 रन पीछे है। ओपनर जॉन कैंपबेल 31 रन और कावेम हॉज 6 रन बनाकर नाबाद लौटे। श्रीलंका ने 338/5 से खेलना शुरू किया। दिन ने पहले सेशन में कोई विकेट नहीं गंवाया। उसने टी-ब्रेक तक 500 रन का आंकड़ा पार कर लिया था। तीसरे सेशन में पारी घोषित कर दी। कुसल मेंडिस और सोनल दिनुषा ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। कुसल मेंडिस ने शून्य और सोनल दिनुषा ने 5 रन से अपनी-अपनी पारी आगे बढ़ाई। लंच के बाद कुसल मेंडिस ने जेडन सील्स और अल्जारी जोसेफ पर तेजी से रन बनाए। उन्होंने दिनुषा के साथ छठे विकेट के लिए 246 गेंदों में 143 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को एंडरसन फिलिप ने मेंडिस को बोल्ड करके तोड़ा। मेंडिस स्कूप शॉट खेलने की कोशिश में बोल्ड हुए। मेंडिस के आउट होने के बाद सोनल दिनुषा और मिलन रथनायके ने 36 रन जोड़े। फिर कप्तान रोस्टन चेज ने पार्ट टाइम स्पिनर कावेम हॉज को गेंद सौंपी। दिनुषा ने उनकी पहली दो गेंदों पर चौके लगाए, लेकिन तीसरी गेंद पर कवर में कैच देकर 92 रन पर आउट हो गए। वे अपने पहले टेस्ट शतक से 8 रन दूर रह गए। वेस्टइंडीज की फील्डिंग दूसरे दिन भी कमजोर रही। जॉन कैंपबेल ने स्लिप में कुसल मेंडिस का आसान कैच छोड़ा, जिसका मेंडिस ने पूरा फायदा उठाया। वहीं श्रीलंका ने भी तीन कैच गंवाए।

वैभव, अभिषेक, ईशान और तिलक एक ही पैटर्न पर चल रही टीम इंडिया, यह रणनीति कहीं नैया न डुबो दे

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू हो गया है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में संजू सैमसन की जगह उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। वैभव के डेब्यू से पूरा क्रिकेट जगत खुश है लेकिन इससे टीम इंडिया की बैटिंग लाइनअप वन डायमेंशनल हो चुकी है। भारत के टॉप-7 बल्लेबाजों में सिर्फ एक ही राइड हैंडर बचा है। चाहकर भी कप्तान और हेड कोच गौतम गंभीर क्रीज पर बाएं और दाएं हाथ का कॉम्बिनेशन नहीं रख पाएंगे।

क्रिकेट का खेल काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके बाद भी बल्लेबाजी में विविधता जरूरी है। गेंदबाजों को बैकफुट पर रहने के लिए टीमें राइट और लेफ्ट का कॉम्बिनेश क्रीज पर रखती है। इसके गेंदबाजों को बार-बार लाइन लेंथ बदलनी पड़ती है। कप्तान को फील्डिंग भी चेंज भी लगातार बदलना पड़ता है। लेकिन भारतीय टीम के बल्लेबाजी लाइनअप में सिर्फ बाएं हाथ के ही बल्लेबाज दिख रहे हैं। अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे और अक्षर पटेल सभी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं।

बाएं हाथ के बल्लेबाज पारंपरिक रूप से ऑफ स्पिन के खिलाफ कमजोर होते हैं। भारत और इंग्लैंड के दूसरे टी20 में यह देखने को भी मिला। इंग्लैंड के लिए विल जैक्स ने तीन ओवर डाले। इसमें सिर्फ 22 रन देकर उन्होंने वैभव सूर्यवंशी का विकेट ले लिया। भारतीय टीम ने साढ़े 9 की रन रेट से रन बनाए लेकिन जैक्स ने 8 से भी कम की इकोनॉमी से रन खर्च किए।

फरवरी-मार्च में हुए टी20 विश्व कप के शुरुआती मैच में भारत के लिए अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ओपनिंग कर रहे थे। वहीं तिलक वर्मा तीसरे नंबर पर आ रहे थे। टी20 विश्व कप के शुरुआती 5 मैचों में भारतीय सलामी जोड़ी का औसत सिर्फ 6.80 का था। पहले मैच में 8, दूसरे में 25, तीसरे में एक, चौथे में जीरो और 5वें में जीरो के स्कोर पर भारत का पहला विकेट गिरा। 5 मैचों में ओपनिंग जोड़ी ने मिलकर 34 रनों की साझेदारी की थी।

विपक्षी टीमों को पार्ट टाइम गेंदबाज टीम इंडिया के लिए परेशानी खड़ी करने लगे थे। इसके बाद भारत को रणनीति बदलनी पड़ी। छठे मैच में अभिषेक शर्मा के साथ संजू सैमसन ओपनिंग के लिए उतरे। ईशान किशन को तीसरे नंबर पर भेजा गया तो तिलक वर्मा 5वें नंबर पर आने लगे। चौथे नंबर पर कप्तान सूर्यकुमार यादव खेल रहे थे। यहां से सब कुछ बदल गया। संजू ने ऑफ स्पिनर्स को टैकल किया। भारत ने अंत में टूर्नामेंट को अपने नाम किया।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश?

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई। फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली।

किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध : मंत्री वकिटि श्रीहरि

दूध उत्पादकों के किसानों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया

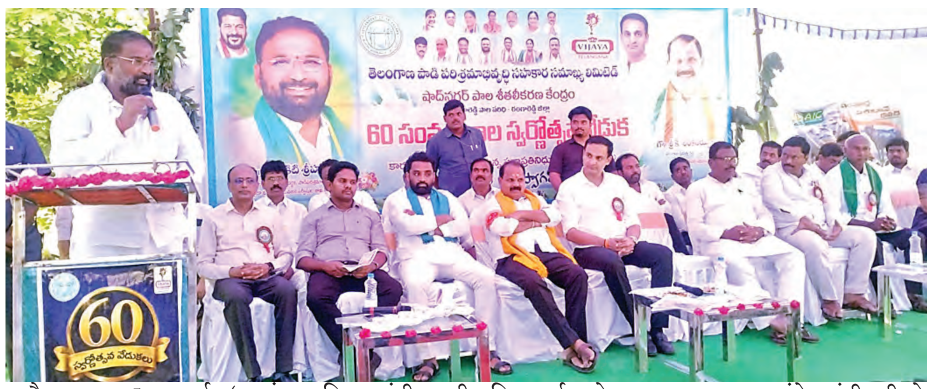

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास, खेल और युवा सेवा राज्य मंत्री वकिटि श्रीहरि ने रविवार को शादनगर में विजया डेयरी के दूध उत्पादकों के किसानों के साथ आयोजित तेलंगाना राज्य डेयरी विकास सहकारी संघ लिमिटेड (टीएसडीडीसीएफ) की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री जी ने स्पष्ट किया कि सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत के फलस्वरूप विजया डेयरी का देश में पांचवें स्थान पर होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि सरकार दूध उत्पादकों को मिल रहे मौजूदा मूल्य को और बेहतर बनाने तथा प्रोत्साहन राशि बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि किसानों की मुख्य समस्या बिल भुगतान का मुद्दा सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ उठाया गया है और इस विषय पर कई उच्च स्तरीय बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने विधायक वीरलापल्ली शंकर, विजया डेयरी के अध्यक्ष अमित रेड्डी और प्रबंध निदेशक चंद्रशेखर से इस मामले पर चर्चा की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आवश्यकता पड़ने पर वे वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क से मुलाकात करेंगे और बिल संबंधी समस्या का शीघ्र समाधान निकालेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में तेलंगाना में प्रतिदिन लगभग 20 लाख लीटर दूध खरीदा जा रहा है और सरकार भविष्य में इस मात्रा को बढ़ाकर 22 लाख लीटर करने के उद्देश्य से एक कार्य योजना तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय किसानों से प्राप्त दूध को प्राथमिकता दी जाएगी और आवश्यकतानुसार अन्य राज्यों से दूध की खरीद कम करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। मंत्री जी ने बताया कि कर्नाटक की तर्ज पर डेयरी उद्योग को और मजबूत करने के लिए एक व्यापक अध्ययन किया जा रहा है और बैंकों के सहयोग से किसानों के हित में एक नई योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान भागीदारी, बैंक ऋण और सरकारी सब्सिडी सहित एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है और इसके पूरा होते ही शादनगर स्थित विजया डेयरी परिसर में एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी और नई योजना की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार यह भलीभांति समझती है कि दुग्ध उत्पादक किसानों का काम बेहद कठिन होता है और उनकी दिनचर्या प्रतिदिन सुबह जल्दी शुरू होती है। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे और भैंसों और गायों की खरीद एवं दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए एक विशेष योजना लागू की जाएगी। मंत्री ने कहा कि विजया डेयरी का विकास और दूध उत्पादकों का कल्याण सरकार की जिम्मेदारी है, और किसानों का विश्वास बनाए रखने और तेलंगाना में डेयरी उद्योग को और मजबूत करने के लिए सभी मुद्दों को चरणबद्ध तरीके से हल किया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक वीरलापल्ली शंकर, विजया डेयरी के अध्यक्ष अमित रेड्डी, प्रबंध निदेशक चंद्रशेखर, विभिन्न संगठनों के अध्यक्ष, जन प्रतिनिधि, अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

17 जुलाई को श्रीवारी मंदिर में अनिवारा अस्थानम

तिरुमला, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वार्षिक पारंपरिक लेखा उत्सव अनिवारा अस्थानम का आयोजन 17 जुलाई को श्रीवारी मंदिर में भव्य तरीके से किया जाएगा। इस उत्सव के उपलक्ष्य में, पारंपरिक मंदिर सफाई अनुष्ठान, अलवार तिरुमंजनम का आयोजन 14 जुलाई को किया जाएगा। इन दो धार्मिक आयोजनों के मद्देनजर, टीटीडी ने प्रोटोकॉल के गणमान्य व्यक्तियों को छोड़कर इन दोनों दिनों में वीआईपी ब्रेक दर्शन रद्द कर दिए हैं। इसलिए 13 और 16 जुलाई को वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए अनुशंसा पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे इन परिवर्तनों पर ध्यान दें और टीटीडी के साथ सहयोग करें। दूसरी ओर, कल्याणोत्सवम, उंजाल सेवा, अर्जित ब्रह्मोत्सवम और सहस्र दीपालंकार सेवा भी 17 जुलाई को रद्द रहेगी।

केसीआर सरकार ने केवल 4 लाख करोड़ का ऋण लिया : पूर्व मंत्री तलसानी

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के उप-प्रवेश नेता तलसानी श्रीनिवास यादव ने रविवार को कहा कि बीआरएस सरकार के दस साल के कार्यकाल के दौरान, पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर ने विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए केवल 4 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया। उन्होंने ये बातें शहर के तेलंगाना भवन में जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के लिए आयोजित एक बैठक में कही। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने बीआरएस पार्टी द्वारा लिए गए कर्ज के संबंध में झूठा प्रचार करने के लिए कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर जमकर हमला बोला। उन्होंने पूछा कि ढाई साल में 4 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेकर कांग्रेस पार्टी ने क्या हासिल किया है? उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत की आलोचना करते हुए कहा कि जब उनसे कांग्रेस पार्टी के बारे में सवाल किया गया, जो झूठे वादों के बल पर सत्ता में आई थी, तो उन्होंने अपशब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने पूर्व विधायक मगांटी गोपीनाथ द्वारा जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों की प्रशंसा की और आरोप लगाया कि जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान सत्ता का दुरूपयोग हुआ था। उन्होंने पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची के संशोधन के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी और उनसे यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि योग्य नागरिकों के वोट रद्द न हों। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी व्यक्ति मतदाता के रूप में पंजीकरण कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम चुनावों में केवल उन्हीं लोगों को अवसर दिया

जाएगा जिन्हें जनता का स्नेह और समर्थन प्राप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी को बहस के लिए चुनौती देने के बाद पूर्व मंत्री हरीश राव को गैरकानूनी रूप से गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के नेताओं को चेतावनी दी कि बीआरएस सरकार ढाई साल बाद सत्ता में वापस आएगी और वापसी पर ब्याज सहित कर्ज चुकाएगी।

मेट्रो के पहले और दूसरे चरण के लिए त्वरित मंजूरी की मांग की

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्र को पत्र लिखकर अनुमति देने का अनुरोध किया

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी और मनोहर लाल खट्टर को अलग-अलग पत्र भेजकर हैदराबाद मेट्रो के प्रथम चरण के अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने और द्वितीय चरण के विस्तार की अनुमति देने का अनुरोध किया। अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वह रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ 24 जून को केंद्रीय मंत्रियों के साथ हैदराबाद मेट्रो रेल के दूसरे चरण की मंजूरी और पहले चरण के अधिग्रहण के संबंध में हुई चर्चाओं पर अनुवर्ती कार्रवाई कर रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने बताया कि इन प्रस्तावित परियोजनाओं में देरी के कारण मेट्रो के प्रथम चरण के संचालन में लगातार चुनौतियां और अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि द्वितीय चरण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी देने और धनराशि जुटाने में देरी से परियोजना के क्रियान्वयन में और अधिक समय लग सकता है और लागत में काफी वृद्धि हो सकती है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों से एसबीआई सीएपीएस को सौंपे गए कार्य में तेजी लाने और यथाशीघ्र तेलंगाना सरकार को कार्यक्षेत्र की शर्तों को अंतिम रूप देने और सूचित करने की अपील की। रेवंत रेड्डी ने कहा, इससे बैठक में लिए गए निर्णयों का शीघ्र कार्यान्वयन सुनिश्चित होगा, जिससे प्रथम चरण की अधिग्रहण प्रक्रिया पूर्ण रूप से संपन्न हो सकेगी और द्वितीय चरण के विस्तार कार्य की समयबद्ध शुरूआत हो सकेगी।

भाजपा का बड़ा बयान- सीएम रेवंत रेड्डी बने 'मुंगेरीलाल'

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा के मुख्य आधिकारिक प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एनवी सुभाष ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी 'मुंगेरी लाल' बन गए हैं, जो हमेशा अवास्तविक और अपूर्ण सपनों के बारे में दिवास्वप्न देखते रहते हैं।

रेवंत रेड्डी के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनका अगला राजनीतिक मिशन 2029 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है, सुभाष ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी "मुंगेरी लाल" बन गए हैं, जिनके सपने कभी पूरे नहीं हुए। सुभाष ने तंज कसते हुए कहा कि वे तेलंगाना राज्य में दिमाग के सपने देखने वाले बनकर रह गए हैं।

गांधी परिवार के किसी सदस्य के प्रधानमंत्री बनने का युग बीत चुका है और इस सर्वोच्च पद के लिए एक परिपक्व राजनीतिज्ञ को चुना जाना चाहिए जो देश की जनता के विकास और कल्याण के लिए प्रयासरत हो, न कि ऐसे नेता को जिसके स्वभाव में बचकानापन हो।

उन्होंने कहा कि देश की जनता अब कांग्रेस पार्टी की तुष्टीकरण नीति और कपटपूर्ण रणनीति को समझ चुकी है और विभिन्न चुनावों में बार-बार पार्टी को नकार चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अपनी कुर्सी बचाने के लिए इस तरह की टिप्पणियां करके अपने दिल्ली दरबार के नेताओं को सम्मोहित करने की कोशिश कर रहे हैं।

सरकार का लक्ष्य अपने घर के सपने को साकार करना : मंत्री

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास, खेल और युवा सेवा राज्य मंत्री वकिटि श्रीहरि ने रविवार को शादनगर निर्वाचन क्षेत्र के फरुखनगर मंडल के अन्नाराम गांव में एक आदिवासी महिला नेनावत ज्योति द्वारा निर्मित इंदिरम्मा इंटी के गृहप्रवेश समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर शादनगर के विधायक वीरलापल्ली शंकर ने तेलंगाना डेयरी विकास सहकारी संघ के अध्यक्ष अनित रेड्डी के साथ लाभार्थी को बधाई दी और नए घर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार हर पात्र गरीब परिवार के घर के सपने को साकार करने के उद्देश्य से इंदिरम्मा आवास योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के जीवन में स्थायी बदलाव लाने के उद्देश्य से निरंतर कल्याणकारी और विकास कार्यक्रम चला रही है। मंत्री जी ने कहा कि लाभार्थी नेनावत ज्योति के चेहरे पर दिखी खुशी ने उन्हें अत्यंत संतोष दिया। मंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं कहा था कि सरकार द्वारा चलाई जा रही मुफ्त बस यात्रा और चावल वितरण जैसी कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। इसके बाद मंत्री ने ग्रामीणों से बातचीत की और राज्य सरकार द्वारा लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं जैसे मुफ्त बस यात्रा, चावल वितरण, किसानों को मुफ्त बिजली, आरोग्यश्री, कल्याणा लक्ष्मी आदि के कार्यान्वयन पर उनके विचार जाने और उनसे प्राप्त लाभों के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर मंत्री जी ने कहा कि लक्ष्मी देवीपल्ली परियोजना के पूरा होने से कृषि का विकास होगा और आसपास के गांवों और खेतों को सिंचाई का पानी मिलने से क्षेत्र की उर्वरता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यदि जन प्रतिनिधि और जनता मिलकर काम करें तो क्षेत्र का विकास और भी तेजी से होगा। कार्यक्रम में आरडीओ सरिता, तहसीलदार नागैया, एमपीडीओ श्रीकांत, आवास विभाग के परियोजना निदेशक चंपला नायक, उप अभियंता सुरेश, संबंधित विभागों के अधिकारी, स्थानीय जन प्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे।

ट्रेन की चपेट में आने से चार लोगों की मौत

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले में ट्रेन की चपेट में आने से चार लोगों की जान चली गई, जिनमें तीन महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले के उंगुटुर मंडल के चेब्रोल के पास शनिवार देर रात यह हादसा हुआ। चेरलापल्ली-शालीमार स्पेशल ट्रेन की चपेट में आने से एक पुरुष और तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसा इतना भीषण था कि चारों के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए और उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। सूचना मिलते ही ताडेपल्लीगुडेम जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और शवों को अस्पताल भेजा। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि चारों एक ही परिवार के सदस्य हो सकते हैं और उन्होंने संभवतः आत्महत्या की है। सभी की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

मौके से पुलिस को एक महिला के पास से शेख हसीना के नाम का एटीएम कार्ड मिला। वहीं दूसरी महिला के पास ताडेपल्लीगुडेम आरटीसी डिपो की बाइक पार्किंग रसीद मिली। इसके अलावा घटनास्थल से दो मोबाइल फोन भी बरामद हुए, लेकिन दोनों पूरी तरह क्षतिग्रस्त थे। पुलिस अब सिम कार्ड से डेटा निकालकर मृतकों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए ताडेपल्लीगुडेम क्षेत्रीय अस्पताल भेज दिया गया है। जीआरपी ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बालापुर थाना पुलिस ने कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की शिकायत पर एआईएमआईएम के कुछ कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, वादी-ए-सालेहीन निवासी और कांग्रेस कार्यकर्ता सैयद नियाज़ (34) ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 30 जून को वह चुनाव संबंधी कार्य के लिए पार्टी कार्यालय में मौजूद थे। इसी दौरान एआईएमआईएम के स्थानीय नेता मोहम्मद अब्दुल्ला सादिक अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे और कथित रूप से कार्यालय को जलाने की धमकी दी। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्हें चाकू दिखाकर डराया गया, कांग्रेस नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और कार्यकर्ताओं को इलाके में न आने की चेतावनी दी गई।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि 1 जुलाई को घर-घर चुनाव प्रचार के दौरान एआईएमआईएम के कुछ कार्यकर्ताओं ने फिर उनका रास्ता रोका, गाली-गलौज की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर रही है।

एक ही नंबर प्लेट से चल रही थीं तीन स्कूटर

टास्क फोर्स ने तीन आरोपियों को दबोचा

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस की कमिश्नर टास्क फोर्स (चारमीनार ज़ोन) ने एक ही पंजीकरण नंबर का इस्तेमाल कर तीन अलग-अलग दोपहिया वाहनों को चलाने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सरकारी एजेंसियों, प्रवर्तन अधिकारियों और वाहन वित्तपोषक संस्था को गुमराह करने के उद्देश्य से यह धोखाधड़ी कर रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नाकोटी मल्लिकार्जुन (28), भीम अजय रेड्डी (29) और कोप्पुला धनराज (30) के रूप में हुई है। तीनों सिकंदराबाद के पारसिगुट्टा क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से एक ही नंबर प्लेट टीएस09 एफई 4997 लगी तीन होंडा एक्टिवा स्कूटरें जब्त की हैं। पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई को चारमीनार ज़ोन टास्क फोर्स की टीम ने वारासिगुड़ा थाना क्षेत्र में जांच के दौरान भीम अजय रेड्डी को उक्त नंबर प्लेट लगी होंडा एक्टिवा चलाते हुए पकड़ा। वाहन के इंजन और चेसिस नंबर की जांच में पता चला कि यह वाहन पंजीकृत नहीं था और उस पर वित्तीय बकाया भी था।

जांच में सामने आया कि वाहन मूल रूप से साई राम का था, जिसने बकाया रकम के बदले इसे नाकोटी मल्लिकार्जुन को सौंप दिया था। वाहन पर इंडसइंड बैंक का करीब 36 हजार रुपये का बकाया था। बैंक द्वारा जब्ती की कार्रवाई से बचने के लिए मल्लिकार्जुन ने अपनी वैध स्कूटर की नंबर प्लेट की नकल तैयार कर उसे इस वाहन पर लगा दिया। बाद में उसने यही नंबर प्लेट अपने मित्रों भीम अजय रेड्डी और कोप्पुला धनराज की स्कूटरों पर भी लगाने की अनुमति दी, ताकि बिना पंजीकरण वाले वाहनों पर चालान और अन्य कार्रवाई से बचा जा सके। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपी एक ही पंजीकरण नंबर का उपयोग कर अलग-अलग होंडा एक्टिवा चला रहे थे और सरकारी विभागों, प्रवर्तन एजेंसियों तथा वित्तीय संस्थानों को धोखा देने का प्रयास कर रहे थे।

इस मामले में वारासिगुड़ा पुलिस थाने में अपराध संख्या 243/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) और 316(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। मामले का खुलासा चारमीनार ज़ोन टास्क फोर्स के निरीक्षक एस. सैदाबाबू के नेतृत्व में एसआई के. रामाराव, एम. महेश, एम. मधु, कांस्टेबल एन. लक्ष्मण तथा उनकी टीम ने किया।

सतीश कुमार ने काजीपेट और चेर्लापल्ली स्थित रेलवे विनिर्माण इकाई का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सतीश कुमार, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), रेलवे बोर्ड रविवार को रेलवे विनिर्माण इकाई (आरएमयू), काजीपेट, चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल, जनगांव अमृत स्टेशन और आईआरआईसेट का विस्तृत निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, सिकंदराबाद डिवीजन के मंडल रेलवे प्रबंधक डॉ.आर. गोपालकृष्णन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी मौजूद थे। सतीश कुमार ने काजीपेट रेलवे स्टेशन से निरीक्षण शुरू किया, जहां उन्होंने अमृत स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की और स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया। सतीश कुमार ने काजीपेट में बन रही रेलवे विनिर्माण इकाई (आरएमयू) का दौरा किया, जिसका निर्माण 597.68 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है। इस आरएमयू का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के आधुनिक रोलिंग स्टॉक और अगली पीढ़ी के रेलवे कोचों का निर्माण और रखरखाव करना है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने आरएमयू में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

आरवीएनएल के अधिकारियों ने साइट कार्यालय में उपलब्ध लघु मॉडल का प्रदर्शन करते हुए विनिर्माण इकाई की भौगोलिक स्थिति समझाई। संबंधित अधिकारियों ने प्रत्येक इकाई की कार्यप्रणाली और कार्यों की प्रगति के बारे में विस्तृत पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन भी दी। इसके अलावा, उन्होंने मुख्य शेड, बोगी शॉप, पेंट शॉप, व्हील शॉप और टेस्टिंग शॉप का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत की और आरवीएनएल में चल रहे कार्यों की प्रगति और इसके लाभों के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा, अध्यक्ष एवं सीईओ ने काजीपेट से चेर्लापल्ली तक रेलवे लाइन का निरीक्षण किया। रास्ते में उन्होंने जंगांव रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं, आवागमन क्षेत्र और चल रहे पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की।

चेर्लापल्ली स्टेशन पर सतीश कुमार ने नए रेलवे टर्मिनल पर उपलब्ध पटरियों, पॉइंट्स और क्रॉसिंग, यार्ड और अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से भी बातचीत की। चेर्लापल्ली टर्मिनल पर ट्रैकमैन और गैंग-मैन मौजूद थे और हमने उनके कर्तव्यों के बारे में चर्चा की। इसके अतिरिक्त, सतीश कुमार ने भारतीय रेलवे के सिग्नल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान एवं उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) का दौरा किया, जहां उन्होंने स्वदेशी रूप से निर्मित टक्कर रोधी प्रणाली कवच (कवच) के कार्यान्वयन में शामिल अधिकारियों से बातचीत की।

संबंधित अधिकारियों ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भारतीय रेलवे में कवच की तैनाती की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया। बाद में, सीआरबी एवं सीईओ ने रेल निलयम, एससीआर मुख्यालय का दौरा किया और एससीआर के महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ विस्तृत प्रदर्शन समीक्षा बैठक की। अधिकारियों ने जोन के समग्र प्रदर्शन पर एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया।

एसआईआर प्रक्रिया के लिए एआईएमआईएम चला रही सहायता अभियान

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) मार्च से ही हैदराबाद में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया में लोगों की सहायता कर रही है। पार्टी ने इस दौरान जागरूकता अभियान चलाया है और सहायता केंद्र स्थापित किए हैं, ताकि पात्र मतदाता आसानी से अपनी प्रक्रिया पूरी कर सकें। दारुस्सलाम स्थित पार्टी मुख्यालय में विशेष सहायता केंद्र भी खोले गए हैं, जहां कार्यकर्ता लोगों को फॉर्म भरने और जरूरी दस्तावेजों की जानकारी देने में मदद कर रहे हैं। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कई जनसभाओं और मीडिया बातचीत में एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

केटीआर ने कन्नेपल्ली पंप हाउस से तत्काल पानी उठाने की मांग की

सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने कांग्रेस सरकार से कन्नेपल्ली पंप हाउस को तत्काल चालू कर गोदावरी का पानी उठाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि अल नीनो, कम वर्षा और सरकारी उदासीनता के कारण राज्य गंभीर सूखे की स्थिति का सामना कर सकता है। शनिवार को कन्नेपल्ली पंप हाउस का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत में केटीआर ने कहा कि तेलंगाना के 33 में से 26 जिले पहले ही सूखे जैसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। इसके बावजूद लाखों क्यूसेक गोदावरी जल समुद्र में बह रहा है, क्योंकि सरकार कालेश्वरम परियोजना के मौजूदा बुनियादी ढांचे का उपयोग नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौसम विशेषज्ञों द्वारा अल नीनो और सामान्य से कम वर्षा की चेतावनी दिए जाने के बावजूद सरकार ने किसानों की सुरक्षा और सूखे से निपटने के लिए कोई ठोस तैयारी नहीं की। केटीआर ने कहा कि सरकार को तुरंत कन्नेपल्ली पंप चालू कर जलाशयों को भरना चाहिए ताकि सिंचाई और पेयजल की जरूरतें पूरी हो सकें। केटीआर ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर पानी नहीं उठा रही है क्योंकि उसे अधिक फसल उत्पादन होने पर खरीद, उर्वरक

आपूर्ति और किसानों को बोनस देने की वित्तीय जिम्मेदारी का डर है।

उन्होंने कालेश्वर लिफ्ट सिंचाई परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कर परियोजना को पूरी क्षमता से संचालित किया जाना चाहिए। बीआरएस नेता ने हैदराबाद से कन्नेपल्ली तक की यात्रा के दौरान पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधों और प्रतिबंधों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सामान्यतः चार घंटे में पूरी होने वाली यात्रा को पुलिस बंदोबस्त के कारण लगभग सात घंटे लग गए। केटीआर ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना ने भूजल स्तर बढ़ाने, सिंचाई क्षेत्र का विस्तार करने, कृषि उत्पादकता में सुधार लाने और कई जिलों को पेयजल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने चेतावनी दी कि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो हैदराबाद में भी पेयजल संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने कांग्रेस सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कन्नेपल्ली पंपों से तुरंत पानी उठाने की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो बीआरएस अपना आंदोलन तेज करेगी। केटीआर ने घोषणा की कि पार्टी 50 से 60 हजार लोगों के साथ कन्नेपल्ली पंप हाउस का घेराव करेगी और किसानों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष को और व्यापक बनाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.